महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

सुविचार

इज्जत पर कोई डिस्काउंट नहीं मिलता, जब मिलती है तो पूरी मिलती है और जब जाती है तो पूरी ही जाती है क्यूँकि तूफान में कश्तियाँ और अभिमान में हस्तियां डूब ही जाती है.

वर्ष : 16 अंक : 334 | उज्जैन, शनिवार 16 मई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

नोएडा हिंसा केस में SC सख्त, गिरफ्तार दो आरोपितों को पेश करने का आदेश

नई दिल्ली/ जीएनएस। नोएडा में 13 अप्रैल को हुए औद्योगिक श्रमिकों के विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़काने के आरोप में गिरफ्तार दो आरोपितों आदित्य आनंद और रूपेश राय को सुप्रीम कोर्ट ने अपने समक्ष पेश करने निर्देश दिया है। शीर्ष अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार को उन्हें 18 मई को दोपहर दो बजे अपने समक्ष प्रस्तुत करने को कहा है।जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ आदित्य आनंद के भाई केशव आनंद की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसमें आरोप लगाया गया है कि गिरफ्तारी के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस ने आदित्य को प्रताड़ित किया और हिरासत में उसके साथ हिंसा की गई है। आनंद की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कोलिन गोंसाल्विस ने दलील दी कि आदित्य एक फैक्ट्री में काम करने वाला इंजीनियर है और बच्चों के लिए एक लाइब्रेरी भी चलाता था। स्वतंत्र जांच की मांग करते हुए गोंसाल्विस ने बताया कि विरोध प्रदर्शनों में आदित्य के भाषण मजदूरों के अधिकारों पर केंद्रित थे और इस दावे के समर्थन में रिकार्डिंग उपलब्ध हैं। उत्तर प्रदेश सरकार के वकील ने हिरासत में प्रताड़ना के आरोपों का खंडन किया और कहा कि गिरफ्तारी में उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन किया गया था। इससे पहले उत्तर प्रदेश पुलिस ने इस मामले में छात्र कार्यकर्ता आकृति चौधरी और पत्रकार सत्यम वर्मा के विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए), 1980 के प्रविधान लागू किए थे। नोएडा पुलिस ने गुरुवार को दावा किया था कि सत्यम वर्मा के निजी बैंक खाते में विदेश से एक करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा की गई। यह राशि डॉलर, पाउंड और यूरो के रूप में प्राप्त हुई थी। उसने इसे कई बार अपने दूसरे निजी बैंक खातों में ट्रांसफर किया था। सत्यम वर्मा ने आकृति चौधरी के साथ मिलकर श्रमिक आंदोलन के दौरान हिंसक प्रदर्शनों, आगजनी और सार्वजनिक व्यवस्था बाधित करने में अहम भूमिका निभाई थी। पुलिस के अनुसार, वर्मा को 19 अप्रैल को लखनऊ से हिमांशु ठाकुर के साथ गिरफ्तार किया गया था।

बंधक बनाए गए 38 में से 31 लोग रिहा, कई इलाकों में तनाव बरकरार

नई दिल्ली/ जीएनएस। मणिपुर के कांगपोकपी और सेनापति जिलों में सशस्त्र समूहों द्वारा बंधक बनाए गए कुकी और नगा समुदाय के 38 लोगों में से 31 को शुक्रवार को रिहा कर दिया गया। इन लोगों को आतंकियों द्वारा कांगपोकपी में चर्च के तीन नेताओं की हत्या और चार अन्य को घायल करने के बाद अज्ञात स्थानों पर ले जाया गया था, जबकि नोंई जिले में नागरिक की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, सशस्त्र आतंकियों द्वारा बंधक बनाई गई कंसाखुल गांव की 12 नगा महिलाओं को मखान गांव में रिहा किया गया। सेनापति जिले में बंधक बनाए गए चार पुरुष और दस कुकी महिलाओं को गुरुवार रात सुरक्षा बलों को सौंप दिया गया। डॉन बास्को के दो सेल्सियन भाइयों को भी अलग-अलग स्थानों पर सशस्त्र समूहों द्वारा रिहा किया गया। गुरुवार की शाम कुकी समुदाय की 18 वर्षीय किशोरी सहित तीन व्यक्तियों को सेनापति जिले में पुलिस टीमों को सौंपा गया। कांगपोकपी जिले में रिहा हुई एक महिला ने कहा, हमें आंखों पर पट्टी और हाथ बांधकर ले जाया गया। हमें नहीं पता था कि हमें कहां ले जाया गया। मुझे ऐसा लगा कि हमें पहाड़ी क्षेत्रों में ले जाया गया। किसी ने हमारा उत्पीड़न नहीं किया। मणिपुर के गृह मंत्री गोविंदास कोन्थौजम ने कहा था कि सरकार इन लोगों की रिहाई के लिए नागरिक समाज समूहों व नेताओं से चर्चा कर रही है।

आदि उत्सव जनजातीय गौरव, संस्कृति और उद्यमिता का है अदभुत संगम : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जनजातीय परम्पराओं को किया जा रहा है संरक्षित

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आदि उत्सव जैसे आयोजन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी विरासत से विकास के संकल्प को पूरा करने का माध्यम भी हैं। जनजातीय संस्कृति से जुड़ी वैभवशाली परम्पराओं के प्रदर्शन और संरक्षण में ऐसे उत्सवों का विशेष महत्व है। पिछले एक दशक से यह आयोजन जनजातीय समाज की गौरवशाली परंपराओं को जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि यह उत्सव हमारी प्राकृतिक, सांस्कृतिक और वैभवशाली विरासत को सहेजने के साथ आधुनिक उद्यमिता के माध्यम से उसे नए आयाम देने का सशक्त मंच बन रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह उत्सव ऐसा प्रतीत हो रहा है, मानो होली और दीपावली एक साथ आ गई हों। उन्होंने मंडला, डिंडोरी, बालाघाट, सिवनी, उमरिया और छिंदवाड़ा अंचल से पहुंचे गोंड एवं बैगा समाज के भाई-बहनों का स्वागत करते हुए आयोजन की भव्यता की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंडला जिले में रामनगर में हुए आदि उत्सव को मंत्रालय से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंडला का गोंड आर्ट, कर्मा, सैला और रीना नृत्य तथा बैगा समाज का परधोनी नृत्य जनजातीय संस्कृति की सुंदर अभिव्यक्ति हैं। इन परंपराओं को संरक्षित करने के लिए गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने कोदो-कुटकी सहित अन्य मोटे अनाजों के संरक्षण और प्रोत्साहन के लिए विशेष अभियान चलाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह उत्सव जनजातीय महापुरुषों और वीर नायकों बिरसामुंडा, रानी दुर्गावती, टंट्याभील, राजा शंकरशाह, कुंवर रघुनाथशाह, दलपतशाह की शौर्य गाथाओं का स्मरण कराने वाला प्रेरणादायी मंच भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अपनी जड़ों से जुड़ने और जनजातीय महापुरुषों के वंशजों का सम्मान करने का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है। यह आयोजन जनजातीय अस्मिता, संस्कृति और स्वाभिमान को नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गत एक दशक से आदि उत्सव का आयोजन हो रहा है जो प्रशंसनीय है। आदि उत्सव में बैगा ही नहीं गौंड और अन्य जनजातीय बंधु हिस्सा ले रहे हैं। आदि शिल्प में उद्यमियों और शिल्पियों का संगम भी हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजाति बोली और परंपराओं को हमें अगली पीढ़ी तक ले जाना है। जनजातीय संस्कृति को संरक्षित करने के लिए पारंपरिक वाद्य यंत्र भी यहां उपयोग में लाए गए हैं। साथ ही कर्मा सेला, लोक नृत्य की छटा बिखरी है। श्रीअन्न का उत्सव भी मनाया जा रहा है। प्रदेश में कोदो कुटकी के उत्पादन को प्रोत्साहन दिया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजाति समाज के नायक भगवान बिरसा मुंडा, रानी दुर्गावती, टंट्या मामा, रघुनाथ शाह, भभूत सिंह आदि के सम्मान के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने अनेक कदम उठाए हैं। इनमें ऐसे जनजाति नायकों के जन्म स्थल और कर्म स्थल पर कैबिनेट बैठक और अन्य आयोजन किए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंडला के मेडिकल कॉलेज का नाम राजा हृदय शाह के नाम पर करने की पहल की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आदि उत्सव के अवसर पर मेगा स्वास्थ्य शिविर के आयोजन की प्रशंसा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजाति वर्ग के कल्याण के लिए 47 हजार 425 करोड़ का बजट निर्धारित किया गया। तेंदूपत्ता संग्रह कार्य का लाभ जनजाति समाज को मिल रहा है। पीएम जनमन और धरती आबा अभियान से जनजातियों का हित संवर्धन हुआ है। वन धन केंद्रों के माध्यम से भी जनजातीय वर्ग लाभान्वित हो रहा है। अधोसंरचना विकास के कई कार्य किए जा रहे हैं। आकांक्षा योजना के क्रियान्वयन और सांदीपनि एवं एकलव्य विद्यालयों से जनजाति समाज के विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं। सिकल सेल जैसे रोगों के नियंत्रण की पहल भी की गई है।

केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री श्री जुएल ओरांव ने कहा कि गोंडवाना राजवंश के इस ऐतिहासिक महल का जीर्णोद्धार कराने के बाद वर्ष 2016 से लगातार यह आदि उत्सव आयोजित किया जा रहा है। जनजातीय गौरव को सम्मान देने की पहल सबसे पहले पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने की थी, जब 1999 में उन्होंने पहली बार जनजातीय कार्य मंत्रालय का गठन किया। मंडला के इस महल के जीर्णोद्धार के लिए मंत्रालय ने 1.97 करोड़ रुपये स्वीकृत किये। आज प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान, प्रधानमंत्री जनमन, आहार अनुदान, विभिन्न छात्रवृत्तियाँ, जनजातीय बच्चों की उच्च शिक्षा जैसे अनेक काम जनजातीय समाज के कल्याण के लिए किये जा रहे हैं।

21 जून को दोबारा होगी NEET-UG की परीक्षा, छात्रों को मिलेगा 15 मिनट अतिरिक्त समय

नई दिल्ली/ जीएनएस। पेपर लीक और परीक्षा रद होने के बाद नीट-यूजी में शामिल करीब 23 लाख छात्रों की दोबारा परीक्षा से जुड़ी उलझन अब खत्म हो गई है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने 21 जून को दोबारा परीक्षा कराने का ऐलान किया है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को दोबारा होने वाली परीक्षा की तारीख साझा करते हुए परीक्षा रद किए जाने से परेशान छात्रों को दोबारा होने वाली परीक्षा में तीन बड़ी राहत देने की भी जानकारी दी है। इस दौरान छात्रों को परीक्षा में पंद्रह मिनट ज्यादा समय देने व उन्हें अपने परीक्षा के शहर को बदलने का भी विकल्प भी दिया है। साथ ही छात्रों की फीस वापस करने के साथ ही दोबारा होने वाली परीक्षा के लिए कोई फीस न लेने की भी घोषणा की है। पेपर लीक और परीक्षा रद किए जाने के बाद पहली बार मीडिया से मुखातिब शिक्षा मंत्री प्रधान ने कहा कि पेपर लीक की घटना से सरकार चिंतित है।

हम परीक्षा माफिया से निपटने के लिए कड़े कदम उठा रहे है। सीबीआई इसकी जड़ में जाकर पड़ताल कर रही है। किसी को बख्शा नहीं जाएगा। पेपर लीक व परीक्षा माफिया को लेकर सरकार की जीरो टालरेंस की नीति है। छात्रों के भविष्य से कोई समझौता नहीं होगा।

एक सवाल के जवाब में प्रधान ने कहा कि अभी नीट-यूजी में परीक्षा अवधि के बीच हस्ताक्षर सहित दूसरी कागजी प्रकिया पूरी कराने से छात्रों का कुछ समय इनमें नष्ट हो जाता है। ऐसे में अब परीक्षा के दौरान पंद्रह मिनट ज्यादा समय दिया जाएगा। परीक्षा अवधि दो से पांच बजे की जगह अब दो से सवा पांच बजे की होगी।

ड्रोन अब आसमान के पंजे बन चुके हैं, वायुसेना प्रमुख ने बदले युद्ध के स्वरूप पर दी चेतावनी

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा है कि ड्रोन और अन्य मानव रहित हवाई प्रणालियां (यूएएस) अब केवल निगरानी के साधन नहीं रह गई हैं, बल्कि आधुनिक युद्ध में आसमान के पंजे बन चुकी हैं।

उन्होंने कहा कि युद्धक्षेत्र तेजी से बदल रहा है और अब सेनाएं केंद्रीकृत वायु शक्ति से हटकर विकेंद्रीकृत तथा स्वायत्त युद्ध प्रणाली की ओर बढ़ रही हैं।सुब्रतो पार्क में सेंटर फार एयरोस्पेस पावर एंड स्ट्रेटेजिक स्टडीज (सीएपीएसएस) और इंडियन मिलिट्री रिव्यू द्वारा आयोजित यूएएस और काउंटर-यूएएस संगोष्ठी को संबोधित करते हुए वायुसेना प्रमुख ने कहा कि आधुनिक युद्ध में पूर्ण डोमेन जागरूकता बेहद जरूरी है।

उन्होंने तीनों सेनाओं के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि एक ही हवाई क्षेत्र में संचालन के दौरान तालमेल की कमी गंभीर जोखिम पैदा कर सकती है। एयर चीफ मार्शल सिंह ने कहा कि हाल के संघर्षों और आपरेशन सिंदूर ने साबित किया है कि ड्रोन युद्ध का स्वरूप बदल चुके हैं।

उन्होंने कहा कि आपरेशन सिंदूर के दौरान समन्वित वायु रक्षा प्रणाली और एकीकृत वायु कमान एवं नियंत्रण प्रणाली (आइएसीसीएस) की बदौलत दुश्मन के बड़े ड्रोन हमलों को प्रभावी ढंग से विफल किया गया।उन्होंने कहा कि काउंटर-यूएएस प्रणाली बिल्ली और चूहे के खेल जैसी है, जहां आक्रमण और प्रतिरक्षा तकनीक साथ-साथ विकसित होती हैं।

यह आत्महत्या नहीं, सिस्टम द्वारा हत्या है, नीट अभ्यर्थियों की मौत पर राहुल गांधी का हमला

नई दिल्ली/ जीएनएस। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने उत्तरप्रदेश और गोवा में पेपर लीक के कारण नीट परीक्षा रद होने से हताश होकर दो छात्रों के आत्महत्या करने की घटना के लिए सरकारी परीक्षा तंत्र की भ्रष्ट व्यवस्था को जिम्मेदार ठहराया है।

साथ ही कहा कि ये बच्चे परीक्षा से नहीं हारे बल्कि इन्हें एक भ्रष्ट तंत्र ने मारा है और यह आत्महत्या नहीं यह सिस्टम द्वारा हत्या है। पेपर लीक से परेशान युवाओं को अपना पूरा समर्थन देते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि मेरे युवा साथियों,आपका दर्द मेरा दर्द है तथा आपकी मेहनत मेरी मेहनत है।

ऐसे में छात्रों का भविष्य चुराने वालों को जवाब देना ही होगा, चाहे जितना वक्त लगे, किसी को बख्शा नहीं जाएगा-ये मेरा वादा है।यूपी के लखीमपुर खीरी के 21 साल के छात्र ऋतिक मिश्रा के ÷अब नहीं देनी प्रतियोगी परीक्षा की आखिरी टिप्पणी के बाद आत्महत्या करने का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में कहा कि तीसरी बार नीट देने वाला यह बच्चा, परीक्षा रद्द होते ही टूट गया।

गोवा में भी एक नीट अभ्यर्थी ने जान दे दी। पेपर लीक के आंकड़े देते हुए राहुल गांधी ने कहा कि 2015 से 2026 तक 148 परीक्षा घोटाले हुए जिसमें 87 परीक्षाए रद्द हुई और नौ करोड़ बच्चों का भविष्य प्रभावित हुआ। जबकि इन 148 घोटालों में सिर्फ एक को सजा हुई।

सीबीआई ने 17 मामले लिए, इडी ने 11 मगर किसी को सजा नहीं हुई। नीट, एआइपीएमटी और अन्य मेडिकल परीक्षाओं में अकेले 15 घोटाले। राहुल गांधी ने कहा कि सबसे शर्मनाक बात कि इन घोटालों में जिम्मेदार किसी अधिकारी या मंत्री का इस्तीफा नहीं हुआ।

अधिकारी हटाए जाते हैं फिर चुपके से बड़े पद पर बैठा दिए जाते हैं। चोरी कराने वालों को ईनाम मिलता है और परीक्षा देने वाले बच्चे जान गंवाते हैं। प्रधानमंत्री से सवाल करते हुए कांग्रेस नेता कहा कि मोदी जी जवाबदेही जगाने के लिए कितने ऋतिक चाहिए?

आंध्र प्रदेश में 16 हजार करोड़ की लड़ाकू विमान परियोजना की शुरुआत

नई दिल्ली/ जीएनएस। ने श्री सत्य साई जिले में 16,000 करोड़ रुपये की लड़ाकू विमान के बुनियादी ढांचे परियोजना की आधारशिला रखी। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह भारत के रक्षा इतिहास में एक ऐतिहासिक अध्याय का प्रतीक है और आंध्र प्रदेश में एक नया युग शुरू हो रहा है। सिंह और नायडू ने उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) कार्यक्रम की अवसंरचना की आधारशिला रखी। राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को एक बैठक में कहा, %पुट्टापर्थी में यह परियोजना एरोनाटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए) द्वारा विकसित की जा रही है, जो डीआरडीओ का हिस्सा है और यह पांचवीं पीढ़ी के एएमसीए लड़ाकू विमान का विकास कर रही है। लगभग 16,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ एक विमान एकीकरण और उन्नत उड़ान परीक्षण केंद्र विकसित किया जा रहा है। ऐसी सुविधाएं केवल कुछ देशों के पास होती हैं। आधारशिला समारोह में चार प्रमुख परियोजनाएं शुरू हो रही हैं। इसके अलावा, आठ ड्रोन कंपनियां कर्नूल में एक ड्रोन सिटी भी शुरू कर रही हैं।

हफ्ते में 2 दिन Work from home, मंत्रियों की मेट्रो सवारी, CM रेखा के 10 एलान; अफसरों को छोड़नी होगी लग्जरी

नई दिल्ली/ जीएनएस। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद आज सभी मंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। सीएम रेखा गुप्ता ने बैठक में 10 बड़े एलान किए हैं।

सीएम रेखा गुप्ता ने बैठक में फैसला लिया है कि दिल्ली के सभी सरकारी दफ्तरों में दो दिन वर्क फॉर्म होम रहेगा। प्राइवेट कंपनियों को भी हफ्ते में दो दिन वर्क फॉर्म होम के लिए कहा जाएगा।

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह मानते हुए अपने काफिले में 60 प्रतिशत की कटौती की है। सीएम के काफिले में अब सिर्फ चार गाड़ियां हैं, जिनमें से 2 ईवी हैं।

मंत्रियों के वाहनों में कटौती - मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सभी मंत्रियों के वाहनों में कटौती की गई है। जहां तक संभव होगा हम लोग सार्वजनिक वाहन का भी उपयोग करेंगे। जिनका 200 लीटर पेट्रोल की लिमिट थी, उनके लिए 160 लीटर होगी। जिन्हें 250 लीटर पेट्रोल मिलता था, उन्हें अब 200 लीटर दिया जाएगा।

दफ्तरों का समय भी बदला- हर सोमवार को अधिकारी और कर्मचारी जितना संभव होगा, मेट्रो का उपयोग करेंगे। कार्यालय का समय बदल गया है। दिल्ली सरकार के कार्यालय का समय अब 10:30 से शाम सात बजे तक रहेगा। दिल्ली नगर निगम के सभी कार्यालय सुबह 8:30 बजे से शाम साढ़े 5:00 बजे तक काम करेंगे।

दिल्ली सरकार अपनी फिजिकल बैठकों में कटौती करेगी और 50त्न बैठकें ऑनलाइन करेंगी। दिल्ली सरकार के मंत्री, अधिकारी और कर्मचारी अगले एक साल तक विदेशी टूर नहीं करेंगे। दिल्ली की जनता से अपील की कि सभी लोग सप्ताह में एक दिन बगैर अपने वाहन के चलें। दिल्ली सरकार अगले छह माह तक कोई भी वाहन नहीं खरीदेगी।

दिल्ली सरकार की 29 कॉलोनी के लिए 58 बसों का एक रूट बनाया गया है, जो बसें उनके कॉलोनी से मेट्रो स्टेशन तक के लिए चलेंगी।

भारत-अमेरिका ट्रेड डीलः अगले महीने आ सकता है अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल; समझौते पर बनेगी बात?

नई दिल्ली/ जीएनएस। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने शुक्रवार को कहा कि मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत के लिए अमेरिकी प्रतिनिधमंडल अगले महीने भारत आ सकता है। हालांकि, अभी तक दौरे को लेकर कोई तिथि तय नहीं है।

अंतरिम समझौते के विवरण को अंतरिम रूप देने और बड़े द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए भारतीय पक्ष अप्रैल में वॉशिंगटन गया था। अग्रवाल ने यहां मीडिया से कहा, हमें उम्मीद है कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल जल्द ही भारत आएगा। उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहा है और इस पर सही समय पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। भारत और अमेरिका ने सात फरवरी को एक संयुक्त बयान जारी किया था, जिसमें आपसी और फायदेमंद ट्रेड के बारे में एक अंतरिम व्यापार समझौते के फ्रेमवर्क को अंतिम रूप दिया गया था।

उधर, वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने शुक्रवार को कहा कि ब्रिटेन के हाल के इस्पात संरक्षण उपाय से उत्पन्न मुद्दों से निपटने के लिए भारत और ब्रिटेन विशिष्ट एवं रचनात्मक समाधान तलाश रहे हैं ताकि प्रस्तावित व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) को जल्द लागू किया जा सके। दोनों देशों ने 24 जुलाई 2025 को इस समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

ब्रिटेन एक जुलाई 2026 से शुल्क-मुक्त इस्पात आयात पर सीमा लागू करेगा, जिससे कुल कोटा मात्रा इस्पात संरक्षण उपाय की तुलना में 60 प्रतिशत कम हो जाएगी। इन स्तरों से अधिक आयात पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया जाएगा। यह उपाय उन इस्पात उत्पादों के आयात पर लागू होगा जिनका उत्पादन ब्रिटेन में भी किया जा सकता है।

आईडीए बोर्ड बैठक में बड़े फैसले, आईएसबीटी संचालन और 6 लेन सड़क परियोजना को मिली मंजूरी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) की संचालक मंडल बैठक शुक्रवार को संभागायुक्त सह अध्यक्ष डॉ. सुदाम खाड़े की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में शहर के अधोसंरचना विकास, सड़क विस्तार, परिवहन, विद्युत व्यवस्था और विभिन्न योजनाओं के भूखंडों से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल, लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता योगेन्द्र कुमार, म.प्र. पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के मुख्य अभियंता राजेशचन्द्र जैन, संयुक्त संचालक नगर तथा ग्राम निवेश विभाग शुभाशीष बेनर्जी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में तुलसी नगर पुलिया से योजना क्रमांक 134 स्थित वसुंधरा कॉम्प्लेक्स के सामने निर्मित सड़क तक शेष मास्टर प्लान मार्ग को चार लेन के स्थान पर छह लेन में विकसित करने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई। इस परियोजना पर लगभग 70 लाख रुपये का अतिरिक्त व्यय होगा। अधिकारियों के अनुसार सड़क चौड़ीकरण से क्षेत्र में यातायात व्यवस्था अधिक सुगम होगी।

कुमेड़ी स्थित आईएसबीटी के संचालन एवं रखरखाव के लिए एजेंसी चयन संबंधी निविदाओं पर विचार करते हुए मेसर्स बी.वी.जी. इंडिया लिमिटेड, पुणे की निविदा को स्वीकृति दी गई। इसके साथ ही लंबे समय से प्रतीक्षित आईएसबीटी संचालन का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

आईडीए ने विभिन्न योजनाओं में उपलब्ध भूखंडों पर ईपीसी मॉडल के तहत विकास कार्य कराने का निर्णय लिया है। इसके लिए 60.98 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई। इन परियोजनाओं में लोकल शॉप, आरसीएम और कन्वीनियंट शॉप जैसे निर्माण शामिल हैं। साथ ही पीपीपी मॉडल के तहत निर्माण कार्यों के लिए कंसल्टेंट कम ट्रांजेक्शन एडवाइजर नियुक्त करने को भी मंजूरी दी गई।

बैठक में ग्राम मोरोद नेहरू, तहसील बिचौली हप्सी स्थित 125.2210 हेक्टेयर शासकीय भूमि पर प्रस्तावित मंडी निर्माण एवं विकास कार्य कृषि उपज मंडी इंदौर द्वारा स्वयं किए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। वहीं उज्जैन-इंदौर मेट्रोपॉलिटन रीजन प्लान (यूआईएमआर) के विस्तारित क्षेत्रफल के अनुसार कंसल्टेंट को अतिरिक्त भुगतान करने की अनुमति भी प्रदान की गई।

संचालक मंडल ने विभिन्न योजनाओं में आवासीय, व्यावसायिक, शैक्षणिक और औद्योगिक उपयोग के भूखंडों की न्यूनतम दर निर्धारण को मंजूरी दी। इनमें योजना क्रमांक 71, 74-सी, 78 अरण्य, 78 फेस-2, 97 भाग-4, 114-प्रथम, 134, 136, 140, 151, 159, 166 तथा 151-169-बी सहित कई योजनाएं शामिल हैं। इन स्वीकृतियों के बाद संबंधित भूखंड आवंटन और व्ययन के लिए उपलब्ध हो सकेंगे।

बैठक में योजना क्रमांक 97 भाग-4 रेती मंडी क्षेत्र में विद्युत ग्रिड निर्माण हेतु अतिरिक्त भूमि आवंटन को भी मंजूरी दी गई। पूर्व में 1 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई थी, जिसे बढ़ाकर अब 1.6 हेक्टेयर किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि इस ग्रिड के निर्माण से पश्चिम क्षेत्र, राऊ और बायपास से जुड़े इलाकों की बिजली समस्याओं का प्रभावी समाधान हो सकेगा।

भवन निर्माण के नाम पर लाखों की ठगी करने वाला आरोपी क्राइम ब्रांच की गिरफ्त में

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर क्राइम ब्रांच ने भवन निर्माण के नाम पर लोगों से लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर नौ से अधिक फरियादियों से करीब 67 लाख रुपये की ठगी और आपराधिक न्यासभंग करने का आरोप है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर उसके अन्य मामलों और सहयोगियों की जानकारी जुटा रही है।

पुलिस के अनुसार आरोपी महावीर सिंह सिकरवार, जो एस.एम. इन्फ्रा कंस्ट्रक्शन का प्रोप्राइटर है, ने फरियादियों के साथ भवन निर्माण के अनुबंध किए थे। उसने छह से आठ माह में निर्माण कार्य पूर्ण करने का भरोसा दिलाया था, लेकिन दिसंबर 2025 में अधूरा काम छोड़कर फरार हो गया। शिकायतकर्ता अंशुल जायसवाल सहित आठ अन्य पीड़ितों ने क्राइम ब्रांच में इसकी शिकायत दर्ज कराई थी।

जांच में सामने आया कि आरोपी ने अनुबंधित राशि से अधिक पैसे वसूले और तकनीकी रूप से त्रुटिपूर्ण निर्माण कार्य किया। आरोपी पर करीब 45 लाख 81 हजार रुपये की राशि हड़पने और अन्य आर्थिक अनियमितताओं सहित कुल लगभग 67 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए इंदौर पुलिस के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त और पुलिस उपायुक्त अपराध शाखा के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई। विस्तृत जांच के बाद आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 067/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4) और 316(5) में प्रकरण दर्ज किया गया।

क्राइम ब्रांच टीम ने आरोपी महावीर सिंह सिकरवार निवासी शिवालिका अपार्टमेंट, शिवधाम कॉलोनी इंदौर को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस अब आरोपी की अन्य निर्माण साइटों और उससे जुड़े लोगों की जानकारी जुटा रही है, ताकि अन्य संभावित पीड़ितों को भी न्याय दिलाया जा सके।

पुलिस ने बताया कि इस कार्रवाई में निरीक्षक विष्णु वास्कले और क्राइम ब्रांच इंदौर की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना-2026 का हुआ शुभारंभ

पिछड़ा वर्ग के युवाओं को सैन्य एवं सुरक्षा सेवाओं में अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं को सैन्य बल, पुलिस, होमगार्ड एवं अन्य समकक्ष सुरक्षा सेवाओं में भर्ती हेतु सक्षम बनाने के उद्देश्य से 45 दिवसीय प्रशिक्षण ÷शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना-2026÷ का शुभारंभ आज देवी अहिल्या विश्वविद्यालय खंडवा रोड स्थित तक्षशिला परिसर ऑडिटोरियम में आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर विधिवत किया गया। कार्यक्रम जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती रीना सतीश मालवीय के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर शिक्षाविद डॉ. स्वप्निल कोठारी, सहायक संचालक एवं नियंत्रणकर्ता अधिकारी (शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना) पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के सहायक संचालक डॉ. अनिल सोनी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का उद्बोधन करते हुए जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती रीना सतीश मालवीय ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए शौर्य संकल्प प्रशिक्षण की सफलता की कामना की। उन्होंने कहा कि युवाओं में ऊर्जा, क्षमता और राष्ट्रसेवा का जज़्बा प्रचुर मात्रा में है। शासन की यह योजना उन्हें उचित मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण प्रदान कर आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने का कार्य करेगी। उन्होंने युवाओं से प्रशिक्षण का पूर्ण लाभ उठाकर अपने लक्ष्य को प्राप्त करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में शिक्षाविद् डॉ. स्वप्निल कोठारी ने कहा कि प्रेरक प्रसंगों के माध्यम से जीवन में पढ़ाई का महत्व जीवन में संकल्प शक्ति, प्रतिबद्धता एवं पवित्रता के भाव को आत्मसात करने का महत्व बताते हुए विद्यार्थियों के जीवन सफलता प्राप्ति हेतु मेहनत और लगन से परिश्रम का महत्व बताया।

इस दौरान पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के सहायक संचालक डॉ. अनिल सोनी ने योजना की रूपरेखा एवं प्रशिक्षण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि प्रशिक्षण के दौरान युवाओं को भर्ती प्रक्रियाओं के अनुरूप तैयार किया जाएगा। योजना का उद्देश्य केवल रोजगार उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि युवाओं में आत्मविश्वास, अनुशासन एवं राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करना भी है। श्री प्रकाश मानावत ने अपने उद्बोधन में योजना के महत्व पर प्रकाश जलते हुए विद्यार्थियों से मेहनत लगाकर पढ़ाई करने का आह्वान किया।

उक्त कार्यक्रम राज्य शासन द्वारा प्रारंभ की गई यह योजना युवाओं के भविष्य निर्माण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है। योजना के माध्यम से युवाओं को शारीरिक दक्षता, लिखित परीक्षा, व्यक्तित्व विकास एवं अनुशासन संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिससे वे सेना, पुलिस एवं अन्य सुरक्षा सेवाओं में भर्ती के लिए बेहतर रूप से तैयार हो सकेंगे। इस अवसर पर विभागीय निरीक्षक श्री शैलेंद्र अत्रे, श्री मुकेश मकवाना, श्री जे. एस. वर्मा, श्री महेश राठौर, श्री भूपेन्द्र गुजराती आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर शौर्य संकल्प योजना के कुल 200 चयनित विद्यार्थी एवं अभिभावक एवं विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

निर्माणाधीन मास्टर प्लान सड़कों का आयुक्त ने किया निरीक्षण, तय समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने शुक्रवार को शहर में निर्माणाधीन मास्टर प्लान की विभिन्न सड़कों का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, अधीक्षण यंत्री पी.एस. कुशवाह, सहायक यंत्री नरेश जायसवाल, उपयंत्री पराग अग्रवाल सहित संबंधित विभागीय अधिकारी एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आयुक्त ने सबसे पहले इंदौर बायपास स्थित होटल प्राइड से सिटी फॉरेस्ट तक निर्माणाधीन सड़क कार्य का निरीक्षण किया। लगभग 29.52 करोड़ रुपये की लागत से यह सड़क बनाई जा रही है। इसके बाद उन्होंने 22.72 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित हो रहे जमजम चौराहा से स्टार चौराहा मार्ग, 8.77 करोड़ रुपये की लागत से रिंग रोड खजराना मंदिर से जमजम चौराहा मार्ग तथा 8.19 करोड़ रुपये की लागत से सांवेर रोड पेट्रोल पंप से शिव शक्ति नगर हनुमान मंदिर तक बन रही सड़क का निरीक्षण किया। इसके अलावा एमआर-4 और मालवीय नगर क्षेत्र में निर्माणाधीन सड़क कार्यों की भी समीक्षा की गई।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त क्षितिज सिंघल ने निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कार्य की गति बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि सड़क निर्माण परियोजनाएं शहर के यातायात को सुगम बनाने और नागरिकों को बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

आयुक्त ने निर्माण स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन और वाहन चालकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त बैरिकेडिंग, संकेतक बोर्ड, रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था तथा ÷निर्माण कार्य प्रगति पर है÷ के सूचना बोर्ड लगाए जाएं, ताकि दुर्घटनाओं की संभावना को रोका जा सके।

सड़क निरीक्षण के साथ आयुक्त ने शहर की सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया। उन्होंने बायपास रोड, ओमेक्स सिटी, रीजनल पार्क रोड, खजराना, रिंग रोड, खजराना गणेश मंदिर चौराहा, खजराना दरगाह, जमजम चौराहा, स्टार चौराहा, एमआर-4 रोड, वल्लभ नगर, जीएसटीआई रोड, एबी रोड, विजय नगर चौराहा और मालवीय नगर सहित विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सफाई व्यवस्था संतोषजनक पाई गई, हालांकि आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को स्वच्छता प्रोटोकॉल के अनुसार व्यवस्था में और सुधार करने के निर्देश भी दिए।

अन्नपूर्णा पुलिस की तत्परता से 24 घंटे में उज्जैन से सकुशल मिलीं तीन नाबालिग बालिकाएं

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में गुम एवं अपहृत बालक-बालिकाओं की तलाश के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत इंदौर पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। थाना अन्नपूर्णा पुलिस ने क्षेत्र से लापता हुई तीन नाबालिग बालिकाओं को महज 24 घंटे के भीतर उज्जैन से सकुशल दस्तयाब कर लिया।

पुलिस के अनुसार 14 मई 2026 को थाना अन्नपूर्णा क्षेत्र से तीन नाबालिग बालिकाओं के अपहरण की सूचना प्राप्त हुई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर थाना प्रभारी निरीक्षक हितगोपाल यादव के नेतृत्व में तत्काल विशेष टीम गठित की गई और बालिकाओं की तलाश शुरू की गई।

पुलिस टीम ने लगातार सर्चिंग अभियान चलाते हुए आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ की। संभावित स्थानों पर तलाश के साथ ही सीसीटीवी फुटेज की जांच और तकनीकी माध्यमों से जानकारी जुटाई गई। मुखबिर तंत्र और तकनीकी विश्लेषण की मदद से पुलिस ने 24 घंटे के भीतर तीनों बालिकाओं को उज्जैन से सकुशल दस्तयाब कर लिया।

दस्तयाब बालिकाओं को इंदौर लाकर नियमानुसार मेडिकल परीक्षण कराया गया तथा महिला अधिकारी के समक्ष उनकी काउंसलिंग भी कराई गई। न्यायालय में कथन दर्ज कराने के बाद तीनों बालिकाओं को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पॉक्सो एक्ट के प्रावधानों के तहत नाबालिग बालिकाओं की पहचान गोपनीय रखी गई है। वहीं पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि बच्चों से संबंधित किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि दिखाई देने पर तुरंत डायल-112 या नजदीकी थाने को सूचना दें।

क्राइम ब्रांच ने तीन तस्करों को ब्राउन शुगर के साथ पकड़ा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर क्राइम ब्रांच ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 15 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त की है। पुलिस के अनुसार जब्त मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब डेढ़ लाख रुपये आंकी गई है। आरोपी ब्राउन शुगर को ओला इलेक्ट्रिक मोपेड की डिक्की में छिपाकर सप्लाई करने जा रहे थे।

पुलिस के मुताबिक शहर में नशे के कारोबार और तस्करी में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 14 मई 2026 को क्राइम ब्रांच टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि शिवाजी नगर क्षेत्र में कुछ संदिग्ध व्यक्ति मादक पदार्थ की डिलीवरी करने आने वाले हैं। सूचना के आधार पर टीम ने विश्रांति चौराहा, शिवाजी नगर मेन रोड पर घेराबंदी कर काले रंग की ओला इलेक्ट्रिक मोपेड पर सवार दो युवकों को रोका।

पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम सौरभ उर्फ ईशु ओराडे और गौरव पाटिल बताए। पुलिस ने विधिवत तलाशी ली तो मोपेड की डिक्की से पारदर्शी जिप लॉक पन्नी में रखी 15 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई। इसके बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ और निशानदेही के आधार पर पुलिस ने तीसरे आरोपी शाहिल उर्फ ओमप्रकाश यादव निवासी भागीरथपुरा को भी गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना क्राइम ब्रांच में अपराध क्रमांक 68/26 के तहत धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने अवैध लाभ कमाने के उद्देश्य से मादक पदार्थों की तस्करी करना स्वीकार किया है। पुलिस अब ड्रग्स के स्रोत और इससे जुड़े अन्य लोगों के संबंध में जांच कर रही है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में शुरू हुआ 'कॉलेज चलो अभियान', विद्यार्थियों से किया जा रहा संपर्क

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में 'कॉलेज चलो अभियान' के द्वितीय चरण का संचालन शुरू कर दिया गया है। अभियान के तहत विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करने और महाविद्यालय की प्रवेश प्रक्रिया से जोड़ने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर संपर्क अभियान चलाया जा रहा है।

महाविद्यालय प्रशासन द्वारा इस अभियान के लिए कॉलेज के आसपास स्थित 20 विद्यालयों का चयन किया गया है। अभियान के सफल संचालन हेतु प्राध्यापकों के 11 दल गठित किए गए हैं, जो विभिन्न विद्यालयों में पहुंचकर प्राचार्यों से मुलाकात कर उत्तीर्ण विद्यार्थियों का डेटा एकत्रित कर रहे हैं। अभियान के दौरान विद्यार्थियों को महाविद्यालय की प्रवेश प्रक्रिया, शुल्क संरचना, विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी जा रही है। साथ ही विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के प्रति जागरूक कर कॉलेज में प्रवेश लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

महाविद्यालय में विद्यार्थियों और अभिभावकों की सुविधा के लिए हेल्प डेस्क भी संचालित किया जा रहा है। यहां करियर काउंसलिंग के साथ प्रवेश प्रक्रिया संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है, ताकि विद्यार्थियों को प्रवेश में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

लसूडिया पुलिस ने गांजा तस्करी करने वाले दो आरोपियों को दबोचा, 1.115 किलो गांजा जब्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत इंदौर पुलिस की लसूडिया थाना पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 1.115 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा जब्त किया है। जब्त गांजे की कीमत करीब 15 हजार रुपये बताई जा रही है।

पुलिस के अनुसार थाना लसूडिया द्वारा क्षेत्र में अवैध गतिविधियों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी दौरान 14 मई 2026 की रात करीब 11ः45 बजे पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। न्यू लोहा मंडी देवास नाका क्षेत्र में एक युवक संदिग्ध अवस्था में घूमता दिखाई दिया, जो पुलिस को देखकर घबरा गया। पुलिस ने युवक को रोककर पूछताछ की, जिसमें उसने अपना नाम सोनू राय (28) निवासी राहुल गांधी नगर इंदौर बताया। संदेह होने पर पुलिस ने पंचों की मौजूदगी में युवक के हाथ में मौजूद थैले की तलाशी ली। तलाशी के दौरान थैले में गांजा मिला। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1.115 किलोग्राम गांजा जब्त कर उसे गिरफ्तार कर लिया। मामले में थाना लसूडिया पर अपराध क्रमांक 732/2026 के तहत धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया गया।

विवेचना के दौरान आरोपी सोनू राय से पूछताछ में सामने आया कि वह अपने साथी संबित मस्ताने के साथ बाईग्राम क्षेत्र से गांजा लेकर आया था। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए संबित मस्ताने (32) निवासी स्कीम नंबर-78 इंदौर को भी गिरफ्तार कर लिया।

दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस अब जब्त गांजे के स्रोत और तस्करी नेटवर्क के संबंध में पूछताछ कर रही है।

सदियों का संघर्ष, सत्य की जीतः MP हाईकोर्ट का ऐतिहासिक फैसला, धार की भोजशाला मां वाग्देवी का मंदिर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ के माननीय न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला और माननीय न्यायमूर्ति आलोक अवस्थी ने धार की ऐतिहासिक भोजशाला से जुड़ी विभिन्न याचिकाओं पर अपना महत्वपूर्ण निर्णय सुनाया है। इस ऐतिहासिक और दूरगामी फैसले में न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया है कि भोजशाला कोई मस्जिद नहीं, बल्कि मूल रूप से मां वाग्देवी (सरस्वती) का हिंदू मंदिर है। फैसला आते ही धार जिले सहित पूरे प्रदेश में हिंदू समाज ने खुशियों की लहर छा गयी। हिन्दु संघठनों से जुड़े कार्यकर्ताओं व आमजन ने एक दूसरे को मिठाइयां बांटकर व फुल बरसाकर खुशियाँ मनाई। कोर्ट ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की 15 अहम तस्वीरों, शिलालेखों और वैज्ञानिक सर्वे रिपोर्ट को आधार बनाते हुए मुस्लिम पक्ष की दलीलों को सिरे से खारिज कर दिया है। इस फैसले के साथ ही दशकों से चले आ रहे उस विवाद का पटाक्षेप हो गया है, जिसने कई बार क्षेत्र की शांति को प्रभावित किया था। इस मामले में मुख्य रूप से हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस (रंजना अग्निहोत्री व अन्य) और कुलदीप तिवारी याचिकाकर्ता थे, जिनका पक्ष अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने रखा। वहीं, दूसरी ओर मौलाना कमालुद्दीन वेलफेयर सोसाइटी और मुस्लिम पक्ष का प्रतिनिधित्व वरिष्ठ अधिवक्ता सलमान खुर्शीद ने किया।

हाईकोर्ट के 7 बड़े और स्पष्ट निर्देश, जो बदलेंगे तस्वीर-

संरक्षित स्मारकः भोजशाला एक राष्ट्रीय स्तर का संरक्षित स्मारक है।

मंदिर पर मुहरः कोर्ट ने साफ माना है कि यह परिसर मां वाग्देवी का मंदिर ही है।

पूजा का पूर्ण अधिकारः हिन्दुओं को अब यहाँ विधिवत पूजा करने का अधिकार दे दिया गया है।

नमाज़ की याचिका खारिजः मुस्लिम समुदाय द्वारा परिसर में नमाज़ अदा करने की प्रार्थना को कोर्ट ने पूरी तरह ठुकरा दिया है।

ASI का कड़ा पहराः भोजशाला का संपूर्ण प्रबंधन और नियंत्रण अब केवल भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के पास रहेगा।

लंदन से आएगी प्रतिमाः कोर्ट ने भारत सरकार को निर्देश दिया है कि वह यूके (च) के म्यूजियम से मां वाग्देवी की मूल प्रतिमा वापस लाने के अभ्यावेदन पर गंभीरता से विचार करे।

मुस्लिम पक्ष को नया विकल्पः मुस्लिम समुदाय नमाज़ के लिए किसी अन्य उपयुक्त भूमि के आवंटन का दावा करने के लिए सरकार को अपना अभ्यावेदन दे सकता है।

ज्ञान के मंदिर से मस्जिद तकः 990 सालों का दर्दनाक इतिहास- आज से करीब 990 साल पहले, सन 1034 ईस्वी में परमार वंश के महान शासक महाराजा भोज ने इस परिसर का निर्माण एक विशाल संस्कृत विश्वविद्यालय के रूप में करवाया था। नालंदा और तक्षशिला की तर्ज पर बने इस भवन के मध्य विशाल यज्ञकुंड था, जहां 1035 ई. में वसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती (वाग्देवी) की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा हुई। यहाँ कालिदास, बाणभट्ट और भास्कर भट्ट जैसे प्रकांड विद्वान शास्त्रार्थ करते थे।

लेकिन 1305 ई. में अलाउद्दीन खिलजी की क्रूर नजर इस ज्ञान के मंदिर पर पड़ी। उसने हमला कर इसे ध्वस्त कर दिया। उस समय भोजशाला को बचाने के लिए 1400 प्रकांड विद्वानों ने अपनी आहुति दे दी थी। बाद में 1514 ई. में महमूद शाह खिलजी द्वितीय ने इसे मस्जिद का रूप देने की कोशिश की और परिसर के बाहर कमाल मौलाना का मकबरा बनवा दिया, जबकि उसकी मौत 204 साल पहले ही गुजरात में हो चुकी थी।

117 साल से लंदन के कांच में कैद है धार की धड़कनः भोजशाला का सबसे बड़ा दर्द मां वाग्देवी की मूल प्रतिमा का वियोग है। मुगलों के आक्रमण के समय खंडित हुई इस 4-5 फीट ऊंची सफेद पत्थर की प्रतिमा को जमीन में गाड़ दिया गया था। 1875 में अंग्रेज अफसर मेजर किनकैड ने खुदाई में इसे निकाला और लंदन ले गया। आज 117 सालों से धार की यह वाग्देवी भारत से 7350 किमी दूर लंदन के ब्रिटिश म्यूजियम में 8 फीट ऊंचे कांच के बॉक्स में कैद हैं। वहां उन्हें छूने तक की मनाही है और म्यूजियम ने उन्हें जैन देवी अंबिका का नाम दे रखा है।

रक्त, संघर्ष और तपस्याः ऐसे मुकाम तक पहुंची लड़ाई- धार के हिंदू समाज ने अपनी धरोहर को वापस पाने के लिए लंबा संघर्ष किया है। 1936 में जब तत्कालीन दीवान से मुसलमानों ने यहाँ नमाज़ की जगह मांगी, तो हिंदुओं ने कड़ा प्रतिकार किया। 1952 में महाराज भोज वसंतोत्सव समिति के गठन के बाद जन-जागरण तेज हुआ। 1997 में तत्कालीन सरकार ने आम लोगों की एंट्री बंद कर दी थी। 2003, 2013 और 2016 में जब वसंत पंचमी और शुक्रवार एक ही दिन पड़े, तो धार में भारी तनाव की स्थिति बनी।

आज दशकों की वह तपस्या पूरी हुई है। हाईकोर्ट के फैसले ने न सिर्फ इतिहास के पन्नों पर जमी धूल को साफ किया है, बल्कि आस्था को भी उसका खोया हुआ सम्मान लौटाया है। अब सभी की निगाहें केंद्र सरकार पर हैं कि वह कितनी जल्दी लंदन से मां वाग्देवी को ससम्मान उनके मूल स्थान पर वापस लाती है।

नीट परीक्षा पेपर लीक के विरोध में कांग्रेस का विशाल मशाल जुलूस शनिवार को

केंद्र सरकार की लापरवाही ने लाखों छात्रों के भविष्य पर पानी फेरा - तरुण बाहेती

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देश की सबसे प्रतिष्ठित मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट में हुए कथित पेपर लीक और धांधली के प्रकरण ने संपूर्ण शिक्षा जगत और देश की चयन प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़े कर दिए हैं। केंद्र सरकार की अदूरदर्शिता और लचर व्यवस्था के कारण आज देश के लाखों मेहनती विद्यार्थियों की बरसों की तपस्या भंग हो गई है और उनके अभिभावकों की गाढ़ी कमाई व आशाओं पर पानी फिर गया है। इस महाघोटाले और अन्याय के विरुद्ध प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी जी के आह्वान पर संपूर्ण प्रदेश के साथ-साथ नीमच जिला मुख्यालय पर भी जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा एक विशाल मशाल जुलूस के माध्यम से विरोध दर्ज कराया जाएगा।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती ने केंद्र सरकार पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि सरकार की नाक के नीचे इतना बड़ा पेपर लीक कांड हो गया और लाखों छात्रों का भविष्य दांव पर लगा है, लेकिन जिम्मेदार मौन साधे बैठे हैं। इस भ्रष्टाचार और युवाओं के साथ हो रहे इस खिलवाड़ को कांग्रेस पार्टी कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। इसी कड़ी में शनिवार, 16 मई 2026 को शाम 7:30 बजे जिला मुख्यालय पर एक प्रभावी मशाल जुलूस का आयोजन सुनिश्चित किया गया है। यह आंदोलन केवल एक जुलूस नहीं, बल्कि उन लाखों छात्रों की आवाज है जिनके हक पर डाका डाला गया है।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, यह मशाल जुलूस शहर के हृदय स्थल 40 चौराहा से प्रारंभ होगा, जो नया बाजार के मुख्य मार्गों से गुजरते हुए पुनः 40 चौराहा (40 जीरो) पर पहुंचकर संपन्न होगा। जुलूस के समापन स्थल पर युवा कांग्रेस द्वारा केंद्र सरकार की जनविरोधी और युवा विरोधी नीतियों के खिलाफ अपना कड़ा आक्रोश प्रकट करते हुए पुतला दहन किया जाएगा।

मशाल की रोशनी में कांग्रेस कार्यकर्ता सोई हुई सरकार को जगाने का काम करेंगे और मांग करेंगे कि इस पूरे प्रकरण की पारदर्शी जांच हो और दोषियों को ऐसी सजा मिले जो भविष्य के लिए नजीर बन सके।

श्री बाहेती ने जिले के समस्त कांग्रेस पदाधिकारियों, पूर्व विधायकों, विधानसभा व लोकसभा प्रत्याशियों, मोर्चा संगठन के जिला अध्यक्षों, विभाग एवं प्रकोष्ठ के अध्यक्षों, स्थानीय जन प्रतिनिधियों सहित जिले के जांबाज कांग्रेस साथियों व छात्र संगठनों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस मशाल जुलूस में सम्मिलित हों। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं का आह्वान किया है कि अपने भविष्य की रक्षा के लिए इस शांतिपूर्ण और प्रभावी विरोध प्रदर्शन का हिस्सा बनें ताकि केंद्र सरकार को मजबूर होकर छात्रों के हित में कड़े कदम उठाने पड़ें।

तीन फार्मासिस्ट दुकानों के लाइसेंस सस्पेंड, 6 को नोटिस जारी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में नारकोटिक्स एवं अन्य नशीली दवाओं की रोकथाम, नियंत्रण तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग की अध्यक्षता में सुशासन भवन स्थित सभागार में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री विनोद कुमार मीना, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला अफीम अधिकारी, केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो, कृषि, परिवहन, स्वास्थ्य, आबकारी एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि जिले में फार्मासिस्ट एवं केमिस्ट दुकानों की नियमित जांच करते हुए लगातार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि जिले में लगातार निरीक्षण किए जा रहे हैं, जिसके तहत 6 दुकानों को नोटिस जारी किए गए हैं तथा 3 दुकानों के लाइसेंस सस्पेंड किए गए हैं। कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित करते हुए कहा कि नारकोटिक्स के विरुद्ध कार्रवाई में आपसी समन्वय अत्यंत आवश्यक है। सभी विभाग संयुक्त रूप से कार्य करें तथा सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान सुनिश्चित करें। उन्होंने अंतरराज्यीय बसों में विशेष सघन जांच अभियान चलाने के निर्देश भी दिए, ताकि मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके। बैठक में शिक्षा विभाग को निर्देशित किया गया कि स्कूलों एवं महाविद्यालयों में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के विरुद्ध व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाए जाएं। साथ ही विद्यार्थियों एवं आमजन को एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों तथा मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया जाए।

एमडी ड्रग्स तस्करी मामले में नया खुलासा, सप्लायर सोनू पठान गिरफ्तार, गिरफ्तार आरोपी 5 दिन रिमांड पर

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नाहरगढ़ पुलिस द्वारा 1 किलो एमडी ड्रग्स जब्ती मामले में लगातार नए खुलासे हो रहे हैं।

पुलिस ने शुक्रवार को मामले में एक और आरोपी सोनू उर्फ सोनू पठान निवासी बागलिया, जिला प्रतापगढ़ को हिरासत में लिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार तीनों युवकों को मादक पदार्थ की सप्लाई सोनू पठान ही करता था। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है तथा शनिवार को उसे एनडीपीएस एक्ट कोर्ट में पेश किया जाएगा। इधर पुलिस ने पूर्व में गिरफ्तार तीनों आरोपियों को एनडीपीएस एक्ट कोर्ट में पेश किया, जहां से अदालत ने उन्हें 5 दिन के पुलिस रिमांड पर सौंप दिया है। रिमांड के दौरान पुलिस ड्रग्स तस्करी के पूरे नेटवर्क, सप्लाई चेन और अन्य जुड़े लोगों के बारे में पूछताछ करेगी।

गौरतलब है कि नाहरगढ़ पुलिस ने गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर डीगांव-कचनारा रोड पर नाकाबंदी कर किराए की टैक्सी से 1 किलो एमडी ड्रग्स बरामद की थी। पुलिस ने मौके से इंदौर निवासी शोभित कांटे, विश्वास राठौर और दीपेंद्र चौहान को गिरफ्तार किया था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी हर बार अलग-अलग रूट से ड्रग्स सप्लाई करते थे। यह उनकी पहली खेप नहीं थी, बल्कि पूर्व में भी कई बार तस्करी कर चुके थे। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्हें हर 10 ग्राम एमडी सप्लाई पर 5 हजार रुपए तक कमीशन मिलता था और वे पिछले करीब तीन वर्षों से इस धंधे में सक्रिय थे। टीआई वरुण तिवारी के अनुसार आरोपियों ने टैक्सी के गियर बॉक्स के पास बनाई गई गुप्त स्कीम में ड्रग्स छिपा रखी थी। वाहन से जीपीएस सिस्टम भी मिला है, जिससे यह संकेत मिले हैं कि ट्रेवल्स संचालक एप के जरिए वाहन की लोकेशन मॉनिटरिंग कर रहा था। पुलिस इस एंगल पर भी जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि अब तक मामले में 5 आरोपियों की भूमिका सामने आ चुकी है, जबकि जांच आगे बढ़ने के साथ अन्य नाम भी उजागर हो सकते हैं। पुलिस संबंधित आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड भी खंगाल रही है।

नए कप्तान राजेश व्यास का पैदल प्रहार- 1 घंटे में नाप डाला 3.5 किमी का इलाका, अपराधियों में हड़कंप

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कुर्सी संभालते ही एक्शन... और एक्शन ऐसा कि महकमे से लेकर अपराधियों के गलियारों तक हड़कंप मच गया! नीमच के नए पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास ने साफ कर दिया है कि उनके राज में कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों की खैर नहीं। पदभार ग्रहण करने के बाद नए कप्तान सीधे एक्शन मोड में आ गए हैं। गुरुवार की देर शाम जब लोग अपने घरों में थे, तब नए एसपी खुद सड़कों पर ऑन ड्यूटी उतर चुके थे।

रफ्तार, रौब और रवानगी- 1 घंटे में 3.5 किलोमीटर - जी हाँ, इसे कहते हैं असली कप्तानी! शहर की भौगोलिक स्थिति और कानून व्यवस्था को समझने के लिए एसपी राजेश व्यास ने किसी बंद गाड़ी का सहारा नहीं लिया, बल्कि खुद 3.5 किलोमीटर तक पैदल चलकर शहर का चप्पा-चप्पा छाना। करीब

एक घंटे तक चले इस मेगा पैदल मार्च से अपराधियों के हौसले पस्त और पुलिस महकमा पूरी तरह मुस्तैद नजर आया।

बस स्टैंड से विजय टॉकीज... तंग गलियों में गूंजी पुलिस की धमक- एसपी का यह तूफानी पैदल मार्च बस स्टैंड से शुरू हुआ, जो शहर के सबसे संवेदनशील और व्यस्त इलाकों से होकर गुजरा!

रूट मैप- बस स्टैंड मूलचंद मार्ग खारी कुआं सत्यनारायण मंदिर चूड़ी गली कॉर्नर घंटाघर नया बाजार बारादरी फव्वारा चौक यातायात थाना कमल चौक भारत माता चौराहा और अंत में विजय टॉकीज चौराहा पर यह मार्च संपन्न हुआ।

मिशन बिल्कुल साफ है- शहर की सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाना, तंग गलियों के रूट को समझना और अपराधियों के दिलों में पुलिस का खौफ पैदा करना!

फुल फोर्स के साथ उतरे कप्तान, अमला रहा अलर्ट- इस पैदल मार्च में एसपी के साथ पुलिस गाड़ियों का काफिला और भारी पुलिस बल मौजूद था। कप्तान को खुद जमीन पर उतरता देख मातहतों के भी पसीने छूट गए। इस मार्च में कप्तान के कंधे से कंधा मिलाकर चलने वालों में शामिल थे-

सीएसपी- किरण चौहान
केंट थाना प्रभारी- सौरभ शर्मा
सिटी थाना प्रभारी- पुष्पा चौहान
बघाना थाना प्रभारी- आरसी डांगी
यातायात प्रभारी- सोनू बडगूजर समेत करीब 30 पुलिसकर्मियों की रॉकस्टार टीम।

ट्रेलर अभी बाकी है... अगला निशाना बघाना और नीमच सिटी- सूत्रों की मानें तो यह तो सिर्फ एक झांकी है, असली पिक्चर अभी बाकी है! आने वाले एक-दो दिनों में एसपी राजेश व्यास उपनगर नीमच सिटी और बघाना के सबसे संवेदनशील इलाकों में इसी तरह पैदल मार्च कर अपराधियों की कमर तोड़ने वाले हैं।

सीधा संदेश- सुधर जाओ... वरना नए कप्तान का अगला एक्शन और भी भारी होने वाला है!

जिले में आज 16 मई से कृषि रथ का शुभारंभ

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्ष 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मनाये जाने के उपलक्ष्य में कृषि एवं संबद्ध विभागों- कृषि अभियांत्रिकी, पशुपालन, उद्यानिकी, मत्स्य पालन आदि पर किसानों एवं कृषि वैज्ञानिकों के मध्य सीधा सम्पर्क/संवाद कायम कर नवीन एवं वैज्ञानिक तकनीकी सुधार की जानकारी कृषकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से खरीफ फसलों की बुवाई के एक माह पूर्व दिनांक 16 मई से 10 दिवस तक प्रत्येक विकासखंड में कृषि रथ का भ्रमण आयोजित किया जा रहा है।

जिला मुख्यालय, नीमच पर शनिवार 16 मई को प्रातः 9:00 बजे जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सज्जन सिंह चौहान, हरी झंडी दिखाकर कृषि रथ को रवाना करेंगे विकासखंड जावद के अठाना, में 16मई कोप्रातः 8:00 बजे विधायक श्री ओमप्रकाश सखलेचा, एवं विकासखंड मुख्यालय, मनासा पर प्रातः 9:00 बजे मनासा क्षेत्र के विधायक श्री अनिरुद्ध माधव मारू कृषि रथ को रवाना करेंगे। कार्यक्रम में अन्य जनप्रतिनिधि भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। कृषि रथ प्रतिदिन 3 से 4 ग्राम पंचायतों का भ्रमण कर किसानों को खरीफ फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीक, शासन की योजनाओं तथा कृषि से संबंधित विभागों की नवीन जानकारियां उपलब्ध कराएगा। यह जानकारी उपसंचालक कृषि नीमच श्री दिनेश मंडलोई ने दी है।

जादू टोना कर सोने के बिस्किट के नाम पर लाखो ठगने वाला आरोपी धराया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के मार्गदर्शन में उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाकर कोतवाली निरीक्षक पुष्पेन्द्रसिंह राठौड़ के नेतृत्व में जादू टोना कर सोने के बिस्किट दिलाने का लालच देकर धोखाधडी कर लाखो ठगने वाले आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

घटना अनुसार दिनांक 14-05-26 को कोतवाली पर आवेदिका निवासी मदंसौर के द्वारा एक लिखित आवेदन प्रस्तुत कर बताया था कि वह सिलाई कढाई का कार्य करती है तथा पिछले करीब 04-05 वर्षो से भूरू खां पिता नन्हे खां उम्र 42 जाति मीरासी निवासी अरगढा बस्ती सीतामऊ से सिलाई कढाई के कार्य के माध्यम से संपर्क में थी। आरोपी भूरु खां द्वारा माह जून 2025 में आवेदिका को प्रलोभित कर बताया कि तुम गरीब हो और मै तुम्हे जादू टोना करके लाखो रुपये का फायदा दिला सकता हूँ और जादू टोना कर तुम्हारे घर के कच्चे मकान के अंदर से अनेक सोने के बिस्किट प्राप्त कर तुम्हे दे सकता हूं। फरियादिया आरोपी की बातो मे आ गई ओर फरियादिया द्वारा आरोपी की बातो में आकर आरोपी को 14 जून 2025 से 21 नवंबर 2025 के मध्य नगद एवं आनलाईन के माध्यम कुल 13 लाख 80 हजार 790 रुपये टुकडे-टुकडे में दिये और लगातार आरोपी से सोने से सोने बिस्किट की मांग की और इस संबध में जादू टोना करने का कहा तो आरोपी द्वारा माह नवंबर 2025 में फरियादिया के मकान के अंदर जाकर आधे घंटे तक फरियादिया एवं उसके परिजनो की अनुपस्थिति में जादू टोना का नाटक किया और आधे घंटे बाद 10 बिस्किट लाकर फरियादिया को दिये ओर कहा कि यह सोने के बिस्किट है जो मैने जादू टोना कर प्राप्त किये है। जिन्हे अभी बाजार में मत बेचना नही तो पुलिस पकड लेगी बाद में मै अपने परिचित सुनार की दुकान पर यह बिकवा दूंगा। फरियादिया आरोपी की बातों मे आ गई और उसके द्वारा कुछ दिनों तक बिस्किट अपने पास रखे लेकिन जब शंका होने पर परिचित सोना चांदी के व्यापारी को उक्त बिस्किट दिखाई तो वह नकली पीतल के निकले जिस पर आवेदिका के द्वारा आरोपी से संपर्क किया तो आरोपी ने अपना मोबाईल नंबर भी बंद कर दिया। फरियादिया को प्रारंभ में आरोपी ने चित्तोडगढ का होना बताया था जो तस्दीक में सीतामऊ मंदसौर का होना ज्ञात हुआ। फरियादिया की रिपोर्ट पर कोतवाली पुलिस ने केस पंजीबद्ध किया जाकर अनुसंधान में लिया। अनुसंधान के दौरान आरोपी को आज दिनांक 15-05-2026 को गिरफ्तार किया जाकर प्रारंभिक पूछताछ की जाकर आरोपी के निशादेही से 03 अन्य पीतल के बिस्किट भी बरामद किये है। आरोपी को माननीय न्यायालय पेश किया जाकर उसका पुलिस रिमांड प्राप्त किया जाकर पता लगाया जावेगा कि आरोपी के द्वारा कही अन्य ऐसा अपराध किया है अथवा नही, धोखाधडी कर प्राप्त की गई राशि का उसके द्वारा क्या किया गया, उसके अन्य संगी साथी यदि कोई हो एवं अन्य कोई तथ्य जो अभियोजन हेतु आवश्यक हो के संबध मे अनुसंधान किया जावेगा। इस कार्य में निरीक्षक पुष्पेन्द्रसिंह राठौड़ कोतवाली, उनि विजय पुरोहित, प्रआर कमलेश वर्मा, प्रआर रामनारायण नागदा, आर भानु प्रताप सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

नीमच शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में अघोषित बिजली कटौती के खिलाफ आज कांग्रेसजन अधीक्षण यंत्री को दर्ज कराएँगे कड़ा विरोध

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में पिछले कुछ समय से जारी अव्यवस्थित बिजली आपूर्ति और अघोषित बिजली कटौती ने आम जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी घंटों बिजली गुल रहने के कारण नागरिकों और किसानों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

जनहित के इस गंभीर मुद्दे को लेकर कांग्रेस पार्टी ने मुखर रुख अपनाते हुए प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

इसी कड़ी में आज दोपहर 12:30 बजे कांग्रेसजनों का एक प्रतिनिधिमंडल गोमाबाई रोड स्थित अधीक्षण यंत्री कार्यालय पहुंचेगा। यहाँ कांग्रेस नेता अधीक्षण यंत्री से मुलाकात कर बिजली कटौती के विरोध में अपना कड़ा विरोध दर्ज कराएंगे। जिला कांग्रेस का आरोप है कि भीषण गर्मी और कामकाज के समय बिजली की बार-बार आवाजाही से न केवल घरेलू उपभोक्ता परेशान हैं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेती-किसानी के कार्यों पर भी बुरा असर पड़ रहा है। विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस पदाधिकारियों द्वारा बिजली विभाग के आला अधिकारियों को एक ज्ञापन भी सौंपा जाएगा, जिसमें शहर और गांवों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की जाएगी। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में विशाल आंदोलन किया जाएगा।

होलकर स्लेट पेन संस्थापक लालाजी की पुत्री डॉक्टर मालती गुप्ता अनसंग एवरीडे हीरोज अवॉर्ड से सम्मानित

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिपलिया मंडी के प्रतिष्ठित होलकर स्लेट पेन संस्थापक स्वर्गीय लाला काशीराम गुप्ता की पुत्री एवं वरिष्ठ चिकित्सक-सामाजिक कार्यकर्ता डॉ मालती गुप्ता को जयपुर में आयोजित एक भव्य समारोह में (अनसंग एवरीडे हीरोज अवार्ड) से सम्मानित किया गया। उनके सम्मानित होने की खबर से पिपलिया मंडी सहित क्षेत्र में हर्ष एवं गौरव का वातावरण है।

यह सम्मान समारोह आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक एवं विश्वप्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर के 70 वें जन्मोत्सव तथा आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के 45 वें स्थापना दिवस के अवसर पर जयपुर के प्रताप नगर स्थित आर्ट ऑफ लिविंग आश्रम में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह के दौरान डॉ मालती गुप्ता द्वारा रचित कविता ÷पानी और आग एक अनूठा संगम÷ तथा इसी विषय पर आधारित उनकी लिखित द्विभाषीय पुस्तिका का विमोचन मुख्य अतिथियो ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं साहित्य प्रेमियों ने उनके साहित्यिक योगदान एवं सामाजिक सरोकारों की सराहना की। कविता एवं पुस्तिका में जलने से होने वाली दुर्घटनाओं, उससे बचाव एवं मानव जीवन में पानी और आग के महत्व को संवेदनशील एवं प्रेरणादायी रूप में प्रस्तुत किया गया है। कार्यक्रम के आयोजक अरुण अग्रवाल ने बताया कि अवार्ड का उद्देश्य समाज में ऐसे व्यक्तित्वों को सम्मानित करना है, जो बिना किसी प्रचार-प्रसार के वर्षों से समाज सेवा, जनजागरूकता एवं मानव कल्याण के कार्यों में निरंतर योगदान दे रहे हैं। 85 वर्षीय डॉ मालती गुप्ता, सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय में प्लास्टिक सर्जरी एवं बर्न्स विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष रह चुकी हैं। चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में उनका योगदान अत्यंत उल्लेखनीय रहा है। उन्होंने अपने चिकित्सकीय जीवन के साथ-साथ समाज में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से कई जनहितकारी अभियान भी संचालित किए। डॉ सुश्री मेघना सोती ने किया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े चिकित्सक, समाजसेवी, साहित्यकार एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने डॉ मालती गुप्ता के सामाजिक योगदान, सेवा भावना एवं जनकल्याण के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए उन्हें समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

मालती गुप्ता को विशेष रूप से उनके दो प्रमुख जनजागरूकता अभियानों के लिए सम्मानित किया गया। पहला घूंघट प्रथा मुक्त ग्राम अभियान, जिसके माध्यम से उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को सामाजिक कुरीतियों से मुक्त होकर आत्मविश्वास एवं सम्मान के साथ जीवन जीने के लिए प्रेरित किया। दूसरा ÷जल जाने पर प्राथमिक उपचार÷ अभियान, जिसके अंतर्गत उन्होंने आमजन को आग से झुलसने की स्थिति में तत्काल किए जाने वाले सही प्राथमिक उपचार की जानकारी देकर अनेक लोगों को जागरूक किया। समारोह का संचालन

कुकड़ेश्वर में अस्वच्छ परिस्थितियों में नमकीन निर्माण पर कार्रवाई

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं अपर कलेक्टर बी.एस.कलेश के निर्देशानुसार, गुरूवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने कुकड़ेश्वर एवं रामपुरा में खाद्य प्रतिष्ठानों का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान मैसर्स श्री साईं कृपा नमकीन, मनासा-रामपुरा रोड, कुकड़ेश्वर में अत्यंत अस्वच्छ परिस्थितियों में बिना वैध खाद्य पंजीयन के नमकीन का निर्माण, पैकिंग, भंडारण एवं विक्रय करना पाया गया। पैक किए गए नमकीन के पैकेटों पर नियमानुसार पैकिंग दिनांक, बैच नंबर, लाइसेंस नंबर आदि जानकारी अंकित नहीं पाई गई। लेबल पर निर्माता का पता, जूनी भदाना, तहसील मनासा अंकित था, जबकि निर्माण कुकड़ेश्वर में किया जा रहा था। खाद्य सुरक्षा टीम ने उक्त परिसर को तत्काल शटडाउन करवाकर क्रय-विक्रय बंद कराया और मौके से बजरंग नमकीन स्पेशल सेव, श्रद्धा रतलामी सेव, श्री साईं कृपा नमकीन खट्टा मीठा मिक्सर, श्री साईं कृपा रतलाम सेव बारीक, पामोलिन ऑयल, अजवाइन, काली मिर्च, लौंग, मिर्ची पाउडर, बेसन, मटर आटा सहित कुल 11 नमूने लिए गए। जप्त नमकीन की मात्रा 1385 किलोग्राम, कुल कीमत 22,600/- रूपये है।

शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही जरूरी है मानसिक स्वास्थ्य- डॉ. प्रमोद सेठिया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, मंदसौर में विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली के लिए प्रेरित करना था।कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान

मुख्या वक्ता डॉ. प्रमोद कुमार सेठिया, काउंसलर मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर बताया गया कि मानसिक स्वास्थ्य उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि शारीरिक स्वास्थ्य। तनाव प्रबंधन, सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास, भावनात्मक संतुलन तथा आवश्यकता पड़ने पर परामर्श लेने के महत्व पर विशेष रूप से चर्चा की गई।कार्यक्रम का सफल समन्वयन मेंटल हेल्थ नोडल अधिकारी श्री विकास सोलंकी द्वारा किया, स्वागत भाषण डॉ. क्षितिज पाठक द्वारा दिया गया एवं अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 दिलीप कुमार शर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में संस्था स्टाफ, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

औद्योगिक क्षेत्र में भूमि आवंटन के बाद विकास कार्यों में लाई जाए तेजी : कलेक्टर अदिति गर्ग

जिला स्तरीय लघु उद्योग संवर्धन समिति की बैठक संपन्न

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर अदिति गर्ग की अध्यक्षता में जिला स्तरीय लघु उद्योग संवर्धन समिति की बैठक सुशासन भवन स्थित सभागृह में आयोजित की गई। बैठक में जिले के औद्योगिक विकास, एमएसएमई उद्योगों की प्रगति तथा नए औद्योगिक क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विकास संबंधी विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने निर्देश दिए कि औद्योगिक क्षेत्रों में भूमि आवंटन के पश्चात विकास कार्यों को तेजी से पूर्ण किया जाए, ताकि नवीन उद्योग शीघ्र स्थापित हो सकें। उन्होंने कहा कि उद्योगों में रोजगार के निर्धारित मापदंडों का पालन सुनिश्चित किया जाए तथा स्थानीय लोगों को अधिकाधिक रोजगार उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाए।

उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि औद्योगिक क्षेत्रों में बिजली, पानी एवं सड़क जैसी आधारभूत सुविधाओं का कार्य प्राथमिकता से पूर्ण किया जाए। साथ ही नक्शा एवं खसरे के अनुसार विकास कार्यों में अमल सुनिश्चित किया जाए। बैठक में जानकारी दी गई कि वर्ष 2025-26 के दौरान लघु उद्योग अंतर्गत जिले में 283 उद्योग पंजीकृत किए गए, जिनमें 1428 लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ तथा 8782.23 लाख रुपए का निवेश प्राप्त हुआ। एमपीआईडीसी अंतर्गत जिले में तीन नए औद्योगिक क्षेत्रों – जग्गाखेड़ी फेस-2, बसई एवं सेमली काकड़ – में विकास कार्य निरंतर जारी हैं।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के बाद आवंटन प्रक्रिया को प्राथमिकता से पूर्ण किया जाए। उन्होंने उद्योग विभाग को निर्देशित किया कि एमएसएमई उद्योगों के आवंटन की प्रक्रिया को सरल एवं पारदर्शी बनाया जाए। आवेदन प्रक्रिया को सुविधाजनक रखते हुए उद्योग स्थापना को प्रोत्साहित किया जाए। बैठक के दौरान उद्योगपतियों द्वारा भी विभिन्न समस्याओं एवं सुझावों से अवगत कराया गया, जिस पर कलेक्टर ने संबंधित विभागों को निर्धारित समय सीमा में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सम्पादकीय

गनदी नहीं, अपनी संस्कृति और आने वाली पीढ़ियों को बचा रहे हैं श्रमवीर

अनादि काल से जनजीवन, संस्कृति और सभ्यता को जीवनरस प्रदान करने वाली वेत्रवती आज पुनर्जागरण की दिव्य चेतना बनकर पुनः जाग उठी है। मध्यप्रदेश के रायसेन जिले के झिरी (कुम्हारा) गांव में स्थित पावन उद्गम क्षेत्र में 10 मई 2026 से आरम्भ ÷श्रमदान सप्ताह÷2026÷ केवल स्वच्छता या संरक्षण का अभियान नहीं, बल्कि मृतप्राय होती प्रकृति में नवजीवन संचारित करने का विराट लोकयज्ञ बन चुका है। उपेक्षा, अतिक्रमण, मलबा संचयन और परिवर्तित ऋतुचक्र के प्रहारों से आहत इस तपोभूमि को पुनर्जीवित करने हेतु जनसामान्य प्रखर धूप में भी फावड़ा, टोकरी और अटूट संकल्प के साथ निरंतर श्रमरत है। यह प्रेरक दृश्य उद्घोष कर रहा है कि जब सामूहिक चेतना जागृत होती है, तब सूखी धाराएँ भी पुनः अमृतधारा बनकर प्रवाहित होने लगती हैं। यह महाअभियान केवल जलसंरक्षण का प्रयास नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के सुरक्षित अस्तित्व, प्रकृति-संतुलन और जीवनमूल्यों के संरक्षण का सुदृढ़ आधार निर्मित कर रहा है।

सूखी पड़ती जीवनधारा को पुनर्जीवित करने का जो संकल्प गत वर्ष जागा, वही आज इस महाअभियान की सबसे बड़ी शक्ति है। स्थानीय नागरिकों, पर्यावरण साधकों और सामाजिक संगठनों के श्रम से उद्गम क्षेत्र में 55 लघु चेक डैम / अवरोधक बांध निर्मित किए गए। आरम्भ में यह कार्य असंभव प्रतीत होता था, किंतु सामूहिक संकल्प ने इसे संभव कर दिखाया। इन अवरोध बांधों के कारण बेतवा उद्गम लगभग छह माह तक जलमय रहा तथा जलधारा अविरल बहती रही। यह सफलता केवल निर्माणकार्य की उपलब्धि नहीं, बल्कि जागृत समाज की उत्तरदायी चेतना का प्रमाण थी। इसी प्रेरणा ने इस वर्ष के ÷श्रमदान सप्ताह÷ को और व्यापक बना दिया है। लोगों ने अनुभव किया कि निष्ठापूर्ण प्रयासों के आगे प्रकृति भी अपना आशीर्वाद देती है। यही विश्वास प्रतिदिन सैकड़ों श्रमसेवियों को उद्गम स्थल तक खींच ला रहा है।

जब समाज स्वयं प्रकृति के संरक्षण का संकल्प उठा लेता है, तब जनशक्ति परिवर्तन का सबसे बड़ा माध्यम बन जाती है। ग्राम सेवा समिति भोपाल के नेतृत्व में चल रहे इस अभियान में अनेक सामाजिक और शैक्षणिक संस्थाओं की प्रेरक सहभागिता दिखाई दे रही है। बेतवा बिरादरी विदिशा, नमन सेवा समिति बैतूल, युवा फाउंडेशन भोपाल, गांधी भवन, सप्रे संग्रहालय, एनजीओ पाठशाला, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर तथा मैनिट सहित अनेक संस्थाएं सक्रिय रूप से श्रमदान कर रही हैं। यह सहभागिता सिद्ध करती है कि पर्यावरण संरक्षण केवल शासन का दायित्व नहीं, बल्कि पूरे समाज का सामूहिक धर्म है। यहां औपचारिकता नहीं, बल्कि मिट्टी और नदी के प्रति आत्मीय समर्पण दिखाई देता है। यही भावना इस अभियान को जनभागीदारी से जनआंदोलन में परिवर्तित कर चुकी है।

जब वृद्ध हाथों का अनुभव और युवाओं का उत्साह एक साथ मिट्टी से जुड़ता है, तब परिवर्तन इतिहास बन जाता है। इस महाअभियान में युवाओं के साथ सत्तर, पचहत्तर और अस्सी वर्ष की आयु पार कर चुके वरिष्ठजन भी अदम्य ऊर्जा से श्रमदान कर रहे हैं। प्रचंड गर्मी और कठिन श्रम के बीच उनका समर्पण युवा पीढ़ी के लिए जीवंत प्रेरणा बन गया है। सेवानिवृत्त वरिष्ठ वन अधिकारी श्री आजाद सिंह डबास, श्री कौशलेंद्र सिंह सहित अनेक अनुभवी पर्यावरण साधकों की उपस्थिति ने अभियान को दिशा और निरंतरता प्रदान की है। उन्होंने सिद्ध कर दिया कि प्रकृति के प्रति दायित्व की कोई आयु-सीमा नहीं होती। पीढ़ियों के इस संगम ने यह संदेश भी दिया है कि जब अनुभव और युवा शक्ति साथ खड़े होते हैं, तब जनसंकल्प अजेय बन जाता है।

पीआईएल 2.0- स्वार्थ, सुर्खियाँ और प्रतिशोध का मिला-जुला रूप

जब न्याय के द्वार समाज के कमजोर और उपेक्षित वर्ग के लिए बंद प्रतीत होने लगे, तब जनहित याचिका यानी पीआईएल (पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन) आशा की सशक्त किरण बनकर उभरी। 1970 के दशक के अंत में न्यायमूर्ति पीएन भगवती और वीआर कृष्णा अय्यर ने इसकी दूरदर्शी आधारशिला रखी। इसका उद्देश्य निर्धन, असहाय और वंचित लोगों तक न्याय पहुँचाना था। हुसैनारा खातून मामले से लेकर पर्यावरण संरक्षण, महिला अधिकार और मानवाधिकार से जुड़े ऐतिहासिक निर्णयों ने पीआईएल को जनता की सशक्त आवाज बना दिया। किंतु मई 2026 में स्थिति बदल चुकी है। आज सर्वोच्च न्यायालय और केंद्र सरकार दोनों इसके बढ़ते दुरुपयोग पर गंभीर चिंता व्यक्त कर रहे हैं। क्या जनहित का यह प्रभावशाली माध्यम अब निजी प्रतिशोध, राजनीतिक स्वार्थ और आर्थिक हितों का साधन बन गया है? यह प्रश्न न्यायपालिका की गरिमा के साथ जनता के न्याय पर विश्वास को भी चुनौती दे रहा है।

पीआईएल के बढ़ते दुरुपयोग ने हाल के महीनों में न्याय व्यवस्था की चिंता बढ़ा दी है। मई 2026 में न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने टिप्पणी करते हुए कहा कि पीआईएल अब प्राइवेट इंटरेस्ट, पब्लिसिटी इंटरेस्ट, पैसा इंटरेस्ट और पॉलिटिकल इंटरेस्ट लिटिगेशन बनती जा रही है। सबरीमाला मामले की समीक्षा में 9 न्यायाधीशों की पीठ ने उन याचिकाओं पर सवाल उठाए, जो केवल समाचार कतरनों और सोशल मीडिया पोस्टों पर आधारित थीं और जिनसे याचिकाकर्ता का कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं था। केंद्र सरकार ने भी संकेत दिए हैं कि अब पीआईएल की सीमाएँ तय करने का समय है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के अनुसार, लोकस स्टैंडी की छूट का उपयोग अब वंचितों से अधिक निजी एजेंडा के लिए हो रहा है। इससे लंबित मामलों का बोझ बढ़ रहा है और वास्तविक पीड़ितों को न्याय मिलने में देरी हो रही है।

पीआईएल का बढ़ता दुरुपयोग न्याय व्यवस्था पर गंभीर प्रभाव डाल रहा है। कई मामलों में एक ही व्यक्ति ने 25 से अधिक पीआईएल दायर कीं, जिन्हें सर्वोच्च न्यायालय ने खारिज कर याचिकाकर्ता को वकालत पर ध्यान देने की सलाह दी। अनेक याचिकाएँ अब निजी प्रतिशोध, व्यापारिक प्रतिस्पर्धा और धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप का माध्यम बनती दिख रही हैं। कभी पीआईएल जनहित के लिए एक सशक्त साधन थी, पर अब बिना ठोस आधार के भी याचिकाएँ दायर हो रही हैं। वर्ष 2025 में सर्वोच्च न्यायालय में 570 पीआईएल स्वीकार हुईं और मार्च 2025 तक 80,000 से अधिक मामले लंबित रहे। इससे न्यायालयों पर बोझ बढ़ रहा है और वास्तविक जनहित मामलों की गति प्रभावित हो रही है।

पीआईएल के दुरुपयोग ने न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता पर गहरा प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएँ, गिरती शिक्षा व्यवस्था, जल संकट और पर्यावरणीय असंतुलन जैसे वास्तविक जनहित के मुद्दे पीछे छूटते जा रहे हैं, जबकि प्रचार और राजनीतिक लाभ के लिए दायर पीआईएल सुर्खियाँ बटोर रही हैं। केंद्र सरकार का मानना है कि पीआईएल अब अदालतों को अनावश्यक रूप से नीति निर्माण में खींचने का माध्यम बनती जा रही है। इससे लोकतंत्र के तीनों अंगों के बीच संतुलन बिगड़ने का खतरा बढ़ रहा है। निराधार याचिकाओं पर लगाए गए जुर्माने भी प्रभावी सिद्ध नहीं हो रहे, क्योंकि कई याचिकाकर्ता उन्हें सामान्य खर्च मानकर आगे बढ़ जाते हैं।

पीआईएल की मूल भावना और विश्वसनीयता बचाने के लिए त्वरित तथा कठोर सुधार अनिवार्य हैं। अदालतों को याचिका स्वीकार करने से पहले याचिकाकर्ता की मंशा और तथ्यों की गंभीर जांच करनी चाहिए। यह सुनिश्चित हो कि याचिकाकर्ता प्रभावित वर्ग से जुड़ा है तथा उसने आरटीआई या अन्य माध्यमों से पर्याप्त प्रमाण जुटाए हैं। निराधार याचिकाओं पर भारी आर्थिक दंड, वकीलों पर प्रतिबंध और न्यूनतम दस्तावेजी प्रमाण की अनिवार्यता जैसे कदम प्रभावी हो सकते हैं। मीडिया को भी हर पीआईएल को तत्काल जन आंदोलन बनाकर प्रस्तुत करने से बचना होगा। साथ ही जनता को समझाना आवश्यक है कि पीआईएल कोई विशेष अधिकार नहीं, बल्कि न्याय पाने का अंतिम संवैधानिक उपाय है।

सर्वोच्च न्यायालय ने जनहित याचिकाओं के दुरुपयोग को रोकने हेतु समय-समय पर कड़े निर्देश दिए हैं। वर्ष 2010 के बलवंत सिंह चौफल मामले में याचिकाकर्ता की सत्यता जांच, तथ्यों की पुष्टि और बिना आधार वाली याचिकाओं पर अर्थदंड का प्रावधान किया गया। हाल में भी न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि वास्तविक जनहित याचिकाएँ ही प्राथमिकता से सुनी जाएँगी, जबकि निजी लाभ या प्रचार वाली याचिकाएँ खारिज होंगी। कुछ उच्च न्यायालयों ने पीआईएल से पहले आरटीआई, प्रशासन से संपर्क और याचिकाकर्ता की प्रामाणिकता जांच की प्रक्रिया अपनाई है। इन निर्देशों के पालन और विशेष पीठ या तेज प्रक्रिया से न्याय प्रणाली पर बोझ घटेगा और पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिलेगा।

इन बढ़ती चुनौतियों के बावजूद पीआईएल को पूरी तरह समाप्त करना उचित नहीं होगा। आज भी यह लाखों गरीब, असहाय और वंचित लोगों की सबसे बड़ी उम्मीद है, जो महंगी कानूनी प्रक्रिया का खर्च नहीं उठा सकते। आवश्यकता समाप्ति की नहीं, बल्कि संतुलित और प्रभावी सुधार की है। मूल उद्देश्य को सुरक्षित रखते हुए दुरुपयोग रोकने के लिए कठोर और स्पष्ट व्यवस्था बनानी होगी। सर्वोच्च न्यायालय और केंद्र सरकार को मिलकर ऐसे दिशा-निर्देश तैयार करने चाहिए, जिससे पीआईएल फिर वास्तविक जनहित की सशक्त रक्षक बन सके। अन्यथा न्याय दिलाने का यह महत्त्वपूर्ण माध्यम स्वयं न्याय व्यवस्था पर बोझ बन जाएगा। पीआईएल आज अपने मूल उद्देश्य और विश्वसनीयता की गंभीर परीक्षा से गुजर रही है। यह व्यवस्था तभी तक लोकतंत्र की मजबूत और प्रभावी आधारशिला बनी रह सकती है, जब तक इसका उपयोग वास्तविक न्याय, संवैधानिक मूल्यों और जनहित के लिए हो, न कि निजी स्वार्थ, प्रचार या राजनीतिक लाभ के लिए। यदि इसके दुरुपयोग पर समय रहते कठोर और प्रभावी नियंत्रण नहीं लगाया गया, तो कमजोरों की आवाज बनने वाला यह महत्वपूर्ण माध्यम धीरे-धीरे अपनी गरिमा, प्रभाव और विश्वसनीयता खो देगा। इसलिए न्यायपालिका, सरकार और समाज सभी को मिलकर जिम्मेदारी, जागरूकता और गंभीरता के साथ कार्य करना होगा। न्याय की रक्षा वास्तव में हम सबकी साझा और अनिवार्य जिम्मेदारी है।

-प्रो. आरके जैन

समय रहते चेतें

इस तथ्य पर हैरानी नहीं कि पेट्रोलियम पदार्थों के स्रोत कच्चे तेल के साथ-साथ खाद्य तेलों के आयात में भी अच्छी-खासी विदेशी मुद्रा की खपत हो रही है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री ने खाद्य तेलों के सेवन में कमी लाने की भी अपील की। उनका यह कहना सही है कि इससे सेहत सुधारने के साथ विदेशी मुद्रा बचाने में भी सहायता मिलेगी, लेकिन प्रश्न यह है कि भारत अपनी जरूरत भर का तिलहन क्यों नहीं पैदा कर पा रहा है?

यह सामान्य बात नहीं कि भारत अपनी आवश्यकता का लगभग 58 प्रतिशत खाद्य तेल आयात करता है। पिछले वर्ष खाद्य तेल आयात बिल करीब 20 अरब डालर का था। इससे बड़ी विडंबना और कोई नहीं कि कृषि प्रधान देश होने और आत्मनिर्भरता एवं स्वदेशी पर बल देने के बाद भी देश में तिलहन फसलों का उत्पादन उतनी तेजी से नहीं बढ़ पा रहा है, जितना अपेक्षित है। यह ठीक है कि केंद्र सरकार की ओर से किसानों को तिलहन की पैदावार बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है और इसके चलते उनके उत्पादन में थोड़ी वृद्धि भी देखने को मिली है, लेकिन इसी के साथ खाद्य तेल की मांग और खपत भी बढ़ रही है।

ऐसा इसलिए हो रहा है, क्योंकि जैसे-जैसे लोग आर्थिक रूप से सक्षम हो रहे हैं, उनके खानपान में तेलों की खपत बढ़ रही है। स्पष्ट है कि केंद्र और राज्य सरकारों को तिलहन फसलों का उत्पादन बढ़ाने पर विशेष जोर देना होगा। अपने देश की समस्या यह है कि जब संकट सामने आ खड़ा होता है, तब उससे बचने के उपायों पर ध्यान दिया जाता है। खाद्य तेलों के उत्पादन में आत्मनिर्भर होने का सघन अभियान तो बहुत पहले चलाया जाना चाहिए था और उसकी लगातार समीक्षा भी की जानी चाहिए थी।

बात केवल खाद्य तेलों की ही नहीं है, भारत को बड़ी मात्रा में दालों का भी आयात करना पड़ता है। इसमें भी विदेशी मुद्रा की खपत होती है। कहना कठिन है कि दलहन उत्पादन को बढ़ाने के लिए जो योजनाएं चलाई गईं, उनके कितने सकारात्मक परिणाम सामने आए? जो भी हो, यह सही समय है कि सरकार पेट्रोलियम पदार्थों समेत अन्य आयातित वस्तुओं में कमी लाने के ठोस एवं दीर्घकालिक उपाय करे।

यह सही है कि भारत में कच्चे तेल के अपेक्षित भंडार नहीं, इसलिए उसका आयात करना ही होगा, लेकिन आखिर हर तरह के ईवी वाहनों की खरीद बढ़ाने के लिए कोई आकर्षक प्रोत्साहन योजना क्यों नहीं लाई जा पा रही है और उनके लिए चार्जिंग स्टेशनों का विस्तार द्रुत गति से क्यों नहीं हो पा रहा है? इसी तरह क्या कारण है कि किसी का ध्यान इस ओर क्यों नहीं जा रहा है कि छोटे-बड़े शहरों में ट्रैफिक जाम के कारण बड़े पैमाने पर पेट्रोल एवं डीजल की जो बर्बादी होती है, उसे कैसे रोका जाए?

-धनंजय राजौरा

युवाओं में हृदय संबंधी समस्यायों के समाधान में सहायक है सहजयोग

आज का युवा आधुनिकता, प्रतिस्पर्धा और भागदौड़ भरे जीवन के बीच बाहरी सफलता तो प्राप्त कर रहा है, लेकिन भीतर से तनाव, चिंता और असंतुलन का शिकार होता जा रहा है। यही मानसिक अशांति धीरे-धीरे शरीर पर प्रभाव डालती है और कम उम्र में ही हृदय संबंधी समस्याओं को जन्म देती है। बढ़ता रक्तचाप, अनियमित धड़कन, बेचैनी और तनाव आज युवाओं के जीवन का हिस्सा बनते जा रहे हैं।

हृदय और मन का गहरा संबंध- आध्यात्मिक दृष्टि से हृदय केवल शरीर का अंग नहीं, बल्कि भावनाओं, प्रेम, करुणा और आत्मिक चेतना का केंद्र माना गया है। जब मन अशांत होता है, जीवन में भय, क्रोध, असुरक्षा और तनाव बढ़ते हैं, तब उसका सीधा प्रभाव हृदय पर पड़ता है। आधुनिक जीवनशैली ने मनुष्य को बाहरी सुखों के पीछे तो दौड़ाया, परंतु भीतर की शांति उससे दूर होती चली गई।

सहजयोग का मूल संदेश है कि वास्तविक स्वास्थ्य तभी संभव है, जब मन, शरीर और आत्मा में संतुलन स्थापित हो। श्री माताजी निर्मला देवी जी द्वारा स्थापित सहजयोग व्यक्ति के भीतर स्थित सूक्ष्म ऊर्जा शक्ति कुंडलिनी – के जागरण पर आधारित है। सहजयोग में ध्यान के माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर की शांति, आनंद और चेतना को अनुभव करता है। जब मन शांत होता है, तब हृदय पर तनाव का बोझ कम होने लगता है। सहजयोग के अभ्यास से व्यक्ति भीतर से हल्का, संतुलित और आनंदित महसूस करता है।

हृदय स्वास्थ्य में सहजयोग की आध्यात्मिक भूमिका-

1. मानसिक तनाव से मुक्ति

सहजयोग ध्यान मन को वर्तमान में स्थिर करता है। इससे भविष्य की चिंता और अतीत का बोझ कम होता है। मन शांत होने पर हृदय भी सहज रूप से स्वस्थ रहने लगता है।

2. सकारात्मक भावनाओं का विकास

प्रेम, करुणा, क्षमा और संतोष जैसे गुण हृदय को हल्का बनाते हैं। सहजयोग इन भावनाओं को जागृत करने में सहायक माना जाता है।

3. जीवनशैली में संतुलन

जो व्यक्ति नियमित ध्यान करता है, वह धीरे-धीरे संयमित जीवन और सकारात्मक विचारों की ओर आकर्षित होने लगता है। यही संतुलन हृदय को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

4. आत्मिक आनंद की प्राप्ति

सहजयोग का उद्देश्य केवल रोगों से राहत नहीं, बल्कि आत्मिक आनंद की अनुभूति भी है। जब व्यक्ति भीतर से प्रसन्न होता है, तब उसका प्रभाव शरीर और हृदय दोनों पर दिखाई देता है तथा इसके परिणाम स्वरूप व्यक्ति मानसिक, शारीरिक, सामाजिक, आर्थिक व आध्यात्मिक रूप से सक्षम व संतुलित हो जाता है।

चिकित्सा और अध्यात्म का संतुलन- यह आवश्यक है कि हृदय संबंधी किसी भी समस्या में चिकित्सकीय सलाह अवश्य ली जाए। सहजयोग आधुनिक चिकित्सा का विकल्प नहीं, बल्कि एक सहायक आध्यात्मिक पद्धति है जो ऋषियों व मनीषियों द्वारा स्थापित वैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित है, यह व्यक्ति को मानसिक और भावनात्मक रूप से मजबूत बनाती है। विश्वभर में लाखों साधकों ने सहजयोग में सूक्ष्म चक्रों, नाड़ियों तथा कुंडलिनी शक्ति के संतुलन द्वारा अनेक शारीरिक समस्याओं से निजात पाई है।

यूं तो मनुष्य ने विज्ञान और तकनीक में बहुत प्रगति की है, लेकिन सच्ची शांति अब भी भीतर ही खोजी जाती है। कम उम्र में बढ़ती हृदय समस्याओं के बीच सहजयोग केवल शरीर को नहीं, बल्कि मन और आत्मा को भी स्वस्थ बनाने का संदेश देता है। यही आंतरिक संतुलन स्वस्थ और सुखी जीवन की वास्तविक कुंजी है। सहजयोग ध्यान पूर्णतः निःशुल्क है।

कठोर श्रम की महक से जीवन में सफलता का गहरा एहसास

सफलता रातों रात नहीं मिलती,जो सफलता भाग्य से मिलती है वह जल्द खत्म भी हो सकती है इसिलए निरंतर मेहनत,श्रम करने आदत होनी चाहिए,साथ में यदि उच्च मनोबल हो तो सोने पे सोहागा होती है,और इससे प्राप्त सफलता स्थाई और चिरंतर होती है,जीवन में अच्छे लक्ष्य को लेकर की गई मेहनत सार्थक होती है और कभी व्यर्थ जाया नहीं होती है।

वर्तमान के आपाधापी एवं कठिन जीवन शैली में हर व्यक्ति चाहता है कि उसे प्राथमिकता मिले और उसके सब कार्य तत्काल पूर्ण हो जाए भारत की जनसंख्या के हिसाब से हर स्थान, हर जगह जबरदस्त प्रतियोगिता का वातावरण निर्मित हो चुका है एक काम के लिए हजारों लोग लाइन में लगे हुए हैं, मूलत किसी पद को पाने के लिए इतनी ज्यादा प्रतियोगिता एवं प्रतिस्पर्धा है कि साधारण कद काठी एवं सामान्य व्यक्तित्व का व्यक्ति भीड़ में कहीं खो जाता है अपने निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने से वंचित रह जाता हैअसफलता के कारण मानसिक दबाव जिंदगी भर रहने लगता है, ऐसे व्यक्तित्व विकास मनुष्य के जीवन में एक कड़ी और चुनौतीपूर्ण जीवन रेखा है एसे में व्यक्ति को शानदार व्यक्तित्व बनाने के लिए बड़ी मेहनत एवं कठिन तपस्या की आवश्यकता होती है तभी वह इस प्रतिस्पर्धात्मक जीवन शैली में अपने आप को सही और सटीक स्थापित कर पाता है।

व्यक्तित्व विकास के साथ मनुष्य अपना जीवन दूसरों की तुलना में बेहतर तरीके से गुजार पाता है, ऐसे में लोगों एवं आप के संपर्क में आने वाले व्यक्तियों के मन में आपके प्रति सकारात्मक एवं अच्छे विचार आते हैं आपका प्रभाव भी लोगों पर आपकी कार्यप्रणाली पर अच्छा होने लगता है अच्छे व्यक्तित्व का मालिक अपने प्रतिदिन के काम में सर्वश्रेष्ठ ऊर्जा तथा शक्ति प्रदान कर पाता है और धीरे-धीरे वह लोगों से अलग दिखाई देने लगता है, आमजन उससे जुड़ना चाहते है, और आपकी तरह बनने के सपने देखने लगते हैं वर्तमान समय में शायद ऐसा ही कोई व्यक्ति होगा जो शानदार व्यक्तित्व का धनी एवं मालिक ना बनना चाहता होगा यदि आपकी पर्सनैलिटी याने व्यक्तित्व साधारण एवं निम्न स्तर का है, तो आपको अपने व्यक्तित्व को निखारना ही होगा, तब जाकर आप किसी अच्छे पद,व्यवसाय किसी महान लक्ष्य को संचालित कर सकते हैं ऐसे में आप यदि नकारात्मक सोच के व्यक्ति हैं तो आपको अपने व्यक्तित्व निर्माण में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है, नकारात्मक सोच के व्यक्ति को हमेशा कार्यों में परेशानियों का सामना करना पड़ता है, और उसे इन्हीं परेशानियों का निदान भी सूझता नहीं है,पर जिनका का सकारात्मक रवैया होता है,उन्हें हर कठिनाई, परेशानी में निदान के उपाय एवं तरीके अपने सूझ बुझ से निकालने का फार्मूला मालूम होता है, ऐसे व्यक्तियों का काम कभी रुकता नहीं और वे निर्बाध गति से आगे बढ़ते जाते हैं।

यह सर्वविदित सत्य है की आपका संव्यवहार आपके व्यक्तित्व का दर्पण होता है हर कार्य के संचालन संपादन में आपके व्यक्तित्व की परछाई स्पष्ट परिलक्षित होती है, आपका व्यवहार आपके चरित्र तथा स्वभाव के बारे में सब कुछ बता देता है, और उसका इसका बड़ा व्यापक प्रभाव भी दृष्टिगोचर होता है, व्यक्तित्व विकास न सिर्फ आपकी निजी जिंदगी में प्रभाव डालता है वरन आपकी व्यवसाय और लक्ष्य में भी सकारात्मक एवं प्रभावकारी होता है जब आप एक अच्छे व्यक्तित्व और सकारात्मक विचार वान व्यक्ति होते हैं तो आप काफी उत्साही एवं आत्मविश्वास से भरपूर भी हो सकते हैं, और आत्मविश्वास से परिपूर्ण व्यक्ति जिंदगी में हर मुश्किल को पार कर एक सफल व्यक्तित्व का धनी हो जाता है उसे हर जगह सफलता ही सफलता प्राप्त होती है सफल व्यक्तित्व बनाने के लिए आप अपने व्यवहार को अत्यंत नम्र, शालीन और आत्मविश्वास से भरा ही रखें, किसी भी व्यक्ति से चाहे छोटा हो बड़ा हो अमीर हो गरीब हो मिलते समय उसका यथा योग्य अभिवादन शिष्टाचार पूर्वक अवश्य करें इससे आपकी पहुंच एवं प्रभाव का दायरा विस्तृत होने लगेगा, सफलता ही सफलता से आप आगे बढ़ने लगेंगे, किसी भी व्यक्ति से अशिष्टतापूर्वक व्यवहार न करें ,आपको यदि यह महसूस होता है कि सामने वाला कुछ गलती पर है या गलत कार्य कर रहा है तो उस पर नाराज ही जाए ना कर उसे बड़े ठंडे दिमाग से समझाई दीजिए, इससे आपका प्रभाव गलत ना होकर शानदार होने लगेगा।

प्रभावशाली व्यक्तित्व के निर्माण में समय की प्रतिबद्धता एवं समय पर कार्य करने की अदम्य लालसा का बड़ा महत्व है यदि आप सही समय पर सही कार्य करेंगे एवं अपने संपूर्ण कार्य समय पर प्रतिपादित करने की आदत डालेंगे, तो कार्यों की सफलता की एक तरह से संपूर्णता दिखाई देने लगती है यदि कहीं मीटिंग या किसी व्यक्ति को अपने समय दिया है तो आप वहां समय पर ही पहुंच कर मीटिंग का संपादन करें, आज के युग में किसी को किसी का इंतजार करना पसंद नहीं आता है ऐसे में काम की सफलता की गुंजाइश कम हो जाती है और किसी को किसी भी कार्य के लिए इंतजार करवाना अच्छे व्यक्तित्व के निर्माण के प्रतिकूल प्रभाव डालता है, यदि आप नौकरी में हैं,व्यवसाय में हैं या जन प्रतिनिधि हैं, तो लोगों की बातें सुनने का आप में पर्याप्त संयम भी होना चाहिए, यदि आप किसी व्यक्ति की बातें धैर्य पूर्वक सुनते हैं तो उसे आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली लगता है एवं कार्य की सफलता में संदेह नहीं रह जाता अनावश्यक किसी भी व्यक्ति से बिना उसकी बात सुने समझे बहस करने की थोड़ी भी गुंजाइश ना रखें, अन्यथा कार्य विपरीत स्वरूप भी ले सकता हैसामने वाला व्यक्ति यदि सचमुच गलत है तो ही अपनी बात आप रखें या बोले, इसमें महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि आप अपनी शक्ति एवं दुर्बलताओं को अच्छे से पहचाने और जाने आपको जब अपनी शक्ति और क्षमता का पता होगा तो आप उस कार्य को अच्छे से कर पाएंगे एवं इससे आपके आत्मविश्वास में भी वृद्धि होगी, और अपनी कमजोरियों को सफलता के पीछे सुधार करने में सफल भी होंगे आप प्रयास करें कि हमेशा मुस्कुराहट आपके चेहरे पर हो एवं आपका चेहरा चिड़चिड़ा या परेशान ना दिखाई दे, क्योंकि यह नकारात्मक ऊर्जा का एक बड़ा प्रतीक हैयह सफलता में कठिनाई पैदा करने वाला कारक माना जाता है मुस्कुराते हुए चेहरे से लोग प्रसन्न होकर उसकी बात सुनना चाहेंगे और यही एक ऐसा तत्व है जो आपके आत्मविश्वास को कई गुना बढ़ा देगा और आपकी सफलता में कोई गुंजाइश नहीं रह जाएगी मुस्कुराते हुए चेहरे के आचरण को लोग ज्यादा पसंद करते हैं अपना मित्र भी बनाना चाहेंगे, आप जो भी कार्य करते हैं पढ़ते हैं नौकरी करते हैं, व्यवसाय या समाज सेवा करते हैं, उसके संबंध में आपके पास गहरी और संपूर्ण जानकारी होना चाहिए अधूरा ज्ञान बहुत ही खतरनाक और असमंजस निर्माण करने वाला होता है और कार्य की सफलता में संदेह भी पैदा करता है क्योंकि अधूरी जानकारी आपके काम करने की प्रणाली पर सवालिया निशान लगा देती है इसमें आप फिर जवाब देने की स्थिति में भी नहीं रह पाएंगे अधूरा ज्ञान नकारात्मक होकर आपके आत्मविश्वास को भी डगमगा देता है आप फिर उस कार्य को करने में डरने लगेंगे इसलिए किसी कार्य को करने के पूर्व उसके प्रति अच्छी जानकारी सम्यक रूप से होमवर्क की तरह कर ले और सदैव कार्यों की प्राथमिकता तैयार रखें आसान एवं सरल कार्य पहले संपादित करें, जिससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि हो सके फिर काम के लिए आप अपनी तैयारियां पूर्ण कर सकेंगे, आपका आसान काम करने के बाद का आत्मविश्वास आपको कठिन कार्य करने के लिए उत्प्रेरित करेगा और कठिन कार्य करने में आप आसानी एवं सरलता महसूस करने लगेंगे किसी भी कार्य को करने से पहले बिल्कुल भी किंचित मात्र भयभीत ना हो क्योंकि डर के कारण कई काम स्वतः बिगड़ जाते हैं, अतः काम करने से पूर्व निडर होकर कार्य करें क्योंकि गलतियां तो इंसान से ही होती हैं, और जो ज्यादा काम करता है उससे ज्यादा गलती की संभावना होती है ऐसे में किसी भी तरह के डर या चिंता से मुक्त रहकर अपने कार्य को निष्पादित करें, सफलता आपकी पर्सनालिटी को देखते हुए आपके सामने होगी शानदार व्यक्तित्व के विकास में समय का उपयोग और अनुप्रयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है यदि आप समय का सदुपयोग अच्छे से करते हैं तो आधी सफलता आपके सामने होती है संपूर्ण आत्मविश्वास के साथ इस कार्य को किस समय करना है, यह आपके समझ में जल्दी आ जाता है तो आपका सफलता का ग्राफ बहुत जल्दी ऊपर की ओर जाने लगेगा, क्योंकि समय की कीमत जो व्यक्ति जानता है समय उसकी इज्जत करता है और उसे सफलता की सीढ़ियां चढ़ने से कोई रोक नहीं सकता, समय का अनुशासन सबसे बड़ा सबक है, काम को सही समय में करना एक तरह की बड़ी ईमानदारी मानी जाती है यदि आप समय के प्रति प्रतिबद्ध हैं एवं ईमानदारी से कार्य करने की हिमायती हैं तो आपको सफल व्यक्तित्व की श्रेणी में लाने से कोई रोक नहीं सकता,इसी तरह अप एक अच्छे राष्ट्र के निर्माण में योगदान भी कर सकते हैं,अच्छे व्यकितत्व के निर्माण से ही शक्तिशाली,विकसित राष्ट्र का निर्माण किया जासकता है,अपने व्यक्तिव्य के निर्माण के साथ शिक्षित संस्कारी देश को सर्वोपरि मान कर राष्ट्रिय हित में सर्वस्व त्यागना होगा, तब जाकर एक महँ राष्ट्र की नीव राखी जासकती है।

-संजीव ठाकुर

कब तक दोहराई जाती रहेंगी निर्भया जैसी त्रासदियां?

दिल्ली के नांगलोई में एक निजी बस के भीतर महिला के साथ हुई बस कंडक्टर एवं ड्राइवर के दुष्कर्म की घटना ने एक बार फिर पूरे देश की चेतना को झकझोर दिया है। यह घटना केवल एक आपराधिक वारदात नहीं, बल्कि उस भयावह सामाजिक और प्रशासनिक विफलता का आईना है, जो वर्षों से हमारे सामने खड़ी है। चौदह वर्ष पहले निर्भया कांड के बाद देश की सड़कों पर जनसैलाब उमड़ा था। लोगों ने सोचा था कि अब व्यवस्था बदलेगी, कानून सख्त होंगे, महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और समाज अपनी सोच बदलेगा। लेकिन आज जब उसी प्रकार की घटनाएं पुनः पुनः सामने आती हैं, तब यह प्रश्न और भी तीखा होकर उठता है कि आखिर हम बदले कहां हैं? सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर बार-बार ऐसी घटनाएं क्यों हो रही हैं? इसका उत्तर केवल कानून की कमजोरी में नहीं, बल्कि समाज की उस विकृत मानसिकता में छिपा है, जहां महिला को आज भी बराबरी के सम्मान के साथ नहीं देखा जाता। आधुनिकता के चमकदार दावों के बीच भी पुरुष प्रधान सोच का अंधेरा जस का तस मौजूद है। महिलाओं को व्यक्ति नहीं, बल्कि उपभोग की वस्तु मानने वाली सोच आज भी अनेक मन-मस्तिष्कों में गहराई तक बैठी हुई है। यही कारण है कि सार्वजनिक स्थानों, कार्यस्थलों, स्कूल-कॉलेजों और यहां तक कि घरों के भीतर भी महिलाएं असुरक्षा का अनुभव करती हैं। विडंबना यह है कि विज्ञान, तकनीक और आर्थिक विकास के इस दौर में भी समाज स्त्री के सम्मान और सुरक्षा के बुनियादी संस्कार विकसित नहीं कर पाया। बच्चों को शिक्षा तो दी जा रही है, लेकिन संवेदनाएं नहीं दी जा रहीं। घरों में बेटियों पर नियंत्रण और बेटों को छूट देने वाली मानसिकता आज भी कायम है। एक ओर लड़कियों को ÷सावधान रहने÷ की नसीहत दी जाती है, दूसरी ओर लड़कों को अपने व्यवहार और दृष्टि की मर्यादा सिखाने की गंभीर कोशिश बहुत कम दिखाई देती है। यही असंतुलन आगे चलकर अपराधों की जमीन तैयार करता है। प्रश्न यह भी है कि प्रशासन बार-बार ऐसी घटनाओं को रोकने में नाकाम क्यों हो रहा है? निर्भया कांड के बाद महिला सुरक्षा को लेकर बड़े-बड़े दावे किए गए थे। सीसीटीवी कैमरे, महिला हेल्पलाइन, फास्ट ट्रैक कोर्ट, पुलिस गश्त और सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा उपायों की लंबी घोषणाएं हुईं। लेकिन वास्तविकता यह है कि इन व्यवस्थाओं का बड़ा हिस्सा कागजों और भाषणों तक सीमित रह गया। निजी बसें आज भी बिना पर्याप्त निगरानी के चल रही हैं।

जन-जन की भागीदारी से सफल होगी जनगणना, देवास में घर-घर पहुंच रहे प्रगणक

जनगणना 2027 - जिले में मकान सूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य तेज़ी से जारी

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। चलो निभाएं अपनी जिम्मेदारी, करें जनगणना में भागीदारी÷ के संदेश के साथ जिले में जनगणना-2027 के प्रथम चरण अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य तेज़ गति से जारी है। 01 मई 2026 से प्रारंभ हुआ यह अभियान 30 मई 2026 तक संचालित किया जा रहा है। नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रगणक घर-घर पहुंचकर प्रत्येक मकान, परिवार एवं अन्य संरचनाओं से संबंधित जानकारी डिजिटल माध्यम से संकलित कर रहे हैं।

जिला सूचना विज्ञान अधिकारी मनीष खत्री ने बताया कि जिले में जनगणना कार्य के लिए कुल 2725 मकान सूचीकरण ब्लॉक बनाए गए हैं। इनमें तहसील एवं नगर परिषद क्षेत्रों में 2272 तथा नगर निगम देवास क्षेत्र में 453 ब्लॉक शामिल हैं। प्रगणकों द्वारा अब तक जिले में 3 लाख 60 हजार 75 मकानों की गणना पूर्ण की जा चुकी है।

उन्होंने बताया कि तहसील एवं नगर परिषद क्षेत्रों में 958 मकान सूचीकरण ब्लॉकों का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण हो चुका है, वहीं नगर निगम देवास में 52 ब्लॉकों का कार्य पूरी तरह संपन्न हो गया है।

डिजिटल व्यवस्था से बढ़ी पारदर्शिता और गति-

इस बार जनगणना की पूरी प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से संचालित की जा रही है। प्रगणक मोबाइल अनुप्रयोग के माध्यम से जानकारी दर्ज कर रहे हैं तथा कार्य की निगरानी भी डिजिटल प्रणाली से की जा रही है। इससे कार्य की गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं गति सुनिश्चित हो रही है।

नागरिकों से मांगी जाएंगी ये सामान्य जानकारियां-

मकान सूचीकरण के दौरान प्रगणक नागरिकों से भवन एवं परिवार से जुड़ी सामान्य जानकारियां प्राप्त करेंगे, जिनमें–

भवन की स्थिति एवं परिवार के सदस्यों की संख्या

परिवार के मुखिया का नाम

नल कनेक्शन, बिजली, शौचालय, स्नानघर, गैस जैसी मूलभूत सुविधाएं

घरेलू संसाधन जैसे रेडियो, दूरदर्शन, केबल कनेक्शन

साइकिल, मोटर साइकिल, कार जैसी सुविधाएं

परिवार द्वारा उपयोग किया जाने वाला मुख्य अन्न

मोबाइल, इंटरनेट जैसी संचार सुविधाएं

इन जानकारियों को साझा करने की आवश्यकता नहीं

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनगणना के दौरान प्रगणक नागरिकों से किसी भी प्रकार की संवेदनशील या वित्तीय जानकारी नहीं मांगेंगे।

आधार क्रमांक नहीं पूछा जाएगा

पैन क्रमांक नहीं पूछा जाएगा

बैंक संबंधी जानकारी नहीं मांगी जाएगी

किसी भी प्रकार का ओटीपी साझा करने की आवश्यकता नहीं है- प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि प्रगणक के घर पहुंचने पर उनका आधिकारिक पहचान पत्र अवश्य जांचें और सही जानकारी देकर इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

जनगणना से प्राप्त आंकड़े शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और भविष्य की नीतियों के निर्माण का मजबूत आधार बनते हैं।

युवाओं के लिए सुनहरा अवसरः आरसेटी में शुरू होगा निःशुल्क मोबाइल रिपेयरिंग कोर्स, 25 मई से प्रशिक्षण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बैंक ऑफ इंडिया द्वारा संचालित आरसेटी प्रशिक्षण केन्द्र के माध्यम से जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत बीपीएल बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 25 मई 2026 से 30 दिवसीय निःशुल्क आवासीय मोबाइल रिपेयरिंग कोर्स शुरू किया जाएगा, जिसके लिए पंजीयन प्रक्रिया जारी है। आरसेटी निदेशक राजवीर सिंह ने बताया कि इच्छुक युवक अपने विकासखंड के ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) प्रबंधक से संपर्क कर या आरसेटी भवन, बीमा चौराहा, उज्जैन रोड, देवास पहुंचकर पंजीयन करा सकते हैं। इसके अलावा मोबाइल नंबर 98931-93973 पर संपर्क कर भी रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों के रहने, खाने, स्टेशनरी, गणवेश तथा प्रशिक्षण सामग्री की व्यवस्था संस्थान द्वारा निःशुल्क की जाएगी। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद स्वरोजगार शुरू करने हेतु आवश्यक ऋण उपलब्ध कराने के लिए सरकारी योजनाओं के अंतर्गत ऋण आवेदन की प्रक्रिया में भी संस्थान सहयोग करेगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए इच्छुक अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया जाएगा, जिसके बाद अंतिम 30 प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा।

टोंककला पटाखा फैक्ट्री हादसे के बाद बड़ा एक्शन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास जिले के टोंककला में संचालित आतिशबाजी निर्माण एवं विक्रय फैक्ट्री में हुए भीषण हादसे के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ऋतुराज सिंह ने मामले की विस्तृत जांच के लिए तीन सदस्यीय विशेष जांच दल का गठन किया है। जांच दल में अधीक्षण यंत्री विद्युत विभाग देवास, क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड देवास तथा उप संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग देवास को शामिल किया गया है। यह टीम फैक्ट्री में सुरक्षा मानकों, विस्फोट के कारणों, लाइसेंस संबंधी दस्तावेजों और लापरवाही के पहलुओं की गहन जांच करेगी। टोंककला में हुए इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर अवैध और असुरक्षित पटाखा फैक्ट्रियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना के बाद प्रशासन ने जिलेभर में संचालित आतिशबाजी इकाइयों की जांच और सुरक्षा ऑडिट के संकेत भी दिए हैं। सूत्रों के अनुसार जांच दल जल्द ही अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट कलेक्टर कार्यालय को सौंपेगा, जिसके आधार पर जिम्मेदार लोगों पर कड़ी कार्रवाई हो सकती है।

खाना खाने गया संचालक, गल्ले से गायब हो गइ 31 हजार की राशि

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के मोहन बड़ोदिया में मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक के कियोस्क से 31 हजार 200 की नकदी चोरी हो गई। यह घटना शुक्रवार दोपहर करीब 12रू30 बजे हुई। कियोस्क संचालक गजराज सिंह पिता रामसिंह निवासी टिगरिया ने मोहन बड़ोदिया थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

गजराज सिंह ने बताया कि उनकी दुकान मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक के सामने है, जहां वे ग्रामीण बैंक का कियोस्क संचालित करते हैं। 15 मई को दोपहर 12रू30 बजे वे लगभग 10 मिनट के लिए खाना खाने घर गए थे। जब वे वापस लौटे तो दुकान के गल्ले में से 500-500 रुपए के 31 हजार और 100-100 रुपए के दो नोट थे वो गायब हो गए। जिसकी शिकायत कियोस्क संचालक ने मोहन बड़ोदिया पुलिस को की है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो 25 मई को नेमावर दौरे पर, योजनाओं की करेंगे समीक्षा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग नई दिल्ली के सदस्य प्रियंक कानूनगो 25 मई को देवास जिले के नेमावर पहुंचेंगे। नेमावर प्रवास के दौरान वे नगर परिषद परिसर में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा करेंगे।

दौरे के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति, क्रियान्वयन की स्थिति तथा आम नागरिकों को मिल रहे लाभों की जानकारी ली जाएगी। साथ ही शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं के प्रभावी संचालन, पारदर्शिता एवं बेहतर व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए जाएंगे।

प्रियंक कानूनगो के इस दौरे को प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। स्थानीय प्रशासन द्वारा बैठक एवं व्यवस्थाओं को लेकर तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं।

आगे चल रहे ट्रक से टकराई कार

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। लालघाटी थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-52 पर भेरूडूंगरी के पास शुक्रवार दोपहर एक सड़क हादसा हुआ। इसमें इंदौर निवासी एक दंपती सहित तीन लोग घायल हो गए। घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से शाजापुर जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

यह हादसा दोपहर करीब 3 से 4 बजे के बीच हुआ। बताया जा रहा है कि आगे चल रहे ट्रक चालक ने अचानक साइड बदली, जिससे पीछे से आ रही कार उससे टकरा गई। कार में इंदौर निवासी पंकज गुप्ता, उनकी पत्नी रेखा गुप्ता और उनके मित्र शैलेंद्र दीक्षित सवार थे। बताया जाता है कि तीनों वृंदावन में एक रिश्तेदारी के शादी समारोह से लौटकर इंदौर जा रहे थे। पुलिस के अनुसार हादसे में किसी को गंभीर चोट नहीं आई है। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही यातायात थाना प्रभारी सौरव शुक्ला पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू कराया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त कार को सड़क किनारे हटवाकर यातायात सुचारू कराया।

पीएम की अपील का असर, सर्राफा बाजार में मंदी

60 प्रतिशत घटी सोने की बिक्री, बढ़ती कीमतों का भी असर

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद सराफा बाजार में सन्नाटा पसरा हुआ है। सोने की बढ़ती कीमतों का असर शाजापुर के सर्राफा बाजार में साफ दिख रहा है। यहां सोने की बिक्री में 50 से 60 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है, जिससे छोटे व्यापारियों की चिंता बढ़ गई है।

खरीददार अब नया सोना खरीदने से बच रहे हैं। इसके बजाय वे अपना पुराना सोना लाकर उसके बदले नए आभूषण ले जा रहे हैं। यह प्रवृत्ति बाजार में सोने की नई खरीद को सीधे तौर पर प्रभावित कर रही है।

व्यापारियों का कहना रोजी रोटी पर संकट- केंद्र सरकार की ओर से सोने-चांदी पर बढ़ाई गई

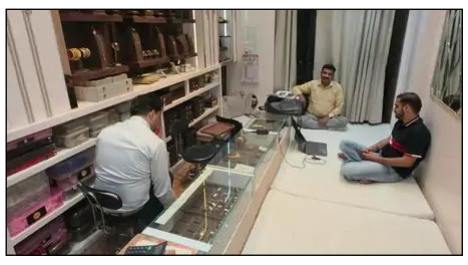

इंपोर्ट ड्यूटी भी इस गिरावट का एक प्रमुख कारण है। सोने पर इंपोर्ट ड्यूटी 6 प्रतिशत से बढ़कर 15 प्रतिशत हो गई है, जिससे सोना और महंगा हो गया है। शहर में 50 से अधिक सोना-चांदी व्यापारी हैं। उनका मानना है कि बढ़ती कीमतें, अंतरराष्ट्रीय हालात और बाजार में बनी अनिश्चितता के कारण खरीदारी बुरी तरह प्रभावित हुई है। जो सर्राफा बाजार पहले भीड़भाड़ वाला रहता था, वह अब ग्राहकों की कमी के कारण सूना पड़ा है।

शाजापुर में 50 प्रतिशत तक बिक्री में कमी- सर्राफा बाजार एसोसिएशन के अध्यक्ष आनंद नवाब ने बताया कि पीएम मोदी की अपील के बाद लोगों की मंशा अलग-अलग है। कुछ लोग मानते हैं कि सोना खरीदकर रख लेना चाहिए क्योंकि भाव बढ़ेंगे, जबकि कुछ देशहित में सोना खरीदना नहीं चाहते। इस मिली-जुली भावना के कारण दुकानों से भीड़ गायब हो गई है। उन्होंने पुष्टि की कि शाजापुर में ग्राहकी में 50 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने बताया कि इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ने से सोना और महंगा हो गया है, जिसका छोटे व्यापारियों पर बड़ा असर पड़ा है। सोने और चांदी दोनों की ग्राहकी इस समय प्रभावित हुई है।

पटाखा फैक्ट्री हादसे पर भामसं ने की मृतक मजदूरों के परिजनों को 50-50 लाख देने की मांग

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। टोंककला स्थित पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण हादसे में अप्रवासी मजदूरों की दर्दनाक मौत पर भारतीय मजदूर संघ ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतक परिवारों को 50-50 लाख रुपए मुआवजा एवं घायलों के समुचित उपचार की मांग की है।

असंगठित क्षेत्र के प्रदेश प्रभारी एवं मप्र कंस्ट्रक्शन मजदूर महासंघ के प्रदेश महामंत्री लोकेश विजयवर्गीय तथा भारतीय मजदूर संघ जिलाध्यक्ष धनंजय गायकवाड ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण यह दर्दनाक हादसा हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि फैक्ट्री में श्रम कानूनों एवं सुरक्षा नियमों का पालन नहीं किया गया, जिसके चलते कई परिवारों ने अपने प्रियजनों को खो दिया। बिहार के विभिन्न जिलों से आए मजदूर यहां कार्यरत थे, जिनमें बाल श्रमिक होने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता। इस मामले में श्रम विभाग तथा हेल्थ एंड सेफ्टी अधिकारियों की गंभीर लापरवाही स्पष्ट रूप से सामने आ रही है। भारतीय मजदूर संघ ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल से मांग की है कि हादसे में मृत मजदूरों के परिवारों को 50-50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाए तथा घायलों का बेहतर उपचार करवाते हुए उचित मुआवजा दिया जाए।

संघ ने हादसे में जान गंवाने वाले मजदूरों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

बोर्ड परीक्षा ड्यूटी में बाधा, शिक्षक पर मामला दर्ज

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। बोर्ड परीक्षा के दौरान शासकीय कार्य में बाधा डालने और अधिकारियों से अभद्रता करने के आरोप में टीचर के खिलाफ गुरुवार को पुलिस ने मामला दर्ज किया है। घटना जनपद शिक्षा केंद्र शाजापुर से संबंधित है। जनपद शिक्षा केंद्र शाजापुर के विकासखंड स्त्रोत समन्वयक (बीआरसीसी) योगेश भावसार ने शाजापुर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के साथ जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से सत्यापित पत्र भी संलग्न किया गया है।

शिकायत के अनुसार शासकीय माध्यमिक विद्यालय लालाखेड़ी में पदस्थ उच्च श्रेणी शिक्षक लोकेन्द्र नागर पर आरोप है। कक्षा 5वीं और 8वीं की बोर्ड परीक्षा संचालन के संबंध में 21 फरवरी को संस्था प्रभारियों की एक बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें लोकेन्द्र नागर अनुपस्थित रहे थे। उनकी अनुपस्थिति को लेकर उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। इसके बाद 24 फरवरी को दोपहर करीब 1.30 बजे लोकेन्द्र नागर जनपद शिक्षा केंद्र कार्यालय पहुंचे। वहां उन्होंने बीआरसीसी योगेश भावसार और अन्य कर्मचारियों के साथ अभद्रता की और गाली-गलौज की। उन्होंने कारण बताओ नोटिस जारी किए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिकारियों को ष्देख लेनेष् और परिणाम भुगतने की धमकी भी दी। शिकायत में यह भी बताया गया है कि आरोपी कार्यालय से कुछ दस्तावेज अपने साथ ले गए, जिससे परीक्षा संबंधी कार्य प्रभावित हुआ। घटना के समय कार्यालय में विकासखंड अकादमिक समन्वयक प्रमोद गुप्ता, गोवर्धनलाल सौराष्टीय, देवेन्द्र पाठक और सुनील विश्वकर्मा मौजूद थे। उस दौरान बोर्ड परीक्षा की निगरानी और अन्य महत्वपूर्ण कार्य चल रहे थे। जिला शिक्षा अधिकारी के एफआईआर की अनुमति दिए जाने के बाद पुलिस ने मामले की जांच की। आरोपी शिक्षक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 132, 296(ए) और 351(3) के तहत अपराध दर्ज कर लिया गया है और आगे की विवेचना जारी है।

सनातन ही शाश्वत सत्य, युगों-युगों तक रहेगा अमर

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मीरा बावड़ी स्थित श्री शनिदेव सत्यनारायण मंदिर में आयोजित भव्य शनैश्चर जयंती महोत्सव के तृतीय दिवस धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण के मध्य भरतचरित्र पर विशेष आख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भोपाल से पधारे प्रख्यात विद्वान पंडित ओमप्रकाश चतुर्वेदी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि सनातन ही शाश्वत धर्म है। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि सनातन धर्म आदि काल से चला आ रहा है और अनंत काल तक मानव समाज का मार्गदर्शन करता रहेगा। अन्य धर्म एवं पंथ समय-समय पर मनुष्यों द्वारा स्थापित किए गए सम्प्रदाय हैं, जबकि सनातन धर्म सृष्टि के प्रारंभ से विद्यमान है और सदैव रहेगा। पं. चतुर्वेदी ने कहा कि रामचरितमानस जैसा दिव्य एवं लोक कल्याणकारी ग्रंथ विश्व के किसी अन्य धर्म या सम्प्रदाय में देखने को नहीं मिलता। यह केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने की सर्वोत्तम कला सिखाने वाला शाश्वत साहित्य है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि प्रत्येक परिवार में प्रतिदिन रामचरितमानस का पाठ अवश्य होना चाहिए तथा बच्चों और परिवार के वरिष्ठ सदस्यों को इसका श्रवण कराना चाहिए।

इससे बच्चों में संस्कार, नैतिकता एवं भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान विकसित होता है, वहीं बुजुर्गों को मानसिक शांति, रोग एवं शोक से मुक्ति प्राप्त होती है। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर कथा श्रवण का लाभ लिया। मंदिर के पुजारी पंडित अजय कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि 15 मई को विशेष व्याख्यान का आयोजन किया जाएगा, जिसमें पंडित विनोद रावल द्वारा जन्म पत्रिका में शनि की भूमिका विषय पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

झूमते-नाचते हुए निकली भव्य कलश यात्रा

सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का हुआ श्रीगणेश

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। हाथों में भगवा पताकाएं थामें बच्चों की टोलियां, धार्मिक भजनों की धुन पर थिरकते युवाओं के कदम, माथे पर कलश धारण किए मातृशक्ति एवं अश्वरथ पर सवार पूज्य कथावाचक संत जब जब धूमधाम से स्टेशन रोड की सड़कों पर निकले तो संपूर्ण क्षेत्र का वातावरण धार्मिक भक्ति के रंग में सराबोर हो गया।

गौरतलब है विगत 14 वर्षों से निरंतर श्री नित्येश्वर महादेव भागवत कथा समिति एवं सूर्या ग्रुप के युवाओं की टीम द्वारा सात दिवसीय कथा महोत्सव का आयोजन स्थानीय रेलवे मैदान पर किया जाता है। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी मेवाड़ महामंडलेश्वर ब्रह्मलीन 1008 श्री चेतनदास महाराज के शिष्य महंत श्रीअनुजदासजी महाराज के मुखारविंद से सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन कथा स्थल रेलवे मैदान

पर किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत आयोजन की शुरूआत शुक्रवार सुबह भव्य कलश यात्रा से हुई जो सुबह 9 बजे रेलवे कालोनी स्थित श्री नित्येश्वर महादेव मंदिर से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों स्टेशन रोड़, आदर्श कालोनी, श्री खाटू श्याम मंदिर एवं नहर मार्ग से होती हुई नहर के पास स्थित रेलवे मैदान कथा स्थल पहुंचकर सम्पन्न हुई। जहां सात दिनों तक प्रतिदिन शाम 7.30 बजे से रात 11 बजे तक अनुजदासजी महाराज द्वारा कथा का वाचन किया जाएगा। श्री नित्येश्वर महादेव मंदिर समिति व रेलवे कालोनी व सूर्या ग्रुप शाजापुर द्वारा नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में आकर धर्म का लाभ लेने का अनुरोध किया है।

अनेक स्थानों पर हुआ स्वागत- सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के प्रथम दिवस आयोजित भव्य कलश यात्रा के अंतर्गत यात्रा मार्ग पर श्रद्धालू भक्तजनों द्वारा पुष्पवर्षा एवं संत अभिनंदन करते हुए भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कथा समिति सदस्य एवं सूर्या ग्रुप के कार्यकर्ताओं सहित श्रद्धालुजन उपस्थित रहे।

भोजशाला फैसले से पहले प्रशासन ने किए सुरक्षा इंतजाम, चप्पे-चप्पे पर तैनात रहे पुलिसकर्मी, शाम को मनाया जश्न

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। धार स्थित भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद मामले में शुक्रवार को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच द्वारा हिन्दूओं के पक्ष में फैसला सुनाया। इसके पहले फैसले को लेकर शाजापुर जिला प्रशासन और पुलिस अलर्ट पर रहा ओर नगर के संवेदनशील इलाकों में सुबह से ही अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया।

प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस अफसरों द्वारा शहर में लगातार गश्त की जा रही थी। अधिकारियों द्वारा प्रमुख चौराहों, धार्मिक स्थलों और संवेदनशील क्षेत्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। शुक्रवार होने के कारण सुरक्षा व्यवस्था को विशेष रूप से मजबूत किया गया था। क्योंकि इस दिन मुस्लिम समुदाय द्वारा जुमे की नमाज अदा की जाती है। जिसके चलते कोई भी अप्रिय स्थिति बन सकती थी। हालांकि फैसला आने के बाद भी नगर में स्थिति सामान्य रही और फैसले को लेकर भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं और पार्टी

पदाधिकारियों ने जश्न मनाया। हालांकि पुलिस प्रशासन ने नागरिकों से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की है।

सोशल मीडिया पर रखी नजर, लोगों से भी की अपील- प्रशासन द्वारा नगर में तैनाती के साथ ही सोशल मीडिया पर भी नजर रखी। किसी भी प्रकार की भ्रामक या अपुष्ट जानकारी साझा न करने की चेतावनी भी दी गई। साथ ही प्रशासन द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफार्म और अन्य आनलाइन गतिविधियों पर भी लगातार निगरानी रखी। कोतवाली टीआई संतोष वाघेला ने बताया कि शहर के संवेदनशील क्षेत्रों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम लगातार भ्रमण कर स्थिति पर नजर रखी गई।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने की आतिशबाजी, एक-दूसरे को खिलाई मिठाई -दोपहर करीब 3 बजे इंदौर हाई कोर्ट का फैसला सुनाया जिसमें फैसला हिन्दुओ के पक्ष में दिया। इस फैसले के बाद नगर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। शुक्रवार शाम करीब 4 बजे भाजपा कार्यालय पर कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी की और मिठाई बांटी। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जय श्रीराम और सनातन धर्म की जय के नारे लगाए। सर्व हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष और भाजपा नगर अध्यक्ष आशीष नागर ने कहा कि सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पराजित नहीं। उन्होंने बताया कि सनातन समाज ने न्यायपालिका पर भरोसा जताया था, और अदालत का फैसला हिंदू पक्ष में आया है। नागर ने कहा कि भोजशाला से जुड़े प्राचीन अवशेष और मां वाग्देवी की प्रतिमा सनातन संस्कृति की पहचान हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि ब्रिटिश संग्रहालय में रखी वाग्देवी की प्रतिमा भी भविष्य में भारत वापस लाई जाएगी और पुनः स्थापित की जाएगी।

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा अणु नगर

केदारेश्वर महादेव की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अणु नगर स्थित श्री केदारेश्वर महादेव मंदिर में आयोजित शिव महापुराण कथा एवं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव शुक्रवार को अपार श्रद्धा, भव्यता और धार्मिक उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर साधु-संतों के सान्निध्य में पूरा क्षेत्र शिवमय हो गया और भक्ति का एक अद्भुत वातावरण देखने को मिला। शुभ मुहूर्त में भगवान केदारेश्वर महादेव को नवनिर्मित मंदिर में वैदिक रीति-रिवाज एवं मंत्रोच्चार के साथ विधिपूर्वक विराजमान कराया गया। मुख्य अनुष्ठान विद्वान आचार्य श्री श्री 108 भरत शरण मुनि महाराज छो की पुल वाले एवं हेमेंद्र पुरुषोत्तम शर्मा बिड़वाल वाले के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। यज्ञशाला में दी गई पूर्णाहुति के साथ श्रद्धालुओं ने क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।

आयोजन की शुरुआत प्रातः मंगला आरती के साथ हुई। इसके पश्चात रामेश्वर महादेव मंदिर से केदारेश्वर महादेव मंदिर तक एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई।

महिलाओं ने सिर पर मंगल कलश धारण किए, वहीं युवाओं ने हर-हर महादेव के गगनभेदी जयघोष से आकाश गुंजा दिया। प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में मंदिर परिसर को आकर्षक फूलों और रोशनी से सजाया गया था। प्रातः 11:00 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। आयोजन समिति की सुव्यवस्थित व्यवस्था के कारण भारी भीड़ के बावजूद कार्यक्रम अनुशासित ढंग से संपन्न हुआ। पूरे आयोजन के दौरान स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं का अटूट सहयोग रहा। अंत में आयोजन समिति ने इस महोत्सव को सफल बनाने के लिए सभी धर्मप्रेमी जनता और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

एसडीएम सुश्री प्रीती संघवी ने किया सिंगोली क्षेत्र की मैगजीनों, भण्डारण केंद्रों का निरीक्षण

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार जिले में विस्फोटक भंडारण स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा सतत निरीक्षण किया जा रहा है।

इसी क्रम में शुक्रवार को एसडीएम जावद सुश्री प्रीति संघवी, एसडीओपी जावद श्री अमित राठौर, तहसीलदार श्री प्रेम शंकर पटेल, नायब तहसीलदार श्री बालकृष्ण मकवाना राजस्व निरीक्षक बालकिशन धाकड़ , प्रकाश शुक्ला ने सिंगोली तहसील के ग्राम फुसरिया, जराड़, सोलंकी खेड़ा, अथवा, खोलपुरा बड़ी आदि स्थानों पर स्थित सभी मैगजीनों के भण्डारण स्थलों/ गोदामों का आकस्मिक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान विस्फोटक भंडारण, सुरक्षा मानकों, अग्निशमन व्यवस्था, अभिलेख संधारण एवं परिसर की सुरक्षा का सूक्ष्मता से परीक्षण किया गया। संबंधित लाइसेंसियों को विस्फोटक अधिनियम के प्रावधानों का कड़ाई से पालन करने, सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने हेतु आवश्यक संसाधन उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए। जिला प्रशासन द्वारा जन सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विस्फोटक भंडारणों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है।

बालाजी महाराज का श्रद्धा एवं विधि-विधान से किया अंतिम संस्कार

संजय शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड/ बीसलखेड़ी। बीसलखेड़ी निवासी गंगाराम चौधरी ने मानवाधिकार एवं भ्रष्टाचार विरोधी फोरम के संभाग अध्यक्ष एवं बड़ावदा सेवा एवं रक्तदान संस्था के सचिव संजय शर्मा को सूचना दी कि उनके मकान की छत पर एक बंदर मृत अवस्था में पड़ा हुआ है। आसपास के लोगों द्वारा बताया गया कि बंदरों की आपसी लड़ाई के दौरान यह बंदर गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिससे उसकी मृत्यु हो गई।

सूचना मिलते ही संजय शर्मा ने ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। ग्रामीणों ने बंदर को भगवान हनुमान का स्वरूप मानते हुए श्रद्धा एवं सम्मान के साथ उसकी अंतिम क्रिया करने का निर्णय लिया। इसके बाद तुरंत अंतिम संस्कार की तैयारी शुरू की गई। ग्रामीणों के सहयोग से विधिवत गड्ढा खोदा गया तथा धार्मिक रीति-रिवाजों और मंत्रोच्चार के साथ कपीराज बालाजी महाराज का अंतिम संस्कार किया गया।

अंतिम संस्कार के दौरान उपस्थित ग्रामीणों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा भगवान हनुमान के जयकारों के साथ वातावरण भक्तिमय हो गया। ग्रामीणों का कहना था कि भारतीय संस्कृति में बंदरों को विशेष धार्मिक महत्व प्राप्त है और उन्हें बजरंगबली का स्वरूप माना जाता है, इसलिए उनका सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार करना सभी का कर्तव्य है।

इस अवसर पर गांव के कई समाजसेवी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर मानवता एवं जीवों के प्रति संवेदनशीलता का संदेश दिया।

15 घंटे अंधेरे में डूबा नीमच सिटी, नाराज रहवासियों ने किया चक्काजाम

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भीषण गर्मी के बीच नीमच सिटी क्षेत्र में गुरुवार को करीब 15 घंटे तक बिजली गुल रहने से लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। लंबे समय तक विद्युत आपूर्ति बहाल नहीं होने पर देर रात बड़ी संख्या में रहवासी पुलिया पर चक्काजाम कर विरोध प्रदर्शन किया। अचानक हुए प्रदर्शन से क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

रहवासियों का आरोप था कि गुरुवार सुबह से ही इलाके की बिजली बंद थी, लेकिन बार-बार शिकायत करने के बावजूद बिजली मंडल की ओर से केवल आश्वासन ही दिए जाते रहे। भीषण गर्मी और उमस के कारण लोगों का घरों में रहना मुश्किल हो गया। सबसे ज्यादा परेशानी बुजुर्गों, महिलाओं और छोटे बच्चों को उठानी पड़ी।

देर रात बढ़ते आक्रोश के बीच लोगों ने चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने बिजली विभाग और प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई तथा जल्द बिजली बहाल करने की मांग की। सूचना मिलते ही सिटी थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया। कुछ देर बाद विद्युत मंडल के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र की डीपी जल जाने के कारण विद्युत आपूर्ति बाधित हुई थी। नई डीपी लगाने और सुधार कार्य में तकनीकी कारणों से देरी हुई, जिसके चलते बिजली लंबे समय तक बंद रही।

पुलिस और प्रशासन द्वारा जल्द बिजली बहाल करने का भरोसा दिलाने के बाद करीब 25 मिनट तक चला चक्काजाम समाप्त हुआ। प्रदर्शन खत्म होने के कुछ ही देर बाद क्षेत्र में बिजली आपूर्ति सुचारू कर दी गई, जिसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

घटना के बाद स्थानीय नागरिकों ने चेतावनी दी कि यदि भविष्य में बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो वे और बड़ा आंदोलन करेंगे। वहीं लोगों ने गर्मी के मौसम में बिजली विभाग से बेहतर प्रबंधन और त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

शौर्य संकल्प योजना के तहत युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा

खण्डवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं को सैन्य बल एवं अन्य समकक्ष बलों, पुलिस, होमगार्ड एवं निजी सुरक्षा एजेंसियों में भर्ती के लिए सक्षम बनाने के लिए शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना-2026 प्रारंभ की गई है। इस योजना के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पिंकी सुदेश वानखेड़े, महापौर श्रीमती अमृता अमर यादव, सांसद प्रतिनिधि श्रीमती ममता वारसे, जिला पंचायत के सीईओ डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री महेन्द्र तारणेकर, डिप्टी कलेक्टर सुश्री दीक्षा भगोरे, जनजातीय कार्य विभाग के सहायक संचालक श्री नीरज पाराशर सहित अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर किया। महापौर श्रीमती यादव ने उपस्थित सभी प्रशिक्षार्थियों को इस योजना के तहत प्रशिक्षण लेने के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए इस तरह की प्रशिक्षण योजनाएं संचालित कर रही है।

चीताखेड़ा में कैंसर मरीजों की खबर के बाद स्वास्थ्य विभाग सक्रिय, जांच शिविर लगाकर मरीजों का किया परीक्षण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जीरन तहसील के ग्राम चीताखेड़ा में पिछले कुछ वर्षों से एक विशेष करीब 200 मीटर क्षेत्र में लगातार कैंसर मरीज सामने आने की खबर उजागर होने के बाद प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग हरकत में आ गया है। ग्रामीणों द्वारा गांव में कैंसर मरीजों की संख्या बढ़ने को लेकर चिंता जताते हुए जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया था, जिसके बाद जिला कलेक्टर डॉ. हिमांशु चंद्रा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए स्वास्थ्य विभाग सहित संबंधित विभागों को जांच के निर्देश दिए थे।

इसी क्रम में गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्राम चीताखेड़ा पहुंचकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर कैंसर जांच शिविर लगाया। ब्लॉक मेडिकल अधिकारी पालसोडा डॉ. विजय भारती अपनी टीम के साथ शिविर में पहुंचे और कैंसर पीड़ित मरीजों की जांच कर उन्हें स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सलाह देते हुए बताया कि शराब, बीड़ी, सिगरेट, तंबाकू, गांजा जैसी धुम्रपान नशा मानव जीवन के लिए बहुत ही घातक है। शिविर में कुछ कैंसर पीड़ित रोगी पहुंचे जिन्होंने डॉक्टर को जांच रिपोर्ट दिखाई और मरामर्श लिया। 8 कैंसर पीड़ितों ने बताया कि उनका इलाज अहमदाबाद एवं उदयपुर में आयुष्मान कार्ड के माध्यम से जारी है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा मरीजों की स्थिति जानने के साथ गांव में कैंसर सर्वे भी कराया गया तथा बीमारी से पीड़ित लोगों से संपर्क कर उन्हें समय पर उपचार करवाने की सलाह दी गई।

गौरतलब है कि कुछ दिनों पूर्व ग्रामीणों ने गांव के एक सीमित क्षेत्र में लगातार कैंसर मरीज निकलने को लेकर पानी, मोबाइल टावर और अन्य संभावित कारणों की जांच की मांग उठाई थी। इस खबर के सामने आने के बाद क्षेत्र में चिंता का माहौल बन गया था। अब स्वास्थ्य विभाग द्वारा शिविर आयोजित कर सर्वे शुरू किए जाने से ग्रामीणों को उम्मीद बंधी है कि मामले की वास्तविक स्थिति सामने आ सकेगी। शिविर में मेडिकल अधिकारी डॉ. आर. के. गुप्ता, बीई शक्तावत, बीसीएम परमार, बीपीएम मंसूरी, एएनएम तरुणा कनिक, सेक्टर सुपरवाइजर कुमावत, आशा सुपरवाइजर ममता परमार, सरपंच श्रीमती मंजू जैन सहित पीएचसी स्टाफ, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की सक्रिय सहभागिता रही।

संगठन को मजबूती देने के लिए कांग्रेस की ब्लॉक स्तरीय बैठकें कल से, विधायक शेखावत रहेंगे मौजूद

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार बदनावर विधानसभा क्षेत्र के तीनों ब्लॉकों में संगठनात्मक मजबूती के लिए महत्वपूर्ण बैठकों का दौर शुरू होने जा रहा है। 16 और 17 मई को होने वाली इन बैठकों में पार्टी की आगामी रणनीति और संगठन विस्तार पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

पार्टी द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कानवन ब्लॉक में 16 मई, प्रातः 11:00 बजे, संतोषी माता धर्मशाला, कानवन। सायं 5:00 बजे होटल मनासा मिडवे केसुर में बैठक रहेगी। वही बदनावर ब्लॉक की बैठक 17 मई रविवार को प्रातः 11:00 बजे विधायक कार्यालय, बदनावर में होगी।

इन सभी बैठकों में मुख्य रूप से बदनावर विधायक भंवर सिंह शेखावत, विधानसभा प्रभारी राकेश अहीर, जिला कांग्रेस अध्यक्ष स्वतंत्र जोशी, पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी कमल सिंह पटेल, हरि नारायण सिंह पवार एवं जिला संगठन महामंत्री परितोष सिंह (बंजी बना) उपस्थित रहेंगे। वरिष्ठ नेताओं द्वारा कार्यकर्ताओं को संगठन को जमीनी स्तर पर सक्रिय और मजबूत करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए जाएंगे।

नगर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश होती ने उपरोक्त जानकारी देते हुए बताया कि इन बैठकों का मुख्य उद्देश्य आगामी समय के लिए संगठन को धार देना और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार करना है। आयोजन को लेकर ब्लॉक स्तर पर तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं और सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को बैठक में समय पर उपस्थित रहने का आह्वान किया गया है।

CBN की बड़ी कार्रवाई, कार से 95.290 किलो डोडाचूरा बरामद; एक तस्कर गिरफ्तार

नीमच/सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है। इसी कड़ी में CBN कोटा की टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में अवैध डोडाचूरा से भरी कार पकड़कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान कार से 11 बोरों में भरा करीब 195.290 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा बरामद किया गया।

CBN कोटा द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार 14 मई 2026 को अधिकारियों को विशेष गुप्त सूचना मिली थी कि राजस्थान नंबर की एक कार में अवैध डोडाचूरा भरकर सारथला से सोमपुर की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही CBN टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए चित्तौड़गढ़ जिले में सारथला से सोमपुर जाने वाले मार्ग पर नाकाबंदी कर दी। कुछ देर बाद संदिग्ध कार वहां पहुंची, जिसे रोककर अधिकारियों ने पूछताछ की। प्रारंभिक जांच में वाहन चालक संदिग्ध नजर आया, जिसके बाद कार को CBN कार्यालय लाकर गहन तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कार के अंदर छिपाकर रखे गए 11 बोरे बरामद हुए, जिनमें कुल 195 किलो 290 ग्राम अवैध डोडाचूरा भरा हुआ था। CBN अधिकारियों ने मौके पर ही डोडाचूरा और कार को जब्त कर लिया तथा आरोपी को एनडीपीएस एक्ट 1985 की संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार कर लिया।

सिविल अस्पताल सुसनेर में एक्सरे सुविधा ठप, गेट पर लटका ताला, मरीज परेशान

गरीब मरीजों पर आर्थिक मार, अस्पताल प्रबंधन ने मांगी वैकल्पिक व्यवस्था

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिविल अस्पताल सुसनेर में इन दिनों स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की गंभीर लापरवाही सामने आ रही है। अस्पताल में पिछले कई दिनों से एक्सरे सुविधा बंद होने के कारण मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालत यह है कि अस्पताल के एक्सरे रूम के गेट पर ताला लटका हुआ है और मरीज जांच के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं।जानकारी के अनुसार अस्पताल में पदस्थ एक्सरे टेक्नीशियन अर्जित अवकाश पर हैं, जिसके चलते एक्सरे सेवा पूरी तरह बंद पड़ी हुई है। अस्पताल में प्रतिदिन दुर्घटना, हड्डी, सीने और अन्य बीमारियों से जुड़े मरीज जांच के लिए पहुंच रहे हैं, लेकिन सुविधा उपलब्ध नहीं होने से उन्हें निराश होकर लौटना पड़ रहा है। मरीजों ने बताया कि वे 9 मई से लगातार अस्पताल के चक्कर लगा रहे हैं लेकिन अब तक एक्सरे नहीं हो पाया है। कई मरीजों का कहना है कि डॉक्टर द्वारा एक्सरे जांच लिखे जाने के बावजूद अस्पताल में सुविधा बंद होने से इलाज प्रभावित हो रहा है। मरीजों और परिजनों को बार-बार अस्पताल आना पड़ रहा है, जिससे समय और पैसे दोनों की बर्बादी हो रही है।

सरकारी अस्पताल में कम खर्च में उपचार और जांच की उम्मीद लेकर आने वाले गरीब एवं ग्रामीण क्षेत्र के मरीजों की परेशानी सबसे अधिक बढ़ गई है। मजबूरी में कई मरीज निजी एक्सरे सेंटरों पर जाकर महंगे दामों में जांच कराने को विवश हैं। मरीजों का कहना है कि आर्थिक स्थिति कमजोर होने के बावजूद उन्हें निजी जांच केंद्रों पर अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ रहा है। अस्पताल आने वाले लोगों ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि एक कर्मचारी के अवकाश पर जाने से पूरी व्यवस्था बंद हो जाती है, तो यह प्रशासनिक लापरवाही को दर्शाता है। लोगों का कहना है कि अस्पताल प्रबंधन को पहले से वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए थी, ताकि मरीजों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

सूत्रों के अनुसार मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी द्वारा जिला स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखकर वैकल्पिक टेक्नीशियन उपलब्ध कराने की मांग की गई है। पत्र में मरीजों की लगातार बढ़ रही परेशानी का उल्लेख करते हुए जल्द व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया है। हालांकि समाचार लिखे जाने तक एक्सरे सुविधा शुरू नहीं हो सकी थी। नगरवासियों एवं मरीजों ने स्वास्थ्य विभाग से जल्द से जल्द एक्सरे सेवा पुनः प्रारंभ कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि सिविल अस्पताल क्षेत्र का प्रमुख सरकारी स्वास्थ्य केंद्र है और यहां इस प्रकार की अव्यवस्थाएं आमजन के भरोसे को कमजोर कर रही हैं। यदि शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में मरीजों की समस्याएं और बढ़ सकती हैं।

इनका कहना - एक्सरे टेक्नीशियन अर्जित अवकाश पर होने के कारण फिलहाल एक्सरे सुविधा प्रभावित हुई है। वैकल्पिक व्यवस्था के लिए जिला स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र भेज दिया गया है। जल्द ही व्यवस्था बहाल कर मरीजों को राहत देने का प्रयास किया जा रहा है।

-डॉ बी.बी. पाटीदार, प्रभारी बीएमओ सिविल अस्पताल सुसनेर

सुसनेर में पहली बार नगर परिषद सम्मेलन का होगा लाइव प्रसारण

अब जनता भी देख सकेगी परिषद में विकास कार्यों पर होने वाली चर्चा

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर परिषद सुसनेर की आगामी 18 मई को आयोजित होने वाली परिषद सम्मेलन बैठक का इस बार पहली बार सार्वजनिक लाइव प्रसारण किया जाएगा। नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि शुक्रवारिया चौराहे पर बड़ी एलईडी स्क्रीन लगाकर परिषद की पूरी कार्यवाही आम नागरिकों को दिखाई जाएगी।

उन्होंने बताया कि परिषद की बैठकों में नगर विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा होती है। इनमें सड़क निर्माण, नाली निर्माण, पेयजल व्यवस्था, साफ-सफाई, स्ट्रीट लाइट, सौंदर्यीकरण तथा अन्य जनहित कार्यों को लेकर पार्षदों द्वारा सुझाव एवं आपत्तियां रखी जाती हैं। कई बार विकास कार्यों को लेकर परिषद में सहमति बनती है तो कई मुद्दों पर पार्षदों के बीच मतभेद भी सामने आते हैं।

अध्यक्ष प्रदीप सोनी ने कहा कि परिषद की कार्यवाही को सार्वजनिक रूप से दिखाने का उद्देश्य पारदर्शिता बढ़ाना और नागरिकों को नगर विकास की प्रक्रियाओं से जोड़ना है। इससे आम लोग भी जान सकेंगे कि कौन से विकास कार्य प्रस्तावित हो रहे हैं, किन कार्यों को स्वीकृति मिल रही है तथा किन विषयों पर आपत्ति या चर्चा की जा रही है।

नगर परिषद द्वारा शुक्रवारिया चौराहे पर बैठक के लाइव प्रसारण के लिए तकनीकी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। परिषद प्रशासन का कहना है कि यह पहल नगर में पारदर्शी प्रशासन और जनभागीदारी को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

अब सुविधाजनक स्थान पर संचालित हो रहा है उप पंजीयन कार्यालय

नीमच/सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार अब संपत्ति की रजिस्ट्री करने वाला उप पंजीयन कार्यालय, कलेक्ट्रेट के स्थान पर तहसील कार्यालय नीमच के सुविधायुक्त 2 कक्षों में संचालित होना प्रारंभ हो गया है। नागरिकों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए पंजीयन कक्ष के बाहर पक्षकारों के बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। साथ ही पेयजल की भी व्यवस्था की जा रही है, जिससे रजिस्ट्री कराने आने वाले नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उप पंजीयक नीमच श्री माधव खेर ने बताया कि कलेक्ट्रेट से नवीन संयुक्त तहसील कार्यालय भवन में पंजीयन कार्यालय के स्थानांतरित होने के बाद, पहले दिन 15 मई को 25 संपत्तियों की रजिस्ट्री की गई है। पक्षकारों ने नवीन कक्षों में पंजीयन कार्यालय संचालित होने पर इस इस भवन को सुविधाजनक बताया है।

शासकीय आईटीआई सुसनेर में युवा संगम कार्यक्रम अंतर्गत रोजगार मेले का आयोजन

33 युवक-युवतियों का रोजगार हेतु प्रारंभिक चयन

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग मध्यप्रदेश की मंशानुसार तथा कलेक्टर श्रीमती प्रीति यादव के निर्देशानुसार 15 मई शुक्रवार को शासकीय आईटीआई सुसनेर में युवा संगम कार्यक्रम अंतर्गत रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन शासकीय आईटीआई सुसनेर के प्रभारी प्राचार्य सुमित रत्नापारखी एवं जिला रोजगार अधिकारी संजीव पाटिल के संयुक्त नेतृत्व में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम में उप प्राचार्य जुगल किशोर पाटीदार, सौरभ कुशवाह, सुश्री मीना भारती, संजीव पाटिल एवं अर्जुन शर्मा मंचासीन रहे।

युवा संगम रोजगार मेले में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से कुल 109 आवेदकों ने पंजीयन कराया। मेले में 33 युवक-युवतियों का रोजगार हेतु प्रारंभिक चयन किया गया, जबकि 6 आवेदकों का प्रशिक्षण हेतु चयन किया गया। इसके साथ ही उद्योग विभाग द्वारा स्टार्टअप एवं स्वरोजगार के लिए 11 आवेदकों का पंजीयन किया गया तथा लगभग 50 विद्यार्थियों को कैरियर काउंसलिंग एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में स्वरोजगार योजनाओं के अंतर्गत 7 हितग्राहियों को कुल 28.99 लाख रुपये के स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। रोजगार मेले में विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थाओं एवं कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर अभ्यर्थियों के साक्षात्कार लिए तथा रोजगार एवं व्यवसाय संबंधी जानकारी प्रदान की। इनमें बैंक ऑफ इंडिया आगर-मालवा, एसबीआई लाइफ आगर, टीएसपीएल पुणे (एमआरएफ), स्माइल फाउंडेशन दिल्ली, एडब्ल्यूपीएल, एलआईसी आगर, बीओआई आरसेटी आगर तथा इंडियन सिक्योरिटी सर्विसेस,चेकमेट सिक्योरिटी अहमदाबाद शामिल रहे।

इस अवसर पर उद्योग विभाग, स्वास्थ्य विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग, एनयूएलएम आगर, आईटीआई एवं अन्य विभागों के अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लीड बैंक मैनेजर श्रीकांत सक्सेना, उद्योग विभाग के सहायक प्रबंधक बहादुर सिंह धार्वे, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट अधिकारी जुगल किशोर पाटीदार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में संस्था के प्रशिक्षण अधिकारी सौरभ कुशवाह, सुश्री मीना भारती, अर्जुन शर्मा, डिलेश्वर नागेश्वर, जितेंद्र रावते, दीपक केवट, श्रीमती सपना सिकरवार, श्रीमती रीना बोडाना, ब्रजेश प्रजापति, श्रीमती रानु पुष्पद एवं अन्य कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा।

विस्फोटक अधिनियम, पटाखा लाइसेंस एवं पेट्रोलियम नियमों संबंधी कार्यवाहियों की समीक्षा बैठक आयोजित

विस्फोटक सामग्री के अनुचित भंडारण एवं उपयोग पर रहेगी जीरो टॉलरेंस नीति - कलेक्टर

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में शुक्रवार को विस्फोटक अधिनियम, पटाखा लाइसेंस, शस्त्र लाइसेंस तथा पेट्रोलियम नियम 2002 के अंतर्गत संचालित विभिन्न कार्यवाहियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने विस्फोटक सामग्री के भंडारण, परिवहन एवं हैंडलिंग संबंधी व्यवस्थाओं की विस्तारपूर्वक समीक्षा करते हुए सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने झायड़ा स्थित विस्फोटक गोदाम एवं पेटलावद क्षेत्र के भंडारण का संयुक्त निरीक्षण एसडीएम एवं एसडीओपी द्वारा अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि खनन कार्यों में उपयोग की जाने वाली विस्फोटक सामग्री के संबंध में निर्धारित एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) का पूर्णतः पालन किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि लाइसेंस में वर्णित सभी शर्तों का गंभीरता से अनुपालन सुनिश्चित हो तथा विस्फोटक सामग्री की हैंडलिंग एवं परिवहन में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने सख्त शब्दों में कहा कि विस्फोटक सामग्री के अनुचित भंडारण एवं अवैध उपयोग के मामलों में प्रशासन द्वारा जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए कठोर कार्यवाही की जाएगी।

बैठक में पटाखा लाइसेंस संबंधी प्रकरणों की समीक्षा भी की गई। कलेक्टर ने थांदला एवं मेघनगर अनुभाग में स्थित भंडारण केंद्रों का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

इसके अतिरिक्त पेट्रोलियम नियम 2002 के तहत नवीन रिटेल आउटलेट (पेट्रोल पंप) स्थापित करने हेतु आवश्यक एनओसी प्रक्रिया को पारदर्शी, व्यवस्थित एवं समयबद्ध रूप से संचालित करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने शस्त्र लाइसेंस के नवीन आवेदन एवं नवीनीकरण की प्रक्रिया को पूर्णतः ऑनलाइन माध्यम से संचालित करने तथा आवेदनों का व्यवस्थित श्रेणीवार वर्गीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

इस दौरान अपर कलेक्टर श्री सी एस सोलंकी, सहायक कलेक्टर सुश्री आयुषी बंसल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रतिपाल सिंह महोबिया, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री महेश मण्डलोई, डिप्टी कलेक्टर श्री महेश बड़ोले एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व थान्दला, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघनगर एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी वीसी के माध्यम से जुड़े।

जिला प्रभारी मंत्री डॉ. गौतम टेटवाल का निवाली दौरा के दौरान दी विकास कार्यों की दी सौगात

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। संजीवनी क्लिनिक, जनपद पंचायत के नवीन परिसर और आजीविका भवन का किया लोकार्पण एक बगिया माँ के नाम अभियान में देश में बड़वानी जिला तीसरे स्थान पर आजीविका दीदियों को बांटे हितलाभ बड़वानी 15 मई 2026/ मध्यप्रदेश शासन के कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. गौतम टेटवाल शुक्रवार को निवाली जनपद के विभिन्न ग्रामों और नगर पंचायत के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण शासकीय भवनों का लोकार्पण किया। कौशल विकास को प्राथमिकता प्रभारी मंत्री डॉ. टेटवाल ने अपने दौरे की शुरुआत निवाली जनपद के ग्राम झाकर में शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में संचालित प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के प्रशिक्षण कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। प्रशिक्षणार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्होंने कहा कि युवाओं को तकनीकी रूप से दक्ष होकर आत्मनिर्भर बनना आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। प्रभारी मंत्री डॉ. टेटवाल ग्राम झाकर स्थित श्री कांता दिव्यांग बालक आश्रम पहुँचे, जहाँ उन्होंने दिव्यांग बच्चों से बेहद आत्मीयता से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। श्एक बगिया माँ के नाम अभियान में बड़वानी देश में तीसरे स्थान पर जनपद पंचायत निवाली के ग्राम कानपुरी में आयोजित कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री डॉ. टेटवाल ने एक बगिया माँ के नाम अभियान के अंतर्गत संवाद कार्यक्रम में आजीविका मिशन की दीदियों को संबोधित किया। यह अभियान पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तिकरण का अनूठा संगम बनकर उभरा है। जिले में निर्धारित 700 बगिया के लक्ष्य के विरुद्ध 735 बगिया तैयार की जा चुकी हैं। करीब 12 करोड़ 98 लाख रुपये की लागत वाले इस वृहद प्रोजेक्ट के सफल क्रियान्वयन के चलते बड़वानी जिले ने देश में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। ग्राम कानपुरी में 35 स्व-सहायता समूहों की दीदियों द्वारा बेंगलुरु और पश्चिम बंगाल से लाए गए ग्राफ्टेड (कलमी) बेर के पौधे लगाए गए हैं, जिनका प्रभारी मंत्री ने अवलोकन कर सराहना की। कार्यक्रम में संबल योजना एवं पेंशन स्वीकृति के तहत हितलाभ की प्रतियों का वितरण भी किया गया। करोड़ों के विकास कार्यों का लोकार्पण क्षेत्रीय विकास और जनसुविधाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से प्रभारी मंत्री द्वारा निम्नलिखित निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया गया । 1. आजीविका भवन (लागत 32 लाख रूपये) ग्राम कानपुरी में नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया गया, जो स्व-सहायता समूहों को सशक्त बनाने और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन में मील का पत्थर साबित होगा। 2. संजीवनी क्लिनिक (लागत 25 लाख रूपये) नगर पंचायत निवाली बुजुर्ग के वार्ड क्रमांक 15 में संजीवनी क्लिनिक का लोकार्पण किया गया। इससे स्थानीय नागरिकों को घर के समीप ही निःशुल्क प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएँ मिल सकेंगी। 3. जनपद पंचायत नवीन परिसर निवाली जनपद के नए प्रशासनिक परिसर का लोकार्पण किया गया, जिससे क्षेत्र की जन-समस्याओं का त्वरित निराकरण हो सकेगा।

कलेक्टर ने वन स्टॉप सेंटर एवं बाल संप्रेक्षण गृह का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने आज वन स्टॉप सेंटर एवं बाल संप्रेक्षण गृह का निरीक्षण कर वहां संचालित व्यवस्थाओं, सुरक्षा उपायों एवं हितग्राहियों को प्रदान की जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

वन स्टॉप सेंटर के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सेंटर की प्रशासक श्रीमती लीला परमार से महिलाओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, सहायता सेवाओं एवं संचालन व्यवस्था के संबंध में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने महिला हेल्पलाइन 181 के माध्यम से प्राप्त होने वाली शिकायतों की प्रक्रिया, शिकायत दर्ज होने के बाद की जाने वाली कार्यवाही तथा

पीड़ित महिलाओं को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

कलेक्टर ने सेंटर में पदस्थ काउंसलर से भी चर्चा करते हुए काउंसलिंग प्रक्रिया, मानसिक एवं सामाजिक सहयोग के माध्यम से महिलाओं को दी जा रही सहायता तथा पुनर्वास संबंधी प्रयासों के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने सेंटर में रह रही महिलाओं (इनमेट्स) से संवाद कर उनकी समस्याएं, आवश्यकताएं एवं सेंटर में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में फीडबैक लिया। उन्होंने महिलाओं को संवेदनशीलता एवं सम्मान के साथ बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

इसके पश्चात कलेक्टर ने बाल संप्रेक्षण गृह का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था के तहत लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया तथा परिसर की साफ-सफाई एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने किशोरों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की गुणवत्ता, दैनिक दिनचर्या एवं स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं के बारे में चर्चा की।

कलेक्टर ने किशोरों की शिक्षा व्यवस्था एवं संचालित कक्षाओं का भी निरीक्षण किया तथा बच्चों को नियमित रूप से शिक्षण एवं रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि बालकों के पुनर्वास, शिक्षा एवं व्यक्तित्व विकास के लिए सकारात्मक वातावरण सुनिश्चित किया जाए, जिससे वे मुख्यधारा से जुड़कर बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर हो सकें। इस दौरान सहायक कलेक्टर सुश्री आयुषी बंसल एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

संकल्प को गति देने और आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश के सपने को साकार करने हेतु राज्य सरकार प्रतिबद्ध

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रभारी मंत्री डॉ. टेटवाल की अध्यक्षता में बड़वानी में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक सम्पन्न प्रशासनिक दक्षता और पारदर्शिता ही सुशासन का आधार रू प्रभारी मंत्री सेंधवा माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना का अब नाम स्वर्गीय रामचंद विट्ठल बडे माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना होगा बड़वानी 15 मई 2026/ जिले के प्रभारी मंत्री एवं कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. गौतम टेटवाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय विभागीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई। इस दौरान प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत की संकल्पना को पूर्ण करने और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश के सपने को धरातल पर उतारने के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ निरंतर कार्य कर रही है। मध्य प्रदेश, देश के विकास का मुख्य इंजन बनने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। बैठक में विभिन्न विकास कार्यों, शासकीय अभियानों और जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति का विस्तृत मूल्यांकन किया गया। सुशासन पर जोर, अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे लाभ प्रभारी मंत्री डॉ. टेटवाल ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि प्रशासनिक दक्षता और पारदर्शिता ही सुशासन का आधार है। उन्होंने जोर दिया कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक समयबद्ध तरीके से पहुँचना सुनिश्चित किया जाए। संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत प्रदेश में बड़वानी प्रथम जिले ने संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत बड़ी उपलब्धि हासिल की है। जिले की 409 पंचायतों और 153 वार्डों में आयोजित 102 शिविरों में प्राप्त आवेदनों का शत-प्रतिशत निराकरण कर बड़वानी जिला पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहा है। प्रभारी मंत्री ने जिला प्रशासन की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी सक्रियता से कार्य करने के निर्देश दिए। जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का आह्वान जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा में जिला पंचायत सीईओ ने बताया कि खेत तालाब, अमृत सरोवर और गेबियन संरचना जैसे कार्यों में बड़वानी जिला खंडवा और खरगोन के बाद प्रदेश में तीसरे स्थान पर आ गया है।

सपनों को मिली उड़ान : स्वरोजगार से आत्मनिर्भर बने प्रेम गामड़

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जीवन में सफलता केवल बड़े संसाधनों से नहीं, बल्कि बड़े सपनों, मेहनत और दृढ़ संकल्प से प्राप्त होती है। यदि व्यक्ति अपने लक्ष्य को स्पष्ट रखकर निरंतर प्रयास करता रहे, तो परिस्थितियां भी उसके रास्ते की बाधा नहीं बन पातीं। झाबुआ के युवा उद्यमी श्री प्रेम पिता मंजेश गामड़ की कहानी भी इसी आत्मविश्वास, संघर्ष और सफलता की प्रेरणादायक मिसाल है।

पॉलीटेक्निक कॉलेज गेट के सामने झाबुआ निवासी श्री प्रेम गामड़ ने स्नातक तक शिक्षा प्राप्त करने के बाद निजी क्षेत्र में कार्य करना शुरू किया। नौकरी के माध्यम से जीवनयापन तो हो रहा था, लेकिन उनके मन में हमेशा स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने और कुछ नया करने की इच्छा थी। वे ऐसा कार्य करना चाहते थे जिससे न केवल उन्हें आत्मसंतुष्टि मिले, बल्कि वे समाज के लोगों को बेहतर सेवा भी प्रदान कर सकें।

इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों के प्रति रुचि और तकनीकी समझ को देखते हुए उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स सेल्स एंड सर्विस के क्षेत्र में स्वरोजगार स्थापित करने का निर्णय लिया। हालांकि व्यवसाय शुरू करने के लिए पूंजी की आवश्यकता सबसे बड़ी चुनौती थी। सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण उनका सपना अधूरा नजर आ रहा था, लेकिन उन्होंने हार मानने के बजाय शासन की स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी प्राप्त की।

नगरों को स्वच्छ, व्यवस्थित एवं अतिक्रमण मुक्त बनाने हेतु तैयार हो ठोस कार्ययोजना- कलेक्टर

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में शुक्रवार को स्वच्छता सर्वेक्षण एवं नवीन ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगरीय निकायों में स्वच्छता व्यवस्थाओं, उपलब्ध संसाधनों तथा आगामी कार्ययोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक के दौरान 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के विभिन्न प्रावधानों की विस्तार से समीक्षा की गई। इसमें ठोस अपशिष्ट को गीला, सूखा, सैनिटरी एवं विशेष देखभाल अपशिष्ट जैसी चार श्रेणियों में विभाजित किए जाने संबंधी प्रावधानों पर चर्चा करते हुए उनके प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने सभी नगरीय निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारियों (सीएमओ) से स्वच्छता से जुड़े कर्मचारियों, उपलब्ध संसाधनों, एफएसटीपी, एमआरएफ सेंटर, सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालयों की स्थिति तथा व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने निर्देश दिए कि सभी नगरीय निकाय आगामी एक वर्ष की विस्तृत कार्ययोजना तैयार करें, जिसमें शॉर्ट टर्म एवं लॉन्ग टर्म प्लान दोनों शामिल हों। उन्होंने कहा कि कार्ययोजना में नगरीय क्षेत्रों की प्रमुख कमियों की पहचान कर उनके निराकरण हेतु आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता दी जाए।

उन्होंने नगरीय अधोसंरचना विकास पर विशेष ध्यान देते हुए पेयजल, सड़क एवं नाली निर्माण संबंधी योजनाओं को सुव्यवस्थित रूप से शामिल करने के निर्देश दिए। साथ ही नगरों को डी-कंजेशन करने, अतिक्रमण मुक्त बनाने, सौंदर्यीकरण कार्यों को बढ़ावा देने तथा जल निकायों के संरक्षण एवं कायाकल्प के लिए ठोस योजना तैयार करने को कहा।

जिले में अघोषित बिजली कटौती को लेकर कांग्रेस का हल्लाबोल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले कई दिनों से जारी अव्यवस्थित बिजली आपूर्ति और अघोषित विद्युत कटौती के खिलाफ आज जिला कांग्रेस कमेटी ने पूरी मजबूती के साथ मैदान में उतरकर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया। शुक्रवार दोपहर गोमाबाई रोड स्थित अधीक्षण यंत्री कार्यालय पहुंचे कांग्रेसजनों ने विभाग की लचर कार्यप्रणाली पर गहरा आक्रोश जताते हुए सीधे अधीक्षण यंत्री जयपाल सिंह ठाकुर को बिजली कटौती पर आपत्ति जताते हुए जनता की कई समस्याएं बताई।

कांग्रेस नेताओं ने अधीक्षण यंत्री के सामने सीधे तौर पर विभाग की पोल खोलते हुए कहा कि जब पूरा जिला भीषण लू और जानलेवा गर्मी की चपेट में है, तब उपभोक्ताओं को सुचारू और निर्बाध बिजली देना विभाग का पहला कर्तव्य है। लेकिन इसके ठीक उलट, शहर से लेकर गांवों तक बिना किसी सूचना के घंटों बिजली बंद रखी जा रही है, जिसने आम नागरिकों का जीना मुहाल कर दिया है। नेताओं ने तीखे लहजे में कहा कि विभाग कागजों पर जितनी घोषित कटौती दिखाता है, असलियत में बिजली उससे दोगुने समय तक गुल रहती है। इस अघोषित और मनमाने पावर कट के कारण शहर के कई वार्डों में पानी तक का संकट खड़ा हो गया है, वहीं घरों में बंद बीमार बुजुर्गों, मरीजों और छोटे बच्चों को इस तड़पाने वाली गर्मी में असहनीय कष्ट भुगतना पड़ रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों और व्यापार की स्थिति का जिक्र करते हुए कांग्रेस ने अधिकारियों को आड़े हाथों लिया। नेताओं ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में बिजली देने का कोई अता-पता ही नहीं है, कोई टाइम-टेबल तय नहीं है। इस वजह से किसानों की सिंचाई व्यवस्था पूरी तरह ठप हो चुकी है और उनके पशुओं को पानी पिलाने की समस्या के अलावा किसानों की गर्मी की उद्यानिकी खेती को भारी नुकसान पहुंच रहा है, जो किसानों के पेट पर लात मारने जैसा है। वहीं दूसरी तरफ, बार-बार होने वाली ट्रिपिंग ने स्थानीय छोटे दुकानदारों, व्यापारियों और लघु उद्योगों का धंधा चौपट कर दिया है। लगातार वोल्टेज के उतार-चढ़ाव से लोगों के घरों और दुकानों के कीमती बिजली उपकरण जल रहे हैं, जिससे जनता पर आर्थिक रूप से दोहरी मार पड़ रही है। इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती ने विद्युत कंपनी के अधिकारियों को घेरते हुए जिले के सत्ताधारी दल के विधायकों को आड़े हाथों लेते हुए उन पर तीखा हमला बोला। बाहेती ने स्थानीय विधायकों की चुप्पी पर गहरा निशाना साधते हुए कहा कि अघोषित विद्युत कटौती से जिले की जनता और अन्नदाता त्रस्त हैं, कराह रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद भी सत्ता पक्ष के विधायक इस गंभीर मुद्दे पर अपना मुंह खोलने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों का यह दायित्व होता है कि वे संकट के समय अपनी जनता के साथ खड़े हों, लेकिन नीमच जिले के विधायक जनता को इस भीषण संकट में बेसहारा छोड़कर मौन साधे बैठे हैं। विधायकों को इस समय राजनीति से ऊपर उठकर जनता के इस गहरे दुख और तकलीफ में उनके साथ खड़ा होना चाहिए था और सरकार के सामने उनकी आवाज उठानी चाहिए थी, परंतु उनकी यह चुप्पी बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

जिला कांग्रेस ने अधीक्षण यंत्री जयपाल सिंह ठाकुर को सौंपे गए तीखे पत्र में साफ शब्दों में कहा की यदि नीमच शहर और ग्रामीण अंचलों में तुरंत यह अघोषित विद्युत कटौती बंद नहीं की गई और जनता को सुचारू बिजली नहीं मिली, तो कांग्रेस पार्टी केवल ज्ञापन देने तक सीमित नहीं रहेगी। कांग्रेस आम जनता और पीड़ित किसानों को साथ लेकर बिजली विभाग के खिलाफ उग्र और विशाल आंदोलन खड़ा करेगी।

जनता के हक की इस तीखी लड़ाई में पूरी कांग्रेस एकजुट नजर आई। इस प्रतिनिधि मण्डल में मुख्य रूप से जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती, पूर्व जिला अध्यक्ष अनिल चौरसिया, ब्लॉक अध्यक्ष द्वय मोनू लोक्स,ओम दीवान, बृजेश मित्तल, मुकेश कालरा, योगेश प्रजापति, ओम शर्मा, हिदायत उल्ला खान, आशा सांभर, युवा कांग्रेस अध्यक्ष मन्नू बना, संदीप चौधरी, पार्षद शराफत हुसैन, इकबाल कुरैशी, संजय पंवार और मनोहर अम्ब सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने पद्मश्री सम्मानित परमार दम्पत्ति की कार्यशाला का किया अवलोकन

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने आज पद्मश्री से सम्मानित प्रसिद्ध लोक कलाकार एवं शिल्पकार श्री रमेश परमार एवं श्रीमती शान्ति परमार की कार्यशाला का भ्रमण कर उनके द्वारा निर्मित पारंपरिक गुड्डा-गुड़िया एवं विभिन्न कलाकृतियों का अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने परमार दम्पत्ति द्वारा तैयार की जा रही कलाकृतियों की बारीकी, पारंपरिक शैली एवं सांस्कृतिक विशेषताओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की लोक कला एवं हस्तशिल्प न केवल क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करते हैं, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं एवं लोक संस्कृति से जोड़ने का भी महत्वपूर्ण कार्य करते हैं।

परमार दम्पत्ति ने कलेक्टर को कला के संरक्षण एवं विकास के लिए दिए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में महिलाओं को पारंपरिक कला एवं हस्तशिल्प का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें एवं लोक कला को आगे बढ़ा सकें।

कलेक्टर ने कार्यशाला में तैयार की जा रही विभिन्न कलाकृतियों का अवलोकन करते हुए उनकी निर्माण प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने परमार दम्पत्ति के परिवारजनों से भी चर्चा कर कला से जुड़े उनके अनुभव एवं योगदान के बारे में जानकारी ली।

कलेक्टर ने परमार दम्पत्ति के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी कला एवं समर्पण जिले के लिए गौरव का विषय है तथा यह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मेघनगर का निरीक्षण, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हेतु दिए आवश्यक निर्देश

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. देवेंद्र भायल द्वारा शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मेघनगर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं, अस्पताल प्रबंधन, विभिन्न व्यवस्थाओं एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन का विस्तृत अवलोकन किया गया। इस दौरान बीएमओ मेघनगर डॉ. विनोद नायक

सहित संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

निरीक्षण के दौरान जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने आयुष्मान कार्ड निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए पाया कि कार्य अपेक्षित गति से नहीं हो रहा है। उन्होंने संबंधित ऑपरेटरों एवं आयुष्मान मित्रों को निर्देशित किया कि पात्र हितग्राहियों के अधिक से अधिक आयुष्मान कार्ड शीघ्र बनाए जाएं तथा ओपीडी में आने वाले प्रत्येक पात्र मरीज का तत्काल आयुष्मान पंजीयन सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने मेडिकल वार्ड में ड्यूटी रोस्टर व्यवस्थित रखने एवं मरीजों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही एएनसी रजिस्टर पूर्ण रूप से संधारित नहीं पाए जाने पर संबंधित स्टाफ को लंबित प्रविष्टियां शीघ्र पूर्ण करने एवं ऑनलाइन एंट्री समय पर करने हेतु निर्देशित किया गया।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

सुबह जयगुरुदेव आश्रम पहुंचे मुख्यमंत्री.. आशीर्वाद लिया

उमाकांत महाराज बोले- पहले मैं इन्हें मोहन प्यारे कहता था, अब जनता के भी प्यारे हुए

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मक्सी रोड स्थित जय गुरुदेव आश्रम में सत्संग और भण्डारे का आयोजन चल रहा है तथा यहां हजारों लोगों की भीड़ उमड़ रही है। शनिवार सुबह यहां मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पहुंचे और उन्होंने उमाकांत महाराज से भेंट की और आशीर्वाद लिया।

मुख्यमंत्री के पहुंचने पर उमाकांत महाराज ने उन्हें आशीर्वाद देते हुए कहा कि मोहन यादव वर्षों से आश्रम आते रहे हैं। पहले मैं इन्हें मोहन प्यारे कहकर बुलाता था, लेकिन अब ये अपने कामों से जनता के भी प्यारे बन गए हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री को सत्य, सनातन और अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए जनसेवा करते रहने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंच से हजारों श्रद्धालुओं को कहा कि गुरुवर को देखकर ऐसा लगता है जैसे स्वयं ईश्वर के दर्शन हो गए हों। यह आश्रम परमात्मा का घर है और गुरुदेव का आशीर्वाद जीवन को सही दिशा देने वाला है। उन्होंने कहा कि गुरुदेव के मार्गदर्शन से जीवन को संयम, सत्य और सेवा के मार्ग पर चलाने की प्रेरणा मिलती है। सीएम ने कहा कि प्रदेश में गौशालाओं के संरक्षण, धार्मिक नगरों में शराबबंदी और सनातन संस्कृति को बढ़ावा देने के फैसलों के पीछे भी संतों का आशीर्वाद और मार्गदर्शन है। उन्होंने बताया कि उज्जैन, ओंकारेश्वर, महेश्वर, दतिया, सलकनपुर, ओरछा और चित्रकूट सहित 19 धार्मिक नगरों में शराबबंदी लागू की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंहस्थ-2028 तक उज्जैन को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक राजधानी के रूप में नई पहचान दी जाएगी। हम उज्जैन को मेट्रो सिटी के साथ ऐसी धार्मिक नगरी बनाएंगे जहां संस्कृति और अध्यात्म दोनों का वैभव दिखाई देगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश के हर जिले में गीता वन विकसित किए जा रहे हैं, जहां भगवान श्रीकृष्ण के उपदेशों का अध्ययन और आध्यात्मिक गतिविधियां संचालित होंगी।

शादी का झांसा देकर नाबालिक से दुष्कर्म करने वाला गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद शादी का झांसा देकर नाबालिग छात्रा को बहला-फुसला कर अपने साथ ले जाने और शोषण करने वाले आरोपी को पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। जिसके खिलाफ अपहरण की धारा के साथ पास्को एक्ट में केस दर्ज कर गुरूवार दोपहर न्यायालय में पेश किया गया। जहां से जेल भेजा गया है।

चिमनगंज थाना एएसआई सूर्यप्रकाश तलवैया ने बताया थाना क्षेत्र में रहने वाली नाबालिग छात्रा कक्षा 10 वीं का अध्ययन कर रही है। 27 अप्रैल को घर से कोचिंग जाने का बोलकर निकली थी। जिसके बाद वापस नहीं लौटी, परिजनों से तलाश के बाद मामले में थाने आकर शिकायत दर्ज कराई। मामले में अपहरण का प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू की गई थी। कुछ दिन बाद नाबालिग को उज्जैन से सकुशल दस्तायब कर लिया गया। उसने अपने बयान में पहले कुछ नहीं बताया लेकिन बाद में जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती किया गया। जहां महिला अधिकारी द्वारा बयान दर्ज करने पर सामने आया कि उसकी इंस्टाग्राम पर मनोहर शर्मा पिता मोहन शर्मा 21 साल निवासी अमरगढ़ खंडिया, जिला राजगढ़ से पहचान हुई थी। वह उज्जैन महाकाल दर्शन करने आया था उस वक्त झांसा देकर अपने साथ गया था। उसने गलत काम किया और उसका मोबाइल और रूपये भी रख लिये। मामला सामने आने पर मनोहर के खिलाफ अपहरण और पास्को एक्ट में प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू की गई। जिसे राजगढ़ ब्यावरा से गिरफ्तार कर उज्जैन लाया गया और कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया है।

महापौर ई रिक्शा में सवार होकर निकले निरीक्षण करने जनता की समस्या का किया निराकरण

बीएमएस डॉक्टर का 'एलोपैथी खेल' पकड़ाया

आदिनाथ क्लिनिक पर स्वास्थ्य विभाग का ताला- तीन दिन पहले दी थी चेतावनी, फिर भी चढ़ती रहीं बोतलें और बंटती रहीं एलोपैथिक दवाएं

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। लक्ष्मी नगर स्थित आदिनाथ क्लिनिक पर आखिरकार स्वास्थ्य विभाग ने सख्त कार्रवाई करते हुए क्लिनिक को सील कर दिया। विभागीय जांच में खुलासा हुआ कि बीएमएस पंजीयन के आधार पर क्लिनिक में खुलेआम एलोपैथिक इलाज किया जा रहा था। चेतावनी मिलने के बावजूद इलाज जारी रहने पर टीम ने शुक्रवार दोपहर दबिश देकर कार्रवाई को अंजाम दिया।

स्वास्थ्य विभाग की टीम जब क्लिनिक पहुंची तो वहां मरीजों की आवाजाही जारी थी। बाहर निकल रहे मरीजों को रोककर उनके पर्चे जांचे गए। पर्चों पर आदिनाथ क्लिनिक, लक्ष्मी नगर लिखा मिला और मरीजों को एलोपैथिक दवाएं दिए जाने के साथ बोतलें चढ़ाने की पुष्टि भी हुई। टीम ने आसपास की मेडिकल दुकानों से भी दवाओं की जानकारी जुटाई, जिससे मामला और स्पष्ट हो गया।क्लिनिक के बोर्ड पर संचालक डॉ. राजेश जैन के अलावा उनके बेटे डॉ. आदिश देव कुमार जैन और बेटी डॉ. अदिति जैन के नाम भी दर्ज मिले। जांच के दौरान क्लिनिक के अंदर मध्यप्रदेश राजपत्र की प्रति और आयुर्वेदिक पंजीयन प्रमाण पत्र मिले। डॉ. जैन ने अधिकारियों को बताया कि वे इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर प्रैक्टिस कर रहे थे, लेकिन विभाग ने साफ किया कि बीएमएस डॉक्टरों को एलोपैथिक उपचार की अनुमति नहीं है।

निरीक्षण के दौरान क्लिनिक में पलंग, बीपी मशीन, मेडिकल उपकरण और मरीजों के उपचार से जुड़ी अन्य सामग्री भी मिली। एक कांच के चैंबर में अतिरिक्त पलंग और पुराना सामान रखा था। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने पंचनामा तैयार कर क्लिनिक पर सील लगा दी।

अधिकारियों के मुताबिक तीन दिन पहले ही डॉ. जैन को एलोपैथिक इलाज नहीं करने की चेतावनी दी गई थी, लेकिन इसके बावजूद नियमों की अनदेखी जारी रही। कार्रवाई के दौरान डॉ. राजेश जैन ने क्लिनिक सील नहीं करने का अनुरोध किया और अपने बेटे से फोन पर अधिकारियों की बात भी कराई, मगर विभागीय टीम ने किसी दबाव में आए बिना कार्रवाई पूरी की।

निगम आयुक्त इलेक्ट्रिक वाहन पर सवार होकर मार्ग चौड़ीकरण कार्यों का निरीक्षण करने पहुंचे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पेट्रोल-डीज़ल के मितव्ययिता पूर्ण उपयोग के दृष्टिगत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा देशवासियों से की गई अपील एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय डॉ. मोहन यादव जी के आवाहन पर उज्जैन नगर पालिक निगम में भी पर्यावरण संरक्षण एवं ईंधन की बचत करते हुए समाज तक सकारात्मक संदेश पहुंचाने हेतु शुक्रवार को निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा द्वारा इलेक्ट्रिक वाहन पर सवार होकर मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण करने पहुंचे जिसके क्रम में आयुक्त द्वारा हनुमान नाका से होते हुए हरि फाटक ब्रिज तक प्रचलित मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया गया तत्पश्चात इलेक्ट्रिक वाहन के द्वारा ही नगर निगम कार्यालय पहुंचे।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पेट्रोल-डीज़ल के मितव्ययिता पूर्ण उपयोग के दृष्टिगत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा देशवासियों से की गई अपील एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय डॉ. मोहन यादव जी के आवाहन पर उज्जैन नगर पालिक निगम में भी महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा शुक्रवार को ई रिक्शा में सवार होकर निरीक्षण किया गया साथ ही जनता द्वारा जो समस्या बताई गई वायरलेस सेट के माध्यम से कंट्रोल रूम पर संबंधित शिकायत को दर्ज करवाते हुए नागरिकों द्वारा बताए गए समस्या का समाधान किया गया साथ ही महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा उज्जैन शहर के पार्षदों, जनप्रतिनिधियों, समस्त नागरिकों से भी अपील की है कि सप्ताह में एक दिन वाहनों का प्रयोग ना करते हुए डीजल एवं पेट्रोल की खपत को बचाए एवं इलेक्ट्रिक वाहनों ई रिक्शा का उपयोग करें और डीजल की खपत को कम करने में सहयोग करें जिसके क्रम में एमआईसी सदस्यों एवं निगम अधिकारियों द्वारा साइकिल, ई रिक्शा , इलेक्ट्रिक व्हीकल के साथ कार्य पर निकले।

आज शनि जयंती और शनिचरी अमावस्या एक साथ, 13 वर्ष बाद बन रहा विशेष संयोग

त्रिवेणी घाट पर फव्वारों से होगा शिप्रा स्नान, शनि मंदिर में 24 घंटे तक चढ़ेगा तेल; लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। धर्म नगरी उज्जैन में आज शनिवार को आस्था का महासंगम देखने को मिलेगा। 13 साल बाद ऐसा दुर्लभ संयोग बना है, जब शनि जयंती और शनिचरी अमावस्या एक ही दिन पड़ रही है। इस विशेष अवसर पर त्रिवेणी स्थित प्राचीन नवग्रह शनि मंदिर में देशभर से श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। मंदिर परिसर और त्रिवेणी घाट पर शुक्रवार रात से ही भक्तों की भीड़ उमड़ने लगी थी।

मान्यता है कि शनिचरी अमावस्या पर भगवान शनिदेव को तेल अर्पित करने और शिप्रा स्नान करने से शनि दोष, साढ़ेसाती और ढैय्या के कष्टों से राहत मिलती है। इसी आस्था के चलते लाखों श्रद्धालु शनिवार को उज्जैन पहुंचेंगे। मंदिर प्रशासन ने भी विशेष तैयारियां की हैं।

24 घंटे तक चलेगा तेल अर्पण- मंदिर के पुजारियों के अनुसार शनिवार तड़के से लेकर देर रात तक लगातार पूजन-अर्चन होगा। भगवान शनिदेव का पंचामृत अभिषेक, विशेष श्रृंगार, 56 भोग और आकर्षक पुष्प सज्जा की जाएगी। मंदिर में 24 घंटे तक तेल अर्पित करने की व्यवस्था रखी गई है। श्रद्धालु अपने साथ तेल, काला तिल, नारियल, काला कपड़ा, नमक और लोहे की सामग्री लेकर पहुंचेंगे। पूजा के बाद दान-पुण्य का भी विशेष महत्व माना जा रहा है।

फव्वारों से होगा शिप्रा स्नान- त्रिवेणी घाट पर श्रद्धालुओं के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। घाट पर फव्वारों के माध्यम से स्नान व्यवस्था बनाई गई है ताकि बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालु आसानी से स्नान कर सकें।

मान्यता के अनुसार भक्त पहले शिप्रा नदी में स्नान करेंगे, इसके बाद मंदिर में प्रवेश कर शनिदेव के दर्शन करेंगे। कई श्रद्धालु स्नान के बाद अपने कपड़े और जूते-चप्पल दान कर पुण्य लाभ भी अर्जित करेंगे। रात से ही घाटों पर भक्तों की कतारें लगने की संभावना जताई जा रही है।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम- भीड़ को देखते हुए प्रशासन भी पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। मंदिर और घाट क्षेत्र में पुलिस बल, होमगार्ड और एसडीआरएफ की टीमें तैनात की गई हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष प्लान तैयार किया गया है।प्रशासन का दावा है कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए बैरिकेडिंग, पार्किंग, पेयजल और चिकित्सा जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं।

धार्मिक मान्यता का केंद्र बना त्रिवेणी शनि मंदिर- उज्जैन का त्रिवेणी शनि मंदिर देशभर में विशेष धार्मिक महत्व रखता है। मान्यता है कि यहां सच्चे मन से पूजा करने और तेल चढ़ाने से शनि की पीड़ा कम होती है। यही वजह है कि हर शनिचरी अमावस्या पर यहां श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ता है, लेकिन इस बार 13 साल बाद बने महासंयोग ने आस्था को और भी खास बना दिया है।

अंतरराष्ट्रीय अवार्ड समारोह सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय में दिनांक 18 मई को होगा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सम्राट् विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन द्वारा प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका अक्षरवार्ता और कृष्ण बसंती शैक्षणिक एवं सामाजिक जनकल्याण समिति के सहयोग से दिनांक 18 मई 2026 को वाग्देवी भवन में अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी एवं कृष्ण बसन्ती अंतरराष्ट्रीय अवार्ड समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह संगोष्ठी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के परिप्रेक्ष्य- शिक्षा, साहित्य और संस्कृति पर एकाग्र होगी, जिसमें देश विदेश के विशेषज्ञ भाग लेंगे।

यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलानुशासक एवं हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. शैलेन्द्रकुमार शर्मा एवं अक्षरवार्ता अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका के सम्पादक और कृष्ण बसंती शैक्षणिक एवं सामाजिक जनकल्याण समिति के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. मोहन बैरागी ने बताया कि समारोह में देश के दस से अधिक राज्यों के शिक्षाविद, प्राध्यापक, संस्कृतिकर्मी एवं शोधकर्ताओं को अतिथियों द्वारा कृष्ण बसन्ती अंतरराष्ट्रीय अवार्ड 2026 से सम्मानित किया जाएगा।

एमआर-5 मार्ग की एक दर्जन कॉलोनियों में पीएचई की लाईन नहीं पहुंच रही

8 वर्ष पहले पिछले निगम सदन में कनेक्शन देने का प्रस्ताव हुआ था मंजूर - सिर्फ हैंडपंप और बोरिंग के भरोसे 5 हजार परिवार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आगर रोड एमआर-5 की एक दर्जन कॉलोनियों के हजारों रहवासियों को पिछले 8 साल से पीएचई की पाइप लाइन से पीने का पानी मिलने का इंतजार है। पिछले भाजपा बोर्ड के कार्यकाल में यहां पीएचई की लाईन डालने का प्रस्ताव मंजूर भी हो गया था, लेकिन अभी भी लोग पीने के पानी के लिए हेंडपंप और बोरिंग का इस्तेमाल कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि आगर-मक्सी रिंग रोड से सटी कॉलोनियों का विकास सिंहस्थ 2016 के निर्माण कार्यों के साथ शुरू हुआ। यहां पर इनर रिंग रोड सीमेंट कांक्रीट का होने के बाद बड़ी संख्या में कॉलोनियां तो बनी लेकिन सबसे बड़ी समस्या यहां आज भी पीने के पानी की है। करीब 8 साल पहले भाजपा बोर्ड के पिछले कार्यकाल में शहर में विभिन्न स्थानों पर 9 टंकियां बनाने के प्रस्ताव के साथ साथ एमआर-5 मार्ग की करीब एक दर्जन कॉलोनियों में पीएचई की लाईन जोडने के प्रस्ताव को भी मंजूर किया गया था।

इसमें मुख्य रूप से एमआर-5 मार्ग की बाफना पार्क, शारदा होम्स, खंडेलवाल नगर, तिरूपति एवेन्यु, महालक्ष्मी विहार, शीतल पैलेस, रतन एवेन्यु, मोदी नगर, प्रेमनगर, गुलमोहर कॉलोनी में नगर निगम और पीएचई पेयजल लाइन पहुंचाने के दावा करते रहे हैं, लेकिन अभी तक समस्या हल नहीं हुई है। हालत यह है कि उक्त कॉलोनियों के हर घर में बोरिंग है लेकिन गर्मी में बोरवेल सूख जाते हैं और रहवासियों को पानी के टैंकर मंगवाने पड़ते हैं।

क्षेत्र के लोगों का कहना है कि शहर में केवल गर्मी के दिन में जल संकट रहता है, लेकिन हमारी कॉलोनियों में पूरे साल जल संकट बना रहता है। इस बारे में जलकार्य समिति प्रभारी प्रकाश शर्मा ने चर्चा में बताया कि बोर्ड के पिछले कार्यकाल में हुए प्रस्ताव की उन्हें जानकारी नहीं है। उक्त 10 कॉलोनियों में अभी कानीपुरा और ढांचा भवन की टंकियों से लाइन जोडकर पानी देना संभव नहीं। उन्होंने कहा कि हालांकि अमृत मिशन के दूसरे चरण में इन कॉलोनियों में नई टंकियां बनाने का प्रस्ताव है और यह काम पूरा होने के बाद ही उक्त क्षेत्र में पूरे दबाव से लोगों को पानी मिल सकेगा।

उद्योगपुरी में लपटों से घिरी अगरबत्ती फैक्ट्री

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शुक्रवार तड़के मक्सी रोड उद्योगपुरी में अगरबत्ती बनाने वाली फैक्ट्री आज की लपटों से घिर गई। आग लगने की खबर लगते ही आसपास के कारखाने के लोगों में हड़कंप मच गया। फायर ब्रिगेड की चार दमकलो ने पहुंचकर आज पर काबू पाया। लेकिन कब तक लाखों का नुकसान हो चुका था।

मक्सी रोड उद्योगपुरी में एचपी ग्राइंडर फैक्ट्री बनी हुई है जहां अगरबत्ती का निर्माण किया जाता है। शुक्रवार करके अचानक फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। कुछ देर में ही कुछ उद्योगपुरी क्षेत्र में धुएं का गुब्बार फैल गया। ऊंची लपटे दिखाई देने लगी। आसपास की फैक्ट्री और कारखाने में काम करने वालों को अगरबत्ती फैक्ट्री में आग लगने की खबर मिली तो हड़कंप मच गया। मामले की जानकारी फायर ब्रिगेड को दी गई। कुछ देर में चार दमकल मौके पर पहुंची और फायर फाइटरों ने आग बुझाने के प्रयास शुरू किये। करीब एक से डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद हाथ पर काबू पाया गया लेकिन फैक्ट्री में रखा अगरबत्ती बनाने का कच्चा माल और मशीनों सहित अन्य सामान जलकर राख हो चुका था। फैक्ट्री संचालक के मौके पर पहुंच गया था जिसके अनुसार आग में उसे लाखों का नुकसान हुआ है फिलहाल यह सामने नहीं आ पाया कि आज कैसे लगी लेकिन माना जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट होने से आग फैली थी। पुलिस का कहना था कि आगजनी की शिकायत मिलने पर मामले की जांच की जाएगी।

116 पुलिसकर्मी प्रथम चरण का प्रशिक्षण प्राप्त कर बने ट्रेनर

सिंहस्थ 2028 को लेकर शुरू हुआ था ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स अभियान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ 2028 की सुरक्षा-व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन को लेकर 21 दिवसीय ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स अभियान का पहला चरण पूरा हो गया। इस दौरान प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले पुलिस कर्मियों को वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

पुलिस सामुदायिक भवन में 21 दिन पहले प्रदेश पुलिस के मुखिया (डीजीपी) कैलाश मकवाना द्वारा सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को लेकर सुरक्षा-व्यवस्था के साथ भीड़ प्रबंधन, आपदा प्रबंधन को लेकर ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स अभियान का शुभारंभ किया था। 21 दिनों तक प्रदेश वरिष्ठ और सेवानिवृत्त अधिकारियों द्वारा अपने पुराने अनुभवों के साथ प्रतिभागियों 116 पुलिसकर्मियों को फील्ड पर भौलोगिक स्थिति का अवलोकन कराया और आधुनिक पुलिसिंग, भीड़ प्रबंधन, आपदा प्रबंधन, नेतृत्व क्षमता विकास और सिंहस्थ-2028 जैसे विशाल धार्मिक आयोजन को सफल बनाने का प्रशिक्षण दिया। अभियान का प्रथम चरण पूरा होने पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक इंटेलिजेंस साई मनोहर, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एंव पुलिस महानिरीक्षक उज्जैन झोन राकेश गुप्ता, पुलिस उपमहानिरीक्षक भोपाल रूचिवर्धन, पुलिस उपमहानिरीक्षक उज्जैन तरूण नायक, पुलिस उपमहानिरीक्षक उज्जैन नवनीत भसीन, पुलिस अधीक्षक उज्जैन प्रदीप शर्मा और पुलिस अधीक्षक पीटीएस उज्जैन मनीषा पाठक की मौजदूगी में सभी प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। 21 दिनों तक ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स का अभियान में शामिल होने वाले प्रतिभागी अब अपने-अपने जिलों में जाकर बेहतर प्रशिक्षण प्रदान करने एवं सीखी गई तकनीकों को प्रभावी रूप से लागू करने के लिये पुलिसकर्मियों को प्रेरित करेगें।

अतिक्रमण की शिकायत करना युवक को पड़ा महंगा, आधी रात को 12 लोगों ने किया हथियारों से हमला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कस्बे में पहले अतिक्रमण की शिकायत करना युवक को गुरुवार शुक्रवार रात महंगा पड़ गया। 10 से 12 लोगों ने घर में घुसकर हथियारों से हमला किया युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है जिसे उपचार के लिए उज्जैन चरक अस्पताल में भर्ती किया गया। पुलिस में हमला करने वालों की तलाश शुरू करती है।

माकड़ोन के रुपाखेड़ी में रहने वाले राहुल पिता कन्हैयालाल राठौर को देर रात घायल हालत में उज्जैन चरक अस्पताल लाया गया था जहां सिर में धारदार हथियार की गहरी चोट होने पर डॉक्टरों ने टांके लगाकर उपचार के लिए भर्ती किया है। घायल युवक ने बताया कि रात

12 बजे के लगभग वह घर में सोया हुआ था। उसी दौरान 10 से 12 लोग मुंह पर कपड़ा बांधकर आए और घर में घुसकर हमला कर दिया। हमलावरों के पास तलवार, फरसे और बंदूक थी। घायल का कहना था कि उसे दिन पहले उसने कस्बे में पहले अतिक्रमण की शिकायत तहसील में की थी। जिसको लेकर अतिक्रमण करने वालों द्वारा उसे मारने का प्रयास किया गया। मामले में माकड़ोन थाना पुलिस का कहना था कि रात में घायल को उपचार के लिए उज्जैन ले जाया गया था। जिसके चलते सुबह परिजनों से जानकारी जुटाकर मामले में प्रकरण दर्ज किया जा रहा है। घायल के बयान दर्ज किए जाएंगे। उसके बाद ही हमला करने वालों के नाम सामने आ पाएंगे। परिवार ने कुछ नाम बताए हैं। जिनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

गुर्जर समाज के दो पक्षों में भी विवाद- माकड़ोन के ग्राम ओरंगपुर में गुर्जर समाज के विक्रम पिता नारायणसिंह और चंदू पिता कचरू के बीच पंचायत में शिकायत करने की बात को लेकर विवाद हो गया। दोनों ओर से परिवार और रिश्तेदार भी विवाद में शामिल हो गए। चंदरसिंह की ओर से करणसिंह, माखनसिंह, जितेन्द्र गुर्जर घायल हो गए। दूसरी ओर से विक्रमसिंह, देवीसिंह, कमला बाई, सचिन, कमल और रोहित को चोट लगी है। माकड़ोन पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का प्रकरण दर्ज किया है।

सम्राट विक्रमादित्य अंतर्राष्ट्रीय सम्मान के लिए 20 मई तक नामांकन आमंत्रित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर सम्राट विक्रमादित्य की गौरवशाली स्मृति में सम्राट विक्रमादित्य अंतर्राष्ट्रीय सम्मान स्थापित किया गया है। यह सम्मान सम्राट विक्रमादित्य के शौर्य, न्यायप्रियता, सुशासन, दानशीलता, प्रजावत्सलता एवं भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ, उज्जैन द्वारा संस्कृति विभाग के सहयोग से स्थापित सम्राट विक्रमादित्य अंतर्राष्ट्रीय सम्मान की राशि 1 करोड़ 1 लाख रुपये निर्धारित की गई है।

इसके साथ ही 21 लाख रुपये का राष्ट्रीय सम्मान और पाँच-पाँच लाख रुपये के तीन शिखर सम्मान भी स्थापित किए गए हैं। यह सम्मान भारत की सांस्कृतिक गरिमा को विश्व मंच पर नई पहचान प्रदान करेगा। इच्छुक संस्थाएं एवं व्यक्ति 20 मई, 2026 तक सम्मान के लिए नामांकन भर सकते है। महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक श्री श्रीराम तिवारी ने बताया कि सम्मान के लिए आवेदन एवं नामांकन प्रक्रिया शोधपीठ की आधिकारिक वेबसाइट https://awards.mvspujjain.com पर प्रारंभ कर दी गई है। वेबसाइट पर सम्मान से संबंधित दिशा-निर्देश, पात्रता, चयन प्रक्रिया एवं विभिन्न श्रेणियों की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई गई है। अंतर्राष्ट्रीय सम्मान,राष्ट्रीय सम्मान एवं शिखर सम्मान के लिए एक स्पीड रीड सारांश भी उपलब्ध है। इसमे हर पुरस्कार के अर्हताओं का उल्लेख है।

लोटी स्कूल तिराहे से हनुमान नाका तक मार्ग का सौंदर्यकरण करते हुए आदर्श मार्ग के रूप में विकसित करें - निगम आयुक्त

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। लोटी स्कूल तिराहे से होते हुए हनुमान नाका चौराहा तक संपूर्ण मार्ग पर नगर निगम द्वारा सौंदर्यकरण कार्य करते हुए एक आदर्श मार्ग के रूप में विकसित किया जाए उक्त मार्ग सिंहस्थ महापर्व अंतर्गत महत्वपूर्ण मार्ग है नीलगंगा से साधु संतों की पेशवाई प्रारंभ होते हुए इसी मार्ग से निकलती है इसलिए संपूर्ण मार्ग पर सौंदर्यकरण किया जाए उक्त निर्देश निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा द्वारा शुक्रवार को प्रातः 6-00 बजे निगम अधिकारियों के साथ संपूर्ण मार्ग पर पैदल भ्रमण करते हुए अधिकारियों को दिए*

निरीक्षण के दौरान आयुक्त द्वारा निगम अधिकारियों को निर्देशित किया कि संपूर्ण मार्ग पर जो दीवारें हैं उन पर सुंदर चित्रकारी करते हुए स्वच्छता के स्लोगन लिखे जाए, रेलिंग एवं डिवाइडर की सफाई रंगाई, पुताई, मार्ग पर जो अवैध अतिक्रमण एवं गुमटिया रखी हुई है उन्हें हटाने की कार्यवाही के साथ ही संपूर्ण मार्ग पर सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए, मार्ग पर कचरा ना हो इसके लिए जगह-जगह लीटर बिन लगाए जाए निरीक्षण के दौरान आयुक्त द्वारा निगम द्वारा संचालित कचरा कलेक्शन वाहन में कचरा सेग्रीगेशन का निरीक्षण करते हुए हेल्पर एवं आईईसी टीम के मेंबर को निर्देशित किया कि कचरा गीला एवं सूखा अलग-अलग ही संग्रहित किया जाए साथ ही रहवासियों को भी समझाइश दीं जाए कि 02 डस्टबिन रखते हुए कचरा अलग-अलग दें हेल्पर का काम सिर्फ गाड़ी में बैठना नहीं बल्कि कचरे की मॉनिटरिंग करना है।

निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्री पवन कुमार सिंह, उपायुक्त श्री योगेंद्र सिंह पटेल, श्री संजेश गुप्ता, जोनल अधिकारी श्री मनोज राजवानी, स्वास्थ्य अधिकारी श्री आनंद विजय सिंह राठौड़, सब इंजीनियर श्री सचिन जायसवाल, स्वच्छता निरीक्षक श्री मनीष पांडे एवं दरोगा उपस्थित रहे।